दैनिक प्रातः संस्करण

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

वर्ष- 44 | अंक - 268 | राजनांदगांव, शनिवार 15 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 8+8 | मूल्य - 5.00 रुपए

राष्ट्रपति मुर्मू का देश के नाम संदेशः बोलीं-सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में

नई दिल्ली। 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने कहा कि कुछ ही घंटों बाद भारत की आजादी के 80वें साल की शुरुआत होने जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ने हर नागरिक से देश के लिए जागरूक रहने और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने की अपील की। अपने भाषण में उन्होंने देश की तरक्की, संविधान, विदेश नीति, सरदार पटेल, सिंधु जल संधि और सरकार की कई योजनाओं के बारे में बात की।

'पेपर लीक रोकने के लिए कदम उठा रही सरकार', राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्र के नाम संबोधन में दिया भरोसा

हर भारतीय देश की तरक्की में अपना योगदान दे- मुर्मू

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले भारतीय स्वतंत्रता दिवस का त्योहार खुशी के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि हर भारतीय को अपने सपनों को पूरा करने के साथ देश सर्वश्रेष्ठ बनाने में भी अपनी भूमिका निभानी चाहिए। देश की तरक्की में योगदान देना ही आजादी की असली कीमत है। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों, मजदूरों और किसानों की मेहनत की तारीफ की। राष्ट्रपति ने कहा कि सभी लोग अपने-अपने काम से देश को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

हमारा संविधान जनता की भागीदारी पर टिका है-मुर्मू

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमारा संविधान जनता की भागीदारी पर आधारित है। देश के लोग इस भावना को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने इसे भारतीय लोकतंत्र की बड़ी ताकत बताया। राष्ट्रपति ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की भी बात की। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक हिंसा के कारण लाखों लोगों को अपना घर छोड़कर शरणार्थी बनना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी।

मुर्मू बोलीं- देश के हित में है भारत की विदेश नीति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत की विदेश नीति देश के हित को ध्यान में रखकर बनाई जाती है। आर्थिक सहयोग बढ़ाने और दूसरे देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने के लिए भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों में भारत आगे बढ़कर काम कर रहा है। दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। राष्ट्रपति ने पर्यावरण को बचाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिससे आने वाली पीढ़ियों को प्राकृतिक संसाधनों की कमी का सामना करना पड़े। पर्यावरण की रक्षा करना हमारी परंपरा का हिस्सा है।

सरदार पटेल ने 550 से ज्यादा रियासतों को भारत से जोड़ा- राष्ट्रपति

राष्ट्रपति ने सरदार वल्लभभाई पटेल को याद किया। उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ था, तब 550 से ज्यादा रियासतों को भारत से जोड़ना बड़ी चुनौती थी। सरदार पटेल ने इन रियासतों को भारत में मिलाया। राष्ट्रपति ने लौहपुरुष सरदार पटेल को नमन करते हुए उन्हें आधुनिक भारत का शिल्पकार बताया। (शेष पृष्ठ 15 पर...)

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 78 वीरता पुरस्कारों का ऐलान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश के रक्षा बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) के जवानों के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम को सम्मानित करते हुए 78 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी है। इस वर्ष घोषित किए गए कुल 78 वीरता पुरस्कारों में 13 मरणोपरांत दिए जाने वाले पुरस्कार भी शामिल हैं, जो देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हैं।

13 सम्मान मरणोपरांत

इन्हें मिलेगा शौर्य चक्र

लेफ्टिनेंट कमांडर शिवम कुमार, उपाधीक्षक धीरज सिंह कटोच, निरीक्षक अजय सिंह चिब, उपाधीक्षक सुखवीर सिंह, सहायक उपनिरीक्षक नियाज अहमद, उप कमांडेंट अंजनी कुमार, कांस्टेबल दीपक साह

नौ सेना पदक (वीरता)

कमांडर युवराज कुमार, कमांडर विनीत शर्मा, कमांडर अविनाश अन्नासो, पीओए (एफडी),

मेंशन-इन-डिस्पैचेज

कमांडर निखिल चुग,लेफ्टिनेंट अजय जोस एन जोसेफ, अभिषेक धनावड़े, सी ए (सीडी), अश्विन संतोष, एवीआर सी ए (सीडी)

कीर्ति चक्र पाने वाले विजेता

कीर्ति चक्र पाने वाले विजेता, लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज फ्रांसिस, एससी, 21 पैरा (स्पेशल फोर्सेज)-सेना, मेजर जितेंद्र राठी, 2 पैरा (स्पेशल फोर्सेज)-सेना, हवलदार गजेंद्र सिंह, 2 पैरा (स्पेशल फोर्सेज) (मरणोपरांत)-सेना, जगबीर सिंह, हेड कांस्टेबल (मरणोपरांत)-गृह मंत्रालय, जसवंत सिंह, एसजी कांस्टेबल (मरणोपरांत) (शेष पृष्ठ 15 पर...)

पाठकों को बधाई...

80 वें स्वतंत्रता दिवस की समस्त सुधि पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

\- सम्पादक

आज अवकाश

80 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आज 15 अगस्त 2026 को दैनिक दावा कार्यालय में अवकाश रहेगा। पाठकों को अगला अंक 17 अगस्त 2026 को प्राप्त होगा।

\- व्यवस्थापक

अमित शाह पर बयान देकर फिर फंसे राहुल गांधी, लोकसभा सचिवालय ने नोटिस भेजकर मांगा जवाब

नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से 28 अगस्त तक जवाब मांगा है। यह जवाब सदन में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान शाह के खिलाफ टिप्पणी को लेकर विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना के नोटिसों के संबंध में मांगा गया है।

राहुल को शाह पर टिप्पणी के लिए नोटिस

14 अगस्त के एक पत्र में संयुक्त सचिव एच राम प्रकाश ने कहा कि ये नोटिस भाजपा सांसदों अनुराग सिंह ठाकुर और संजय जायसवाल की ओर से दिए गए थे। ठाकुर ने 30 जुलाई को भेजे गए नोटिस में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने नियम 353 के तहत पहले से नोटिस दिए बिना चर्चा के दौरान गृह मंत्री के खिलाफ असंसदीय और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया और गंभीर आरोप लगाए। जबकि 29 जुलाई को संजय जायसवाल ने एक अलग पत्र में गांधी द्वारा असंसदीय भाषा के इस्तेमाल का संज्ञान लेने और प्रक्रिया नियमों के तहत उचित कार्रवाई करने की मांग की। लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी को भेजे नोटिस में कहा है कि वह मामले में 28 अगस्त तक अपना जवाब या टिप्पणी माननीय लोकसभा अध्यक्ष के विचार के लिए भेजें। (शेष पृष्ठ 15 पर...)

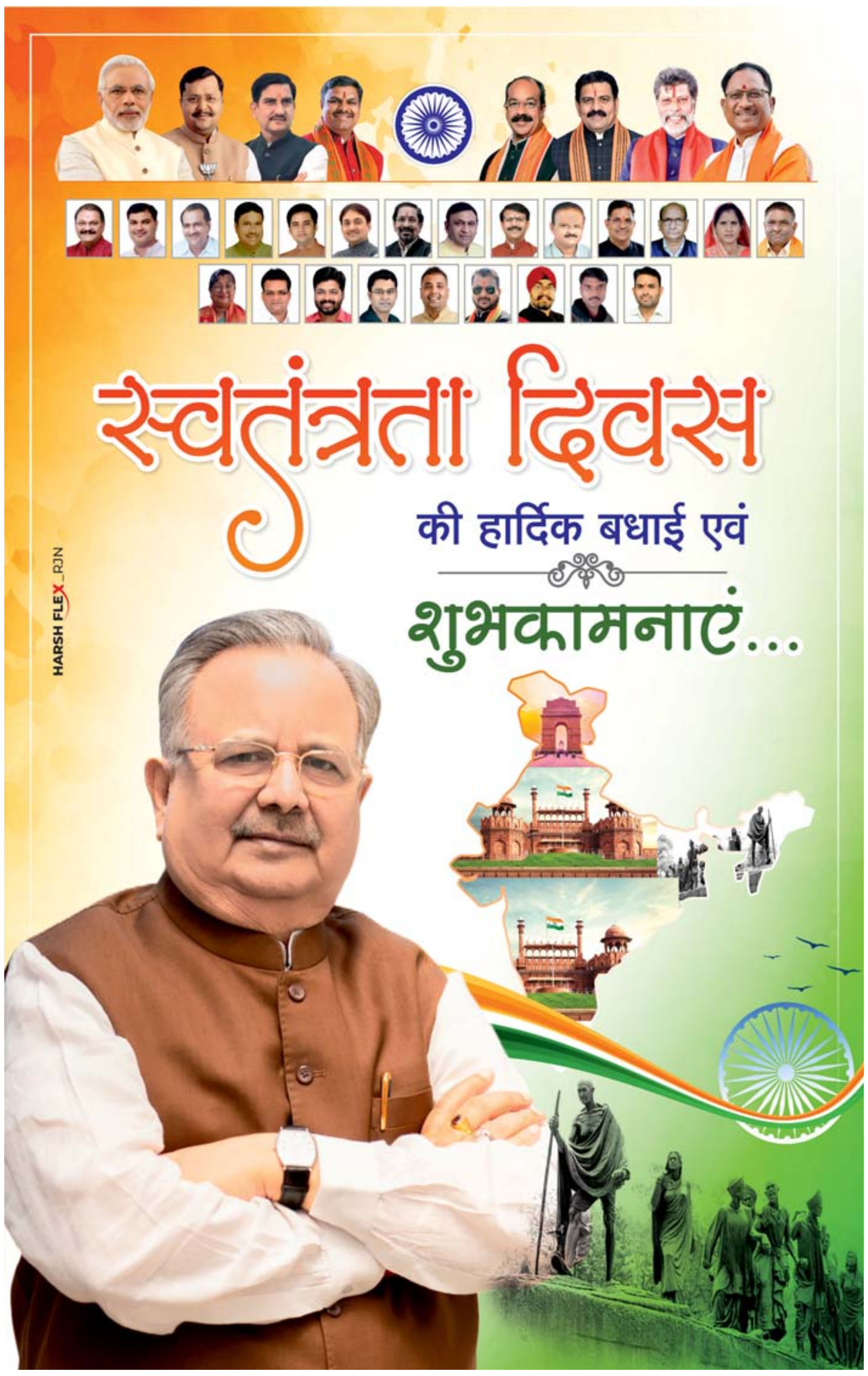

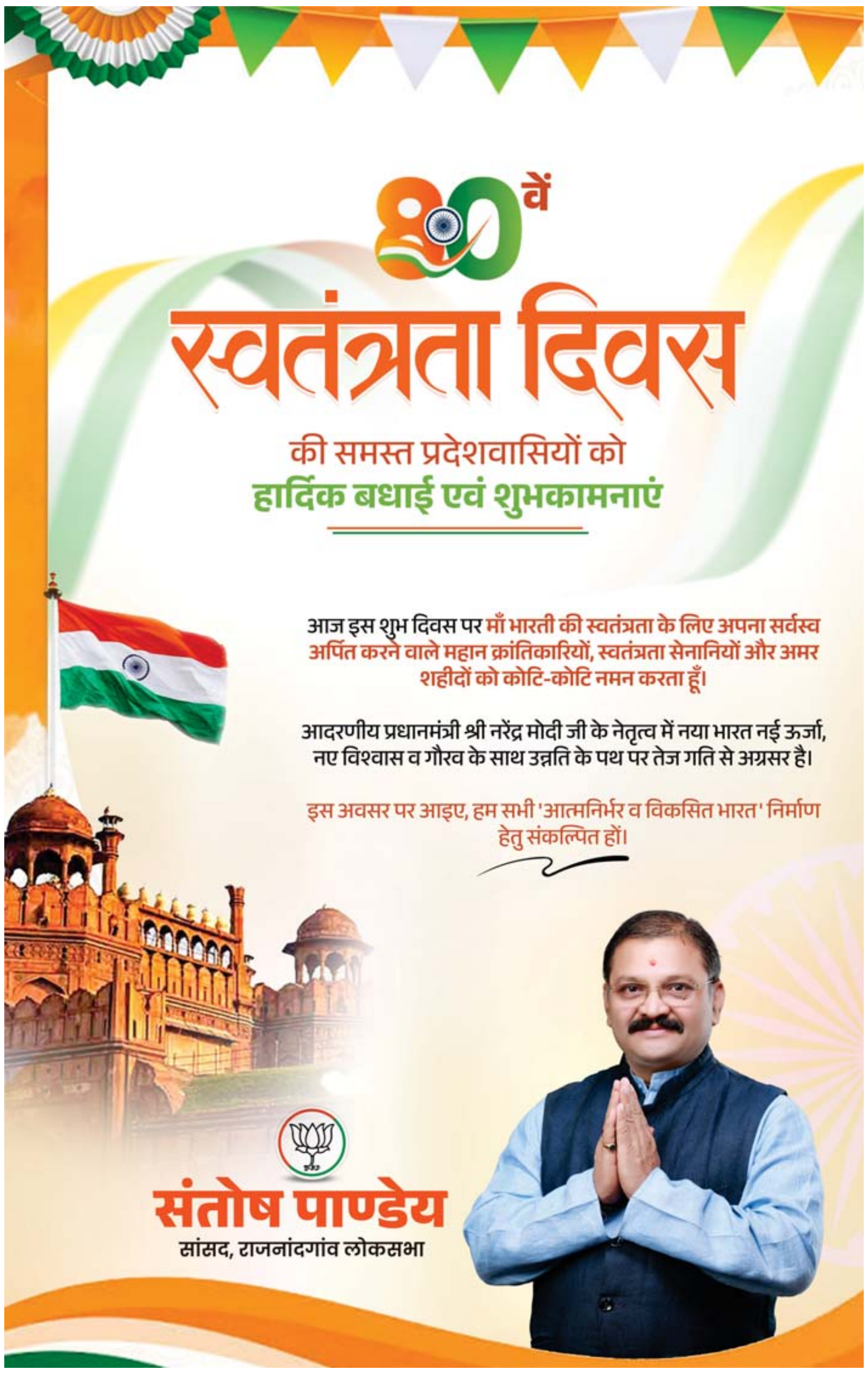

पहला कॉलम...

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पाण्डे ने नागरिकों को दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

राजनांदगांव (दावा)। विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पाण्डे ने नागरिकों को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय पर्व पर अपने शुभकामनाए दी है। उन्होने कहा कि, स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त हर भारतीय के लिए गर्व व सम्मान का दिन है। यह दिन हमे उन अनगिनत बलिदानों एवं संघर्षो की याद दिलाता है। जिनके बाद हमे आजादी मिली। एक सप्ताह से हमारे देश में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक में देश प्रेम की भावना जागृत करने तथा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में अपने घरो में तिरंगा झंडा लगाने प्रेरित किया जा रहा है। विधायक डॉ. सिंह ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि, यह दिन उन सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करने और श्रद्धांजलि देने का अवसर है। जिन्होने अपनी जान की परवाह किए बिना देश की आजादी के लिए सब कुछ न्यौछावर कर दिया। उन्होने कहा कि, यह दिन हमारे संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की याद दिलाता है। जो हमे समानता, न्याय और स्वतंत्रता का अधिकार देते है। सांसद श्री पाण्डे ने शुभकामना देते हुए कहा कि, भारत का स्वतंत्रता दिवस हर भारतीय के लिए गर्व, सम्मान और देशभक्ति की भावना का प्रतीक है। यह दिन उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है, जिन्होने अपने प्राणों की आहुति देकर हमे अंग्रेजी की गुलामी से आजादी दिलाई। हर वर्ष 15 अगस्त को हम स्वतंत्रता दिवस के रूप में बडे हर्षोल्लास और गर्व के साथ मनाते है।

आरकेसी में ध्वजारोहण करेंगे अशोक चौधरी, स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां पूरी

राजनांदगाँव (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कल रॉयल किड्स कॉन्वेंट परिसर में भव्य ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी अशोक चौधरी राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) फहराएंगे और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय ध्वज वंदना शाला में प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि अशोक चौधरी द्वारा विधिवत रूप से तिरंगा फहराया जाएगा और राष्ट्रगान गाया जाएगा। ध्वजारोहण के उपरांत संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मार्च पास्ट प्रस्तुत किए जाएंगे। मुख्य अतिथि अपने संबोधन में स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए युवाओं को देश सेवा एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित करेंगे।

समारोह को लेकर प्रबंधन और प्रशासन ने सुरक्षा, बैठक व्यवस्था तथा प्रोटोकॉल की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, अभिभावक और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। शाला की अध्यक्षा डॉ. श्रीमती सविता जेबी सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह, बोर्ड मेंबर टी. एस. बग्गा सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, राहुल देव चौधरी, श्रीमती मनीषा सिंह, श्रीमती पूजा सिंह, श्रीमती जानवी सिंह, श्रीमती ईला सिंह अकैडमीक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल बरसर आई के वैष्णव, प्राचार्या श्रीमती एकता खंडेलवाल उप प्राचार्य श्रीमती ममता मिश्रा एच. एम. सुश्री सरिता सिंह एक्टिविटी कल्चरल इंचार्ज श्रीमती अपर्णा वर्मा एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने स्वतंत्रता दिवस की सभी को अग्रिम शुभकामनाएं दी।

अभिलाषा में ध्वजा रोहण करेंगे पवार मेक फाउंडेशन लिमिटेड के जनरल मैनेजर शाजिद अख्तर साहब

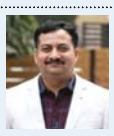

राजनांदगांव (दावा)। आजादी जी 80 वां वर्षगांठ और अभिलाषा संस्था के स्थापना के 32 वा जन्मोत्सव के अवसर पर पावर मेक फाउंडेशन लिमिटेड के जनरल मैनेजर शाजिद अख्तर साहब के द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा उक्त जानकारी देते हुए संस्था की सचिव श्रीमती रूपम सोनछत्रा ने संस्था के पदाधिकारियों पलकों एवं आम नागरिकों से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो कर दिव्यांग बच्चों का मनोबल बढ़ाएं। उक्त जानकारी संस्था के प्रशासक दिलीप श्रीवास्तव ने दी।

शिवराज ओस्तवाल का निधन

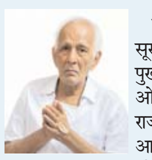

राजनांदगांव (दावा)। स्व. साहब राम सूरजमल जी ओस्तवाल के वंशज एवं स्व. श्री पुखराज जी ओस्तवाल के सुपुत्र शिवराज ओस्तवाल (निवासी–लोहावट, मारवाड़, राजस्थान) का आज शाम करीब 4:15 बजे आकस्मिक स्वर्गवास हो गया है। अंतिम यात्रा आज 15 अगस्त (शनिवार) को सुबह 11:30 बजे निज निवास हलवाई लाइन (आदर्श वस्त्रालय), राजनांदगांव अंतिम संस्कार स्थल मठपारा स्थित मुक्तिधाम में की जावेगी।

स्वतंत्रता दौड़ एवं तिरंगा रैली में छलका देशभक्ति का उत्साह

महापौर एवं कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर स्वतंत्रता दौड़ एवं तिरंगा रैली को किया रवाना

हाथों में तिरंगा लेकर बच्चों, युवाओं एवं हर आयु वर्ग के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा

राजनांदगांव (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आजादी के उत्सव को उल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाने के लिए स्वतंत्रता दौड़ एवं तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम खेल परिसर मैदान, गौरव पथ राजनांदगांव में आयोजित कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव एवं कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने स्वतंत्रता दौड़ एवं तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं सहित हर आयु वर्ग के नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। देशभक्ति के नारों एवं उत्साह से पूरा आयोजन स्थल गूंज उठा। स्वतंत्रता दौड़ एवं तिरंगा रैली अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम खेल परिसर मैदान से प्रारंभ होकर गौरव पथ रोड, वीआईपी रोड, आम्बेडकर चौक एवं दिग्विजय स्टेडियम के सामने से होते हुए वापस वीआईपी रोड के रास्ते अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम खेल परिसर मैदान पहुंचकर संपन्न हुई। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव ने जिलेवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने भी प्रदेश एवं जिलेवासियों को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत 9 अगस्त से लगातार स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अपना त्याग और बलिदान दिया है। उनके संघर्ष और बलिदान को स्मरण करते हुए आजादी के उत्सव में स्वतंत्रता दौड़ एवं तिरंगा रैली का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस प्रकार के आयोजन हम सभी को नई ऊर्जा एवं प्रेरणा प्रदान करते हैं तथा देश और समाज के लिए बेहतर कार्य करने का मार्गदर्शन देते हैं। ऐसी गतिविधियां नागरिकों को निरंतर प्रेरित एवं प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी इस तरह के आयोजनों को नए आयाम एवं नए स्वरूप के साथ आयोजित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित हो और देशभक्ति की भावना और मजबूत हो। कलेक्टर ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। स्वतंत्रता दौड़ एवं तिरंगा रैली में अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सचिन बघेल, खूबचंद पारख, संतोष अग्रवाल, सुरेश एच लाल, संतोष पिल्ले, जिला पंचायत सीईओ दुर्गा प्रसाद अधिकारी, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा, आयुक्त नगर निगम जीआर मरकाम, एसडीएम गौतम पाटिल, जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल, जिला खेल अधिकारी ए एक्का सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, स्कूली विद्यार्थी, खिलाड़ी, खेल संघों के पदाधिकारी, शासकीय विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस जवान एवं गणमान्य नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

हल्द्वानी की घटना के विरोध में कांग्रेस का पैदल मार्च और सत्याग्रह

राजनांदगांव (दावा)। हल्द्वानी में कांग्रेस की रैली के स्थल पर गंगाजल से कथित शुद्धिकरण किए जाने की घटना के विरोध में जिला शहर कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव ने शुक्रवार को पैदल मार्च कर सत्याग्रह किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेसजन जयस्तंभ चौक से भारकापारा स्थित डा. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल तक पैदल पहुंचे और घटना के विरोध में अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रतिमा स्थल पर कांग्रेसजनों ने सत्याग्रह किया और सामाजिक समानता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा संविधान की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि हल्द्वानी की घटना केवल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का अपमान करने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों नागरिकों की गरिमा, समानता और सामाजिक न्याय की भावना पर प्रहार है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार और सम्मान दिया है। ऐसे में किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल को अपमानित करने के लिए धार्मिक आडंबर का सहारा लेना लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐसी विभाजनकारी और भेदभावपूर्ण मानसिकता का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करती रहेगी। महात्मा गांधी और डा. भीमराव आंबेडकर के विचारों से प्रेरित कांग्रेस सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे की पक्षधर है। देश की जनता को बांटने तथा संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने के किसी भी प्रयास को कांग्रेस स्वीकार नहीं करेगी , मुदलियार ने इसे भाजपा की समाजिक भेद भाव एवं दलित विरोधी मानसिकता बताया है

मुदलियार ने कहा कि आज का सत्याग्रह कांग्रेस की एकजुटता और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का प्रतीक है। कांग्रेसजन संविधान की रक्षा और सामाजिक समानता के लिए लगातार संघर्ष करते रहेंगे।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री धनेश पटीला, पूर्व अध्यक्ष भागवत साहू , रमेश राठौर, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, सुदेश देशमुख, प्रवीण मेश्राम, रुपेश दुबे, दौलत सिंह चंदेल, रूबी गरचा, मामराज अग्रवाल, शारदा तिवारी, हरिनारायण धकेता, अमीन हुड्डा, अशोक पंजवानी, प्रेम रूपचंदानी, कुसुम दुबे, मनीष गौतम, चेतन भानुशाली, लक्ष्मण साहू, ललित मारकाम, अमर झा, माया शर्मा , शरद खंडेलवाल, सादिक खान, आशीष साहू, भारत सोनी, प्रकाश बाफना, झम्मन देवांगन, बंटी यादव, अशोक फड़नवीस, रज्जु जैन, ललित कुमरे, राजा तिवारी, राजू रंगारी, राकेश चंद्राकर रईस अहमद गोरी, बाबा राठौर, सुरेंद्र देवांगन, राजिक सोलंकी, शेषनारायण, गोलू नायक, सतीश सोनपिपरे, तन्मय कोटड़िया, नेमचंद साहू, सीताराम श्रीवास, कुलदीप कुरंजेकर, संजय साहू, रितेश गोलू महानंद, कमलू नेताम, शिवम गड़पायले, बबलू कसार, जय जायसवाल, सिद्धार्त डोंगरे, मनीष सावरकर, लोकू यादव, हितेश साहू, निर्मल द्विवेदी, नंदकुमार साहू, केशव पटेल, राजा चौहान, तथा बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए।

हर हाथ तिरंगा, हर घर तिरंगा अभियान को सभी सफल बनायें - डॉ. द्विवेदी

राजनांदगांव (दावा)। अतीव महत्तम भारतीय सनातन मूल्यों की प्रादर्श पहचान -प्रतीक हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा अपने विशिष्ट आकार, अत्यंत आकर्षक रंग-विन्यास एवं विशिष्ट स्वरूप में समग्र देश-धरती में अनुपम, अद्वितीय आन-बान-शान का गौरव प्रतीक माना गया है। उक्त विचार व्यक्त करते हुए नगर के वरिष्ठ शिक्षाविद् चिंतक डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी ने वर्तमान समय में निकाली जा रही तिरंगा यात्रा, हर हाथ तिरंगा, हर घर तिरंगा के जयघोष अभियान को अत्यंत सहज, सरल रूप में युवा-किशोर, बाल-बुजुर्ग पीढ़ी के लिए राष्ट्रबोध देश-भक्ति और राष्ट्रप्रेम का अद्भुत जज्बा पैदा करने वाला एक सर्वश्रेष्ठ उपक्रम तो है ही साथ ही साथ आजादी की संघर्ष गाथा को प्रत्यक्ष रूप से जन-जन के हृदय से जोडने और आजादी की लड़ाई में अपना सर्व-सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों का भी परमपुण्य स्मरण भी कराता है। आगे डॉ. द्विवेदी ने जोर देकर कहा कि हमारे तिरंगे का असंख्य कर्मठ युवा हाथों में धारण कर लहराना और हर घर आंगन में तथा छतों पर फहराने से जो राष्ट्रभक्ति सेवाभाव और राष्ट्र गौरव का जो जोश सभी के हृदय भरता है वह सहज ही प्रत्येक तन-मन को मंत्रमुग्ध-प्रफुल्लित कर देता है। यह भारत माता के प्रत्येक सपूत के लिए अत्यंत गौरव का पल भी है। वैसे भी हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा प्रत्येक भारतीय के परम राष्ट्र सेवा और राष्ट्रहित सर्वोपरि की अनमोल भावना के साथ-साथ अपने मौलिक कर्तव्यों को निभाने का भी आह्वान अवसर प्रदत्त कराता है। आईये हम सभी पूरे मन-प्राण से संकल्पित होकर हर हाथ में और हर घर-घर में तिरंगा लहराये। यह राष्ट्रबोध का श्रेष्ठ उपक्रम हमारे तिरंगा अभियान को श्रेष्ठ सार्थक अर्थो में सफलीभूत करेगा और सही अर्थो में जय तिरंगा-अमर तिरंगा और वंदे मातरम् के जयघोष हमारी माँ भारती को पूर्ण श्रद्धाभाव से गौरवान्वित भी करेगा।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202608095300002-ब/121-वर्ष 2025-26

एतद सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, भूपत राम वर्मा पिता श्री गोपाल राम वर्मा जाति लोधी निवासी ग्राम द्वारा तहसील डोंगरगढ़, जिला राजनांदगाँव (छ.ग.) द्वारा. ग्राम ढ़ारा में ख.नं. 457/4 रकबा 0.235 हे. भूमि है जो कि बंटवारे में अनावेदक संतोष कुमार वर्मा पिता श्री गोपाल राम जाति लोधी निवासी ग्राम ढ़ारा को प्राप्त हुई है व अनावेदक के नाम से ग्राम ढ़ारा में ख.नं. 457/3 रकबा 0.466 हे. भूमि स्थित है जो कि बंटवारे में मुझे प्राप्त हुई है एवं आवेदक व अनावेदक अपनी अपनी भूमि में काबिज होकर कृषि कार्य कर रहे है। यह कि उक्त भूमि का ऑनलाइन रिकॉर्ड गलत दर्ज होने के कारण आवेदक व अनावेदक को कृषि कार्य में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह कि उक्त भूमि का कब्जा अनुसार ऑनलाइन रिकॉर्ड दुरुस्त किये जाने बाबत् आवेदन पत्र, बी-1, सहमति पत्र, आधार कार्ड, बी-1 की छायाप्रति पेश किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह दिनांक 21.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि में आपत्ति प्राप्त नहीं होने के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार डोंगरगढ़ (छ.ग.)

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हेमराज खंडे पिता-ज्ञानसिंग खंडे जाति-हल्बा निवासी ग्राम नादिया, तह. कुमरदा जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)। पिन नं. 491668 का निवासी हूं। जो कि मेरे पुत्री के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें नाम के स्थान पर जीतेशवरी Jiteshwari अंकित है। उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे पुत्री के नाम से जारी अंकसूची व अन्य कागजातों में नाम के स्थान JIGYASA अंकित है, उक्त नाम सही हैं। इसलिए आधार कार्ड में जीतेशवरी Jiteshwari अंकित हैं। उसे सुधार करवाकर JIGYASA अंकित कराना चाहता हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्ताहर दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थानः-अं. चौकी
दिनांकः-13/08/2026

आवेदक
हेमराज खंडे
निवासी ग्राम नादिया
कुमरदा जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका चित्ररेखा पटेल पति-दिलीप कुमार जाति-मरार निवासी ग्राम पचेडा मकान नं. 97 वार्ड नं.06 तह. डौंडी जिला-बोलाद (छ.ग.)। पिन नं. 491228 की निवासी हूं। जो कि मेरे स्वयं के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें पति के नाम के स्थान पर Rakesh Kumar राकेश कुमार तथा पता एचएन 51 वार्ड 02 टिकरापारा ग्राम कोदागांव, कांकेर अंकित है। उक्त पति का नाम व पता गलत है। परन्तु मेरे पति के नाम से जारी आधार कार्ड व अन्य कागजातों में नाम के स्थान DILIP KUMAR दिलीप कुमार तथा पता ग्राम पचेडा मकान नं. 97 वार्ड नं.06 तह. डौडी जिला-बोलाद (छ.ग.) । पिन नं. 491228 अंकित है, उक्त पति का नाम व पता सही हैं। इसलिए मेरे आधार कार्ड में Rakesh Kumar राकेश कुमार तथा पता एचएन 51 वार्ड 02 टिकरापारा ग्राम कोदागांव, कांकेर अंकित हैं। उसे सुधार करवाकर DILIP KUMAR दिलीप कुमार तथा पता ग्राम पचेडा मकान नं. 97 वार्ड नं. 06 तह. डौडी, जिला-बोलाद (छ.ग.)। पिन नं. 491228 अंकित कराना चाहती हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थानः-अं. चौकी,
दिनांकः-13/08/2026

आवेदक
चित्ररेखा पटेल
निवासी ग्राम पचेडा
तह.-डौडी, जिला-बोलाद (छ.ग.)

शहर में आज जगह-जगह लहराएगा राष्ट्र ध्वज तिरंगा, स्वतंत्रता दिवस की रहेगी धूम

जन-गण-मन और वंदेमातरम गीत होगा गुंजायमान, देश भक्ति व राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत कार्यक्रम से राष्ट्र भक्ति भावना का होगा संचार

राजनांदगांव (दावा)। आज शनिवार 15 अगस्त को देश की 80 वां स्वतंत्रता दिवस पूरे देश भर में धूमधाम से मनाया जाएगा। शहर सहित पूरे जिले भर में स्वतंत्रता दिवस की खुशियां बिखरेगी। आजादी के जश्न में आज पूरा माहौल सना रहेगा। लोग जगह-जगह देश-प्रेम व राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम कर तथा पूरे शानो शौकत से राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएंगे और आजादी की खुशियां मनाएंगे।

आज स्वतंत्रता दिवस की खुशियां लोगों के सिर चढ़कर बोलेगी। आजादी की खुशी में एक दूसरे को लड्डू खिला कर मुंह मीठा किया जाएगा। बच्चों में लड्डू बांटे जाएंगे और स्कूल कालेज सहित विभिन्न संस्था - संगठन के कार्यालयो और शासकीय प्रतिष्ठानों में तिरंगा फहरा कर भारत माता के चरणों में शीष नवाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम व देश भक्ति पूर्ण आयोजन किए जाएंगे। शिक्षा संस्थानों में नृत्य-गीत, कविता, भाषण आदि कार्यक्रमो की धूम बनी रहेगी।

आज देश की 80 वीं स्वतंत्रता दिवस पर शहर में मुख्य कार्यक्रम पीटीएस मैदान में संपन्न होगा। यहां विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमनसिंह ध्वजा रोहण करेंगे। डॉ सिंह यहां राष्ट्र ध्वज को सलामी देंगे और कलेक्टर जीतेंद्र यादव व एसपी सुश्री अंकिता शर्मा के साथ परेड का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद डॉ सिंह द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का प्रदेश वासियों के नाम संदेश का वाचन किया जाएगा तथा प्रदेश के विकास व समस्याओं पर बात रखी जाएगी।

देश की 79 वां स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्ट्रेट में सुबह कलेक्टर जीतेंद्र यादव द्वारा नगर पालिक निगम में महापौर मधुसूदन यादव पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी सुश्री अंकिता शर्मा,व न्यायालय सहित अन्य शासकीय प्रतिष्ठानों सहित विभिन्न संस्था - संगठनों के कार्यालयों में उनके प्रमुखो द्वारा धूमधाम से तिरंगा फहराया जाएगा। शहीद स्मारकों में भी झंडारोहण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा। स्कूलों में सुबह प्रभात फेरी निकाली जाएगी इसके बाद राष्ट प्रेम व देश भक्ति से पुरित बहुरंगी कार्यक्रम होंगे। नृत्य गीत सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमो की धूम रहेगी। शहर सहित जिले भर में देश भक्ति के तराने गूंजेंगे। लोगो में स्वतंत्रता दिवस का रंग चढ़ा रहेगा और राष्ट भक्ति में सन कर भारत माता के जय, वंदे मातरम व जय हिन्द के नारों से आसमान गुंजायमान करेंगे।

आज सिंधी समाज द्वारा ध्वजारोहण

राजनांदगांव (दावा)। शहर के झूलेलाल नगर में आजादी की 80 वीं वर्षगांठ के अवसर पर सिंधी समाज द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। पूज्य सिंधी पंचायत के प्रवक्ता एवं समाज के मीडिया प्रभारी अशोक पंजवानीने बताया कि 15 अगस्त शनिवार को सुबह 7.30 बजे से 8.30 बजे के बीच ध्वजारोहण कार्यक्रम झूलेलाल नगर स्थित झूलेलाल भवन में आयोजित किया गया है। झूलेलाल युवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में श्री पंजवानी ने संपूर्ण सिंधी समाज से उपस्थिति की अपील की है।

युगांतर में ध्वजारोहण

राजनांदगाँव (दावा)। युगांतर पब्लिक स्कूल में कल 15 अगस्त को स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण नगर के सम्मानित डॉ पूजा गोयल, डॉ शिरीष गोयल (पालक हेड ब्वॉय सीनियर वर्ग प्रथम गोयल), श्रीमती चन्द्रप्रभा गोलछा, श्नवीन गोलछा (पालक कोआर्डिनेटर सीनियर वर्ग गीतिका गोलछा), श्रीमती निकिता कोठारी, स्वर्गीय श्रेयांश कोठारी (पालक हेड ब्वॉय जूनियर वर्ग श्रेणिक कोठारी), श्रीमती हर्षिदा राठौड, देवेश राठौड (पालक हेड गर्ल जूनियर वर्ग ध्रेया राठौड), विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी रोडनी जॉन इन्जीनियर इंटरप्रेनेर डेल्टा इंजीनियरिंग वर्क्स भोपाल के विशेष आतिथ्य में प्रातः 7.20 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा मार्च पास्ट और देशभक्ति से परिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी रखा गया है। विद्यालय के प्राचार्य मधुसूदन नायर तथा प्रबंध समिति ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए सादर आमंत्रित किया है।

प्रेस क्लब व प्रेस कालोनी में लहरायेगा तिरंगा

बता दें कि शहर के राम दरबार चौक समीप स्थित प्रेस क्लब में आज स्वतंत्रता दिवस की खुशियां बिखरेगी। राष्ट गान जन-मण मन के साथ प्रेस क्लब अध्यक्ष सचिन अग्रहरि के हाथो सुबह साढ़े 8 बजे राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराया जाएगा। इस दौरान प्रेस क्लब सचिव अनिल त्रिपाठी व पदाधिकारियों सहित पत्रकार बंधु उपस्थित रहेंगे। इसी तरह आज 15 अगस्त के मौके पर सुबह 9.30 बजे प्रेस क्लब कालोनी में हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष मिथिलेश देवांगन के हाथों राष्ट्र ध्वज तिरंगा धूमधाम के साथ फहराया जाएगा।

महापौर मधुसूदन यादव ने दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

राजनांदगांव (दावा)। महापौर मधुसूदन यादव एवं निगम पदाधिकारियों ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए नागरिकों के जीवन में समृद्धि व खुशहाली की कामना की है। अपने शुभकामना संदेश में श्री यादव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस का पर्व हमे राष्ट्रीय एकता और अखंडता से जुडने की प्रेरणा देता है। हमारे महान राष्ट्र नायकों ने अपने बलिदान से हमें आजादी दिलाई। इस आजादी को कायम रखने हम अपना योगदान राष्ट्र के निर्माण में दे और स्वतंत्रता दिवस को यादगार बनाये। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आमजनों में देश भक्ति की भावना विकसित करने तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान में वृद्धि करने हर घर तिरंगा लगाने एक सप्ताह से कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

महापौर श्री यादव ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में आजादी का महत्व बताना, उनमें देश प्रेम की भावना जगाना है और इसके लिये हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। हम सबकों इस अभियान से जुडकर देश की आजादी के लिये अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों की याद में अपने घरों में तिरंगा लगाना है। उन्होंने कहा कि यह स्वतंत्रता दिवस निगम पदाधिकारियों का जनसेवा की संकल्प यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव है और जन विश्वास की पूंजी से ही हम इस नगर के विकास का रास्ता तय करेंगे। निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम, नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सावन वर्मा, सुनील साहू, राजेश जैन रानू, श्रीमती बिना ध्रुव, शैंकी बग्गा, आलोक श्रोती, राजा माखीजा, श्रीमती वर्षा शरद सिन्हा, श्रीमती केवरा विजय राय, एवं डीलेश्वर प्रसाद साहू, सहित अपील समिति के सदस्यों श्रीमती श्रुती लोकेश जैन, संतोष कुमार साहू, श्रीमती मोहनी बाई एवं सेवक राम उइके, पार्षदो एवं नामांकित पार्षदों ने स्वतंत्रता दिवस पर नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए, हर घर तिरंगा लगाने अपील करते हुये इस पर्व को अपूर्व उमंग-उल्लास-उत्साह के साथ मनाने की अपील की है।

शुभांक

अनुमानित

बी. के
3-6-9
688-2 114-6
राजधानी
1-5-0
133-7 358-6

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे ध्वजारोहण

राजनांदगांव (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन शौर्य परेड मैदान पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय राजनांदगांव में आयोजित किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। विधानसभा अध्यक्ष 15 अगस्त 2026 को सुबह 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे। डॉ. रमन सिंह ध्वजारोहण के बाद परेड की सलामी लेंगे एवं परेड का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा संदेश वाचन एवं मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जाएगा। कार्यक्रम में परेड का मार्च पास्ट, परेड कमांडरों का परिचय एवं फोटोग्राफी, शहीद परिवारों से भेंट, पीटी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

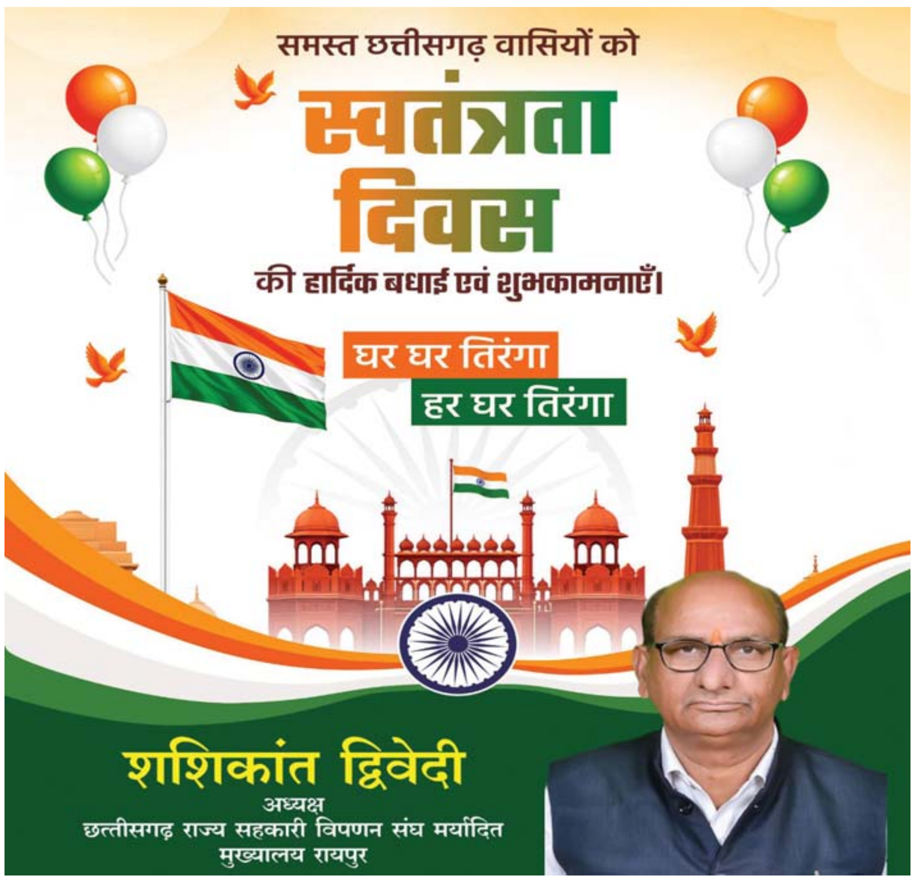

अनमोल दावा

"सपनों को हकीकत बनाने का सफर मुश्किल ज़रूर है, पर नामुमकिन नहीं।"

नए रूप में सामने आता गांधीवाद

वर्ष 1930 में जब महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह की घोषणा की, तो बहुत लोगों ने पूछा कि आखिर नमक ही क्यों? अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई के लिए क्या और कोई बड़ा मुद्दा नहीं? लेकिन गांधी जानते थे कि किसी भी जनांदोलन की शुरुआत नारों या भीड़ से नहीं होती, बल्कि एक ऐसे सवाल से होती है, जिसमें आम आदमी अपने जीवन के सामने खड़ी समस्या को देख सके। नमक हर घर की जरूरत में शामिल था, चाहे कोई अमीर हो या गरीब और इसलिए नमक कानून केवल एक कानून नहीं था। वह अन्याय का प्रतीक बन गया।

गांधी साबरमती आश्रम से निकले तो उनके साथ गिने-चुने लोग थे, लेकिन जैसे-जैसे वे दांडी की ओर बढ़ते गए, लोग रास्ते में जुड़ते गए। कोई भाषण सुनकर आया, कोई जिज्ञासा में आया। कोई इसलिए आया कि यह लड़ाई उसकी भी है। दांडी पहुंचते-पहुंचते वह गांधी का मार्च नहीं रहा, पूरे भारत का मार्च बन गया। गांधी की यही सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति थी। वे पहले लोगों के मन में सवाल पैदा करते थे, फिर उस सवाल को समाज का प्रश्न बनाकर उसे व्यापकता का स्वरूप देते थे।

लगभग एक सदी बाद भारत की नई पीढ़ी को देखकर वही बात फिर याद आती है। हाल के दिनों में युवाओं के आंदोलन ने एक बार फिर यह साबित किया कि भारत का युवा केवल इंटरनेट मीडिया पर अपनी बात रखने वाली पीढ़ी नहीं है। जब उसे लगता है कि किसी मुद्दे पर अपनी बात सार्वजनिक रूप से रखनी चाहिए, तब वह लोकतंत्र के दायरे में रहकर अपनी आवाज भी उठा सकता है। कुछ वर्षों से यह धारणा लगातार बनाई जाती रही कि आज का युवा केवल मोबाइल, रील और मनोरंजन तक सीमित है, लेकिन यह अधूरी तस्वीर पेश की जा रही थी, क्योंकि यही युवा जब किसी मुद्दे को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से इकट्ठा होता है, अपनी बात रखता है और लोकतांत्रिक तरीकों से संवाद करता है, तो वह उस धारणा को चुनौती देता है। वह बताता है कि तकनीक ने उसकी भाषा बदली है, संवेदनशीलता नहीं।

यहीं से एक नए गांधीवाद की शुरुआत दिखाई देती है। यह गांधीवाद खादी पहनने या चरखा चलाने का आग्रह नहीं करता। यह किसी व्यक्ति की पूजा भी नहीं करता, बल्कि यह गांधीवाद उस मूल भावना को अपनाता है, जिसमें संवाद और नैतिक साहस सबसे बड़ी ताकत होते हैं। आज के युवाओं के हाथ में चरखे की जगह मोबाइल है। गांव-गांव पैदल यात्रा की जगह इंटरनेट है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि गांधी अप्रासंगिक हो गए हैं। यदि युवा अपनी बात बिना हिंसा के रखता है। यदि वह असहमति को लोकतांत्रिक अधिकार मानता है। यदि वह व्यवस्था से जवाब मांगता है, लेकिन व्यवस्था तोड़ने की बात नहीं करता, तो वह जाने-अनजाने गांधी की परंपरा को ही आगे बढ़ा रहा है। गांधी का सबसे बड़ा योगदान केवल देश को आजादी दिलाना नहीं था। उन्होंने विरोध की भाषा बदल दी। उन्होंने बताया कि सबसे शक्तिशाली हथियार बंदूक नहीं, बल्कि नैतिक बल होता है। सत्ता को सबसे अधिक डर उस नागरिक से लगता है, जो शांत रहता है, पर अपने अधिकारों पर अडिग रहता है और यही सत्याग्रह का आत्मा होता है। आज भारत का लोकतंत्र भी उसी नैतिक शक्ति की जरूरत महसूस करता है। लोकतंत्र केवल मतदान से मजबूत नहीं होता। वह तब मजबूत होता है, जब नागरिक सवाल पूछते हैं, सरकार जवाब देती है। विपक्ष अपनी बात रखता है और समाज संवाद के लिए तैयार रहता है। यदि इनमें से कोई एक कड़ी कमजोर पड़ती है, तो लोकतंत्र का संतुलन भी कमजोर होने लगता है।

नई पीढ़ी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह हर बात को आंख मूंदकर स्वीकार नहीं करती। वह सवाल पूछती है। कई बार उसके सवाल असहज भी लगते हैं, लेकिन सवाल पूछने वाला समाज ही जीवित समाज होता है। गांधी भी यही चाहते थे। वे अंधभक्ति नहीं, जागरूक नागरिक चाहते थे और एक ऐसे भारत का सपना देखते थे, जहां सरकार जनता से डरे नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेह रहे। यह भी सच है कि हर आंदोलन गांधीवादी नहीं होता और हर विरोध को गांधी का नाम नहीं दिया जा सकता। गांधीवाद का अर्थ केवल धरना देना नहीं है। उसका अर्थ है, सत्य के प्रति ईमानदारी, विरोधी के प्रति भी सम्मान, सार्वजनिक जीवन में मर्यादा और किसी भी कीमत पर हिंसा से दूरी। यदि ये तत्व मौजूद हैं, तभी किसी आंदोलन में गांधी का आत्मा दिखाई देता है। आज जरूरत इसकी नहीं है कि युवा गांधी जैसी वेशभूषा अपनाएं, बल्कि इसकी है कि वे गांधी के तरीके को समझें। असहमति को नफरत में बदलने के बजाय संवाद में बदलना, विरोध को हिंसा में बदलने के बजाय नैतिक आग्रह में बदलना और राजनीति को केवल सत्ता का खेल मानने के बजाय समाज परिवर्तन का माध्यम बनाना ही गांधी का रास्ता था।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और आज इस लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। यदि यह युवा केवल चुनाव के दिन मतदान करने वाला नागरिक बनकर रह गया, तो लोकतंत्र अधूरा रहेगा। यदि यही युवा संविधान, अधिकार, कर्तव्य और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहेगा, तो भारत का लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा। दांडी यात्रा हमें यह नहीं सिखाती कि हर आंदोलन नमक से शुरू होगा। वह हमें यह सिखाती है कि हर बड़ा परिवर्तन एक ऐसे छोटे से सवाल से शुरू होता है, जिसे लोग पहले मामूली समझते हैं। वही सवाल धीरे-धीरे समाज की चेतना बन जाता है। शायद आज की नई पीढ़ी इसी रास्ते पर अपने ढंग से चल रही है। युवा पीढ़ी गांधी को किताबों में कम पढ़ती है, लेकिन कई बार उसके विचारों को अपने व्यवहार में जीती हुई दिखाई देती है। यदि नई पीढ़ी सत्य को महत्व दे, अहिंसा को कमजोरी नहीं, बल्कि शक्ति माने, संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे और लोकतंत्र में विश्वास बनाए रखे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आवश्यक स्वतंत्र भारत के मशाल वाहक

श्री सी. पी. राधाकृष्णन

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के इस महत्वपूर्ण अवसर पर मैं प्रत्येक भारतवासी को हार्दिक बधाई देता हूं। साथ ही, मैं उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को सादर नमन करता हूं, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

पिछले सप्ताह अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह की अपनी यात्रा के दौरान मुझे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत हमारे राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा महान देशभक्त नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी द्वारा तिरंगा फहराए जाने की ऐतिहासिक स्मृति को नमन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह मेरे लिए अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण अनुभव था कि मैं उस पवित्र धरती पर खड़ा था, जहां श्री नेताजी की आज़ाद हिंद फ़ौज ने 30 दिसंबर 1943 को भारत की भूमि पर पहली बार तिरंगा फहराया था। इस अवसर ने मुझे सितंबर 1939 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की मदुरै यात्रा का भी स्मरण कराया, जब वे महान स्वतंत्रता सेनानी पसुम्पोन मुथुरामलिंगा थेवर जी के निमंत्रण पर वहां पहुंचे थे। उस ऐतिहासिक क्षण ने क्षेत्र के असंख्य देशभक्तों के हृदय में स्वतंत्रता की अलख जगाई।

अंडमान स्थित राष्ट्रीय स्मारक सेल्युलर जेल की मेरी यात्रा एक अन्य अत्यंत प्रेरणादायी क्षण रही। इसी जेल में भारत माता के महान सपूत श्री वीर सावरकर जी, श्री योगेंद्र शुक्ल जी, श्री बटुकेश्वर दत्त जी, श्री सचिंद्र नाथ सान्याल जी और अनेक अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को औपनिवेशिक शक्तियों द्वारा कैद कर एकांत कारावास में रखा गया था। आज भी राष्ट्रीय स्मारक की ये दीवारें उन वीरों के साहस, उन्हें दी गई यातनाओं और सर्वोच्च बलिदान की गाथाएं सुनाती प्रतीत होती हैं, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। इस यात्रा ने मुझे उन सभी राष्ट्रनायकों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप यह लेख लिखने को प्रेरित किया, जिन्होंने करोड़ों लोगों के हृदय में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित की और राष्ट्र को स्वतंत्रता प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ाया।9 अगस्त को, जब हम भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति मना रहे थे, मुझे अंडमान द्वीप समूह में हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ करने का अवसर प्राप्त हुआ। वर्ष 1942 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने भारत छोड़ो आंदोलन का आह्वान करते हुए राष्ट्र को करो या मरो का ओजस्वी नारा दिया था। इस आह्वान के परिणामस्वरूप पूरे देश में आजादी प्राप्त करने की प्रबल आकांक्षा व्याप्त हो गई।

आज हमें उसी स्वतंत्रता सेनानी पीढ़ी के कारण स्वतंत्रता की हवा में सांस लेने और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत संवैधानिक अधिकारों के साथ जीवन जीने का सौभाग्य प्राप्त है, जिन्होंने अपने समय की औपनिवेशिक शक्तियों के विरुद्ध संघर्ष किया। उस समय देश के कोने-कोने में करोड़ों वीर स्वतंत्रता सेनानी अटूट समर्पण और त्याग के साथ इस संघर्ष में शामिल हुए तथा अनेक वीरों ने भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

स्वतंत्रता सेनानियों की गौरवगाथा

स्वतंत्रता सेनानी चाहे उत्तर में कश्मीर से हों या दक्षिण में तमिलनाडु से, पश्चिम में गुजरात से हों या पूर्व में असम से-देश के सभी क्षेत्रों, वर्गों, आयु समूहों और लिंगों के लोगों ने भारत माता की स्वतंत्रता के साझा लक्ष्य के लिए एकजुट होकर संघर्ष किया।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रतिरोध की अमर प्रतीक बनीं रानी लक्ष्मीबाई जी का शौर्य, मंगल पांडे जी का साहस और बाल गंगाधर तिलक जी का वह निर्भीक उद्घोष-स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा-स्वतंत्रता की ओर बढ़ते राष्ट्र के प्रत्येक कदम को शक्ति प्रदान करता रहा।

इसी क्रम में वी. ओ. चिदंबरम पिल्लै जी ने भारत का पहला स्वदेशी पोत-परिवहन उद्यम शुरू कर औपनिवेशिक शासन के आर्थिक प्रभुत्व को चुनौती दी। इससे यह सिद्ध हुआ कि स्वतंत्रता का संघर्ष केवल रणभूमि तक सीमित नहीं था, बल्कि आर्थिक और व्यावसायिक क्षेत्र में भी लड़ा गया था। भगत सिंह जी, राजगुरु जी और सुखदेव जी की क्रांतिकारी भावना ने आने वाली पीढ़ीयों को स्वतंत्रता के लिए त्याग और बलिदान का मार्ग अपनाने की प्रेरणा दी। वहीं रानी गैदिनल्यू जी की अदम्य भावना ने पूर्वोत्तर भारत में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध प्रतिरोध की लौ प्रज्वलित रखी। असम की युवा वीरांगना कनकलता बरुआ जी भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व करते हुए अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर अदम्य साहस के साथ आगे बढ़ीं और अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। भगवान बिरसा मुंडा जी तथा अनेक जनजातीय नेताओं ने भी औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध ऐतिहासिक प्रतिरोध का नेतृत्व किया। इतिहास के पन्नों में ऐसी असंख्य गाथाएं हैं, जो साहस, संघर्ष, धैर्य और दृढ़ संकल्प से भरी हुई हैं। इन सभी गाथाओं ने मिलकर साहस और बलिदान की समृद्ध विरासत का निर्माण किया है। वे हमें याद दिलाती हैं कि भारत की स्वतंत्रता अनगिनत वीरों के सामूहिक संकल्प से प्राप्त हुई थी और उनकी विरासत आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है।

स्वतंत्रता आंदोलन में तिरुप्पुर का योगदान

इस स्वतंत्रता दिवस पर मैं तिरुप्पुर कुमारन जी को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं, जिन्हें लोकप्रिय रूप से कोडी काथा कुमारन अर्थात ध्वज की रक्षा करने वाले कुमारन के नाम से जाना जाता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मेरे पैतृक स्थान तिरुप्पुर में उन्होंने आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। मृत्यु निकट जानते हुए भी उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज को धरती पर नहीं गिरने दिया। इसी कारण उन्हें यह सम्मानजनक उपाधि मिली। कम उम्र में ही कुमारन जी के हृदय में देशभक्ति की लौ प्रज्वलित हो उठी थी। स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है के आह्वान से प्रेरित होकर वे स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए। महात्मा गांधी जी के आदर्शों से अत्यंत प्रभावित होकर कुमारन जी ने लोगों, विशेषकर युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना जगाने के लिए देशबंधु युवा संघ की स्थापना की। कुमारन जी का दृढ़ विश्वास था कि सच्ची स्वतंत्रता तभी प्राप्त की जा सकती है, जब लोग औपनिवेशिक शासन के अन्याय के प्रति जागरूक हों और उसके विरुद्ध संघर्ष करने का साहस तथा स्पष्ट दृष्टि विकसित करें। गांधीवादी सामाजिक सुधार के सिद्धांतों के प्रति समर्पित कुमारन जी ने मद्यनिषेध अभियान को भी सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया। वे इसे सामाजिक और राष्ट्रीय पुनर्जागरण की दिशा में आवश्यक कदम मानते थे। इसी उद्देश्य से उन्होंने ताड़ी की दुकानों के सामने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और लोगों को मद्यपान से दूर रहने तथा आत्म-अनुशासन अपनाने के लिए प्रेरित किया। 10 जनवरी 1932 को सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान कुमारन जी ने एक जुलूस का नेतृत्व किया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे वे कुछ साहसी साथियों के साथ आगे बढ़े और तिरुप्पुर की सड़कों पर वंदे मातरम् के जोशीले नारे गूंज उठे।

औपनिवेशिक शक्तियों ने इस समूह पर हमला कर दिया। वंदे मातरम् का उद्घोष करते हुए और राष्ट्रीय ध्वज को अपने शरीर से लगाए कुमारन जी के सिर पर गंभीर चोटें आईं और राष्ट्र के लिए उन्होंने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। मृत्यु के समय उनकी आयु मात्र 27 वर्ष थी।

जब मैं तिरुप्पुर कुमारन जी की आयु का उल्लेख करता हूं, तो मुझे उन अनेक युवाओं की याद आती है, जिन्होंने भारत माता के लिए अपने प्राण बलिदान कर दिए। इनमें भगत सिंह जी (23 वर्ष), सुखदेव जी (23 वर्ष), राजगुरु जी (22 वर्ष), खुदीराम बोस जी (18 वर्ष), कनकलता बरुआ जी (18 वर्ष), अनंत लक्ष्मण कान्हेरे जी (19 वर्ष), वंचिनाथन जी (25 वर्ष) और ऐसे अनेक युवा शामिल हैं। उन्होंने नश्वर जीवन त्याग कर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अमर स्थान प्राप्त किया।

मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस पहल की सराहना करता हूं, जिससे राष्ट्रीय आंदोलन के उन गुमनाम नायकों को देश के सामने लाया जा रहा है, जिनका योगदान लंबे समय तक इतिहास के पन्नों में अपेक्षाकृत अनदेखा रहा। मैं सभी ज्ञात और अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

इस ऐतिहासिक अवसर पर आइए, हम अपनी मातृभूमि के प्रति अपने दायित्वों पर चिंतन करें और अपनी प्रतिबद्धता पुनः दृढ़ करें। इस अमृतकाल में 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के स्वयं को समर्पित करें और राष्ट्र की प्रगति तथा समृद्धि के लिए मिलकर कार्य करें। यही उन वीर सपूतों के प्रति हमारी सबसे सच्ची और उचित श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने अटूट साहस के साथ संघर्ष किया और हमारी स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण उत्सर्ग किए।

जय हिंद!
भारत माता अमर रहे!

(लेखक भारत के उपराष्ट्रपति हैं।)

देशभक्ति जगाने तिरंगा फहराएं

विजय मिश्रा 'अमित'

15 अगस्त 2026 को भारतवासी आजादी के 80 वां पर्वोल्लास से सराबोर होंगे। खुले आसमान में लहराते तिरंगा तले जयहिन्द, भारत माता की जय का उद्घोष जनमन को भावविभोर कर देगा। यह विशेष दिवस आत्मविश्लेषण-आत्मचिंतन की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण दिवस होता है। यही वजह है कि देशभर में आजादी के पूर्व और बाद की स्थिति 'अतीत से अद्यतन' की चर्चा इस पर्व पर विविध माध्यमों से की जाती है। वीर-वीरांगनाओं के त्याग- समर्पण का स्मरण करके उन्हे शत शत नमन् किया जाता है।

स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास बताता है कि 15 अगस्त 1947 के पहले अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों और बढ़ते अत्याचारों के सामने हर हिंदुस्तानी दासत्व में जीने को विवश हो चला था। दिन में भी घटाटोप अंधियारी रात का अहसास होता था। ऐसे दमघोटू माहौल से आक्रोशित देशभक्त हिंदुस्तानियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विरोध का बिगुल फूंक दिया। 1857 की क्रांति के साथ ही हर ओर भारत छोड़ो का नारा गूंज उठा था। उस दौर में क्रांतिकारियों के हृदय में धधकती ज्वाला को ओजस्वी शब्दों में चित्रित करते हुए कविश्री लिखते हैं उठो जवानों नाम मिटा दो, पापी और शैतान का, दुश्मन की छाती में गाड़ो झण्डा हिन्दुस्तान का।

स्वतंत्र भारत की पवित्र धरा पर खुली हवा में सांस लेते हुए देशवासियों ने आज तक जो कुछ भी अर्जित किया है, वह प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से तीन सौ वर्षों की गुलामी की पीड़ा सहे वीर पूर्वजों की देन है। फिरंगियों के खिलाफ विद्रोह की मशाल

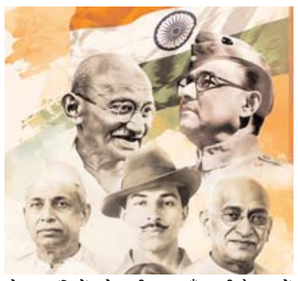

लेकर क्रांति में कूदे, शहीद हुए माँ भारती के सपूतों की कुर्बानी का सुफल है। इस नाते सदैव नवपीढ़ी को यह स्मरण रखना होगा कि उन्हें विरासत में मिली आजादी की पूंजी खैरात की नहीं है। यह वीर वीरांगनाओं की कठोर तपस्या से तैयार की गई फसल से उपजी पूंजी है। इसकी हिफाजत हर हाल में किसी भी कीमत पर करने के लिए युवा वर्ग को तत्पर रहना होगा।

प्रदेशवासियों के लिए गर्व की बात है कि आजादी की लड़ाई में छत्तीसगढ़ के सपूतों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्ष 1824 में ही छत्तीसगढ़ के वीर आदिवासी सपूतों ने फिरंगियों के खिलाफ जंग छेड़ दी थी। आदिवासी सेनानियों की हुंकार से ताकतवर अंग्रेज हुकुमत थरथर कांपती थी।

ऐसे पारंपरिक शौर्य का प्रदर्शन करने वालों में छत्तीसगढ़ महतारी के महावीर बेटो में वीर गेंदसिंह, गुंडापुर, इंदरू केवट, वीरनारायण सिंह, राजा भेरम देव आदि शामिल है। उन दिनों सोना खान के सपूत वीर नारायण सिंह का शौर्य और साहस जनगीत बनकर गुंजता था-परन ठान के,कफन बांध के, भारत माँ के करीन बिचार,गरजिस बधवा बीर नारायण, लिन तलवार निकाल।

स्वराज पथ गामियों में अग्रणीय ऐसे आदिवासी समाज की विशेषताओं को अभिव्यक्त करती हैं ये पंक्तियां-छत्तीसगढ़ के आदिवासी भाईयों के मिजाज लाजवाब है, गणित की किताब में ये रखते गुलाब है।

फिरंगियों के राज को नेस्तनाबूत करने के लिए छत्तीसगढ़ की वीरांगनाओं ने भी ब्रिटिश हुकूमत की ईंट से ईंट बजा दी थी। रणचंडी की तरह हूंकार भरती रौद्ररुपा डॉ. राधाबाई, रोहणी बाई परगनिहा, केतकी बाई, बेला बाई, फूलकुंवर बाई और मीनाक्षी देवी (मिनीमाता) की राष्ट्रवादी भावना के आगे अंग्रेजों के नापाक ईरादे ताश के पत्तों से बने मीनार की भांति भरभरा कर गिरते-टूटते चले गए थे। अंततः अंग्रेजों को मां भारती के वीर लाल और ललनाओं के सामने झुकना पड़ा। पराधीनता की बेड़ियों से माँ भारती को मुक्ति मिल गई। मां भारती की आन-बान-शान के लिए सब कुछ न्यौछावर करने वाले शूरवीरों की शहादत की कीमत चुकाना असंभव है। इसे अजर अमर बनाए रखने के लिए महान विभूतियों की तस्वीरें केवल शासकीय कार्यालयों में ही नहीं घर-घर में भी लगनी चाहिए। स्वतंत्रता सेनानियों ने देशवासियों पर जो उपकार किया है, वह अमूल्य है। अतुल्य है। वे पूज्य है अतः आजादी के पर्व पर एक नया संकल्प लें कि घर घर तिरंगा फहराएंगे। दीवारों पर परिवार के पूज्य सदस्यों की भांति कम से कम एक महान विभूति की तस्वीर लगाएंगे। यह नई पहल आत्मसुख देगी। नई पीढ़ी के मानस पटल पर देशभक्ति का बीजारोपण करने में अवश्य कारगर होगी। शूरवीरों को नमन करते हुए कहें दिल से- यही पूजा सुबह-शाम कर लें, देश के अमर शहीदों को बस प्रणाम कर लें।

अग्रोहा कॉलोनी रायपुर (छ.ग.)
492013 मो.9893123310

कविता

// देश के सैनिक//

माथ नवावँव सैनिक मन ला, अपन देश बर लड़ जाथें।
मातृभूमि के रक्षा खातिर, सीना मा गोली खाथें।।
ये धरती के प्यारा बेटा, भारत के शान बढ़ाथें।
आँच कभू नइ आवन देवे, खुद के वो प्राण लुटाथें।।
जब-जब आथे घर के सुरता, आँखी आँसू बोहाथें।
दाई बाबू लइका मन के, मया-गोठ सोरीयाथें।
हिरदय पथरा जइसन करके, दुश्मन ले वो भिड़ जाथें।
मातृभूमि के रक्षा खातिर, सीना मा गोली खाथें।।
देखत रहिथे रोज सुवारी, मोर पिया कब घर आही।
हँसी ठिठोली करबो मिल के, सुख-दुख के बात बताही।।
मया-मोह के बंधन तज के, घर ले दुरिहा हो जाथें।
मातृभूमि के रक्षा खातिर, सीना मा गोली खाथें।।
डटे रथें सीमा मा सैनिक, आए आँधी या पानी।
अपन वचन ला पूरा करथें,
बीतय चाहे जिनगानी।।
खुद बलिदानी हो जाथें अउ,
माटी के कर्ज चुकाथें।
मातृभूमि के रक्षा खातिर, सीना मा गोली खाथें।।

प्रिया देवांगन 'प्रिय'

कविता

सारे जहां से अच्छा

चन्दन है इस देश की माटी, तपोभुमि यह ग्राम है।
हर बहना है सीता जईसी, बच्चा बच्चा राम है।।
करते सदा मां की सेवा, न कभी आराम है।
भारत मां के चरणों में, मेरा कोटि कोटि प्रणाम है।
कर्म भी अच्छा, धर्म भी अच्छा, निती नियत हे अच्छा
मेरा भारत देश सारे जहां से अच्छा।
अरे पाक, और चीन ईरान, आंख न दिखाना।
तू अपने अवकात पर रह, मुह न लड़ाना।
भारत वो देश है प्यारे, जो सच्चे धरम निभाते है।
जहा कि संस्कृति संस्कार, सारे जगत अपनाते है।
जो भी देखा बुरी नजर से, वो सब खाया गच्चा,
मेरा भारत देश सारे जहां से अच्छा।।
हम तो सदा शांति चाहते है, नही चाहते है लड़ाई।
एक हाड़ चाम और लहु, आपस में सब भाई भाई।
हम भी ताकतवर देश है, भारत को नही दबाना।
तोप बंम और गोला बारूद से, हमको नहीं डराना।
दुश्मनो का न चाल चलेगा, न होगा पुरा ईच्छा,
मेरा भारत देश सारे जहां से अच्छा।।

आनंदराम सार्वा 'अनंत'
कु.बो. भाठागांव

राशिफल

मेष — कल की भारी मानसिक भावनाओं से आज राहत मिलेगी। संतान, प्रेम या रचनात्मक कामों में मन हल्का और सक्रिय महसूस होगा, चंद्रदेव अब केतु से दूर जा रहे हैं तो कल जैसी उदासी की कोई वजह नहीं रहेगी। आज खुशखबरी मिलने वाली है, गुरुदेव की अस्त अवस्था खत्म हो चुकी है, उनका शुभ फल अब खुलकर सामने आएगा।

वृष राशि — चंद्रदेव केतुदेव से दूर जाने की वजह से घर-परिवार में मन हल्का और सक्रिय महसूस होगा। भाई-बहन से बातचीत में आज गुरुदेव की अस्त अवस्था खत्म होने से शुभ फल खुलकर मिलेगा, यह राहत की बात है। हालांकि, बुधदेव अस्त हो चुके हैं, इसलिए बातचीत में जल्दबाजी से बचिए, कोई बड़ी बात बिना सोचे मत कह दीजिए।

मिथुन — कल की भारीपन से आज राहत मिलेगी, भाई बहन से बातचीत में मन हल्का महसूस होगा। धन और परिवार से जुड़े मामलों में गुरुदेव की अस्त अवस्था खत्म होने से शुभ फल अब खुलकर मिलेगा, यह अच्छी खबर है। हालांकि आर्थिक बातचीत या कागजी काम में जल्दबाजी से बचिए, वक्त लेकर आगे बढ़िए। आपके व्यक्तित्व में तेज धार दिखेगी।

कर्क — आज आपकी राशि में गुरुदेव की अस्त अवस्था खत्म हो चुकी है, उनका शुभ फल अब खुलकर सामने आएगा, यह बड़ी राहत की बात है। आपके व्यक्तित्व में चमक रहेगी। कोई शुभ काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। हालांकि, बुधदेव आज अस्त हो गए हैं, इसलिए बातचीत या निर्णय क्षमता में हल्की कमी महसूस हो सकती है।

सिंह — चंद्रदेव अब केतुदेव से दूर जा रहे हैं, जिससे सक्रियता और सामान्य उत्साह लौटेगा। मन को राहत महसूस होगी और उदासी दूर होगी। दोस्तों से जुड़े मामलों में मंगलदेव अकेले सक्रिय हैं, जल्दबाजी से बचिए। वित्तीय बातों में सतर्क रहिए। हालांकि, बुधदेव अस्त होने से बातचीत में सतर्क रहिए, वक्त लीजिए। छिपे मामलों में सावधानी बरतिए।

कन्या — आज करियर के मोर्चे पर मंगलदेव की सक्रियता की वजह से तेजी रहेगी पर जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला मत लीजिए। दोस्तों और सामाजिक दायरे में गुरुदेव की अस्त अवस्था खत्म होने से शुभ फल खुलकर मिलेगा, इच्छा पूरी होने के आसार बढ़ेंगे। हालांकि, बुधदेव अस्त होने से बातचीत में सतर्क रहिए, जल्दबाजी में कुछ मत कह दीजिए।

तुला — आज करियर और सम्मान से जुड़े मामलों में गुरुदेव की अस्त अवस्था खत्म हो चुकी है, शुभ फल अब खुलकर सामने आएगा, यह बड़ी राहत की बात है, तरक्की के संकेत हैं। भाग्य और धार्मिक कामों में मंगलदेव अकेले सक्रिय हैं, जल्दबाजी में कोई कदम मत उठाइए। दोस्तों से जुड़े मामलों में आज मन हल्का रहेगा, चंद्रदेव केतुदेव से दूर जा रहे हैं।

वृश्चिक — आपके लिए राहत की बात यह है कि भाग्य और धार्मिक कामों में लग रहा ब्रेक अब खत्म हो गया है। दरअसल, गुरुदेव की अस्त अवस्था खत्म हो चुकी है, जिससे शुभ फल अब मिलने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में रुझान बढ़ेगा। हालांकि, बुधदेव आज अस्त हो गए हैं, इसलिए लाभ को लेकर थोड़ा संशय हो सकता है। बीमारियों से लड़ने की ताकत मंगलदेव देंगे।

धनु — किसी गुप्त या छिपे विषय को लेकर गुरुदेव की अस्त अवस्था खत्म हो चुकी है, शुभ फल अब खुलकर मिलेगा, यह राहत की बात है। अचानक धन लाभ भी हो सकता है। शेयर मार्केट से लाभ मिल सकता है। हालांकि, बुधदेव के अस्त होने की वजह से जरूरी दस्तावेज को अच्छी तरह से पढ़कर ही आगे बढ़ाएं।

मकर — आज जीवनसाथी या अपने बिजनेस पार्टनर के साथ गुरुदेव की अस्त अवस्था खत्म हो चुकी है, शुभ फल अब खुलकर सामने आएगा, रिश्ते में मिठास बढ़ेगी, आपसी समझ भी बढ़ेगी। सेहत और रोजमर्रा के कामकाज में मंगलदेव की स्थिति के चलते जल्दबाजी से चोट-चपेट लगने का खतरा हो सकता है। लिहाजा, संभलकर काम कीजिए।

कुंभ — आज सेहत के मामले में कोई नई अच्छी आदत जोड़ सकते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, पुरानी बीमारी से राहत मिलेगी। दिनचर्या में शामिल अच्छी आदतों की वजह से आपको शारीरिक लाभ दिखेगा। आपके काम करने के तरीके की तारीफ हो सकती है। हालांकि, बुधदेव आज अस्त हो गए हैं, इसलिए त्वचा संबंधी कोई परेशानी हो सकती है।

मीन — आज संतान पक्ष से कोई अच्छी खबर मिल सकती है या उसके साथ समय बिताकर खुशी महसूस होगी। प्रेम संबंध में आपको सफलता मिलेगी। पार्टनर के साथ अच्छी बातचीत होने से मन खुश रहेगा। गाड़ी चलते वक्त सावधानी बरतें। रोड पर चलते हुए लोगों से विवाद करने से बचें। सेहत के मामले में दिन सामान्य रहेगा और मन हल्का रहेगा।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

खेल दिवस की पूर्व तैयारी को लेकर खेल संघों के प्रतिनिधिमंडल ने महापौर से की चर्चा

ध्यानचंद चौक के जिर्णोद्धार एवं हॉकी स्टेडियम में शीघ्र नया टर्फ लगवाने महापौर से विमर्श

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव जिला हॉकी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने महापौर मधुसूदन यादव से आज निज निवास पर समक्ष भेंट कर खेल दिवस की पूर्व तैयारियों को लेकर विचार विमर्श किया। इस प्रतिनिधिमंडल में जिला हॉकी संघ राजनांदगॉव के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, सचिव शिवनारायण धकेता, वरिष्ठ हॉकी प्रशिक्षक भूषण साव, महेश श्रीवास्तव, जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव एवं जिला ओलंपिक संघ के कार्यकारी सदस्य रणविजय प्रताप सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। चर्चा के दौरान हॉकी संघ ने महापौर को आगामी 29 अगस्त को खेल दिवस की पूर्व तैयारियों से अवगत कराते हुए स्थानीय गौरवपथ स्थित ध्यानचंद चौक के जीर्णोद्धार की आवश्यकता से अवगत कराया। उन्होंने इस चौक में स्थित प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद, ओलंपियन एयरमैन बेस्टियन एवं जिले के ख्यातिलब्ध राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नारायण पटेल की प्रतिमा के जीर्णशीर्ण होने एवं इसके जिर्णोद्धार की आवश्यकता से अवगत कराया। महापौर ने अगले वर्ष के खेल दिवस के पूर्व जीर्णोद्धार अथवा नवीन प्रतिमा स्थापना के संबंध में संपूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करवाने हेतु प्रतिबद्धता प्रकट की।

जिला हॉकी संघ ने महापौर को हॉकी स्टेडियम में नया टर्फ लगाने के प्रस्तावित कार्य को शीघ्र प्रारंभ करवाने के लिये अनुरोध किया, जिससे अधिक से अधिक खिलाड़ियों को अभ्यास हेतु उच्च कोटि की सुविधाएँ मुहैया हो सके, जिसके लिये महापौर ने विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर शीघ्र प्रस्तावित कार्य हेतु कार्यादेश जारी करवाने का आश्वासन दिया।

पांच किलोग्राम बच्चे का सफल जन्म!

डॉ.सुरभि मोहबे ने कराया प्रसव

राजनांदगांव (दावा)। कहते हैं प्रभु की लीला अपरंपार है। यह समय- समय पर सिद्ध होता रहा है। ऐसा ही एक अचंभा 9 अगस्त को नगर के ख्यातिनाम डॉ. सुरभि मोहबे सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, केशर नगर, डी - मार्ट रोड में सामने आया। नगर के पटेल परिवार की बहु ने पूरे 9 माह की गर्भावस्था के उपरांत डॉ.सुरभि मोहबे के कुशल देखरेख में पांच किलो के स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। जरूरी चिकित्सा के पश्चात प्रसूता को चार दिन बाद छुट्टी देकर घर भेज दिया गया। नगर के डॉ.सुरभि मोहबे सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने एक बार फिर से वह नायाब सेवा पूरी कर दिखाई है, जिसके लिए मानवीय समाज उम्मीद करता रहा है। नगर के पटेल परिवार की बहु श्रीमती उमंगी पटेल पति पुरुषोत्तम पटेल निवासी वार्ड नंबर 29, श्रीकृष्णा शॉ मिल, टिम्बर मार्केट की सफल सर्जरी के बाद डॉ.सुरभि मोहबे ने एक स्वस्थ बच्ची का जन्म कराया। आश्चर्य इस बात का है कि बिना किसी तकलीफ के 9 माह की गर्भवती ने पांच किलोग्राम के बच्चे को सफलता पूर्वक जन्म दिया। उक्त प्रसव 9 अगस्त की सुबह लगभग 9.58 बजे हुआ। हमसे चर्चा के दौरान डॉ.सुरभि मोहबे ने बताया कि सामान्यतः नवजात बच्चे का औसत वज़न ढाई किलोग्राम से ज्यादा नहीं रहता है। दूसरी बड़ी बात यह की प्रसव के पश्चात माँ एवं बच्चा पूर्णतः स्वस्थ हैं। प्रसूता श्रीमती उमंगी पटेल की पहली संतान ने बेटे के रूप में चार किलो चार सौ ग्राम वजन के साथ जन्म लिया था।

प्रसूता श्रीमती उमंगी पटेल ने बताया कि उन्होंने गर्भावस्था की शुरुआत से पूरे 9 महीने तक डॉ.सुरभि मोहबे के मार्गदर्शन में चिकित्सकीय दिशा निर्देश का पालन किया। नियमित जांच के अलावा डॉ. मोहबे द्वारा दी जाने वाली हिम्मत के चलते ही उन्होंने बिना किसी तकलीफ के अपनी बच्ची को जन्म दिया। इसी तरह डॉ. मोहबे ने भी पांच किलो के बच्चे के स्वस्थ जन्म के उपरांत खुशी और अपनी सेवा के प्रति संतोष प्रकट करते हुए ईश्वर के आशीर्वाद की ऐसी ही उम्मीद हमेशा बने रहने की आशा प्रकट की। उन्होंने यह भी कहा कि ''स्वस्थ माँ, स्वस्थ शिशु ही हमारी प्राथमिकता और जिम्मेदारी है।''

स्वतंत्रता दौड़ में सरस्वती उ.मा.विद्या मन्दिर के विद्यार्थियों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

राजनांदगांव (दावा)। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग, राजनांदगांव द्वारा 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता दौड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बसंतपुर, गोकुल नगर, राजनांदगांव के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

स्वतंत्रता दौड़ में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी विद्यार्थी अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ दौड़ में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम से हुआ। इसके पश्चात दौड़ गौरव पथ होते हुए भदौरिया चौक तक पहुँची तथा निर्धारित मार्ग से वापस होकर पुनः अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में दौड़ का समापन किया गया। पूरे मार्ग में विद्यार्थियों में उत्साह और देशभक्ति का जोश देखने को मिला। तिरंगा हाथों में लेकर दौड़ते विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता दिवस के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य किया। कार्यक्रम के पश्चात सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम में जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा विभिन्न विद्यालयों के शाला परिवार के आचार्यगण उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दौड़ के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, एकता, अनुशासन एवं देश के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की सहभागिता ने विद्यालय परिवार के लिए भी गौरव का अवसर प्रदान किया।

निकली भव्य तिरंगा बाइक रैली भाजपा मंडल तुमड़ीबोड़ के आयोजन में उमड़ा राष्ट्रभक्ति का सैलाब, जागृति चुन्नी यदु हुई शामिल

डोंगरगांव (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' अभियान के तहत भाजपा मंडल तुमड़ीबोड़ द्वारा भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं युवा हाथों में तिरंगा लेकर बाइक पर सवार होकर शामिल हुए। तिरंगों से सजी बाइक रैली के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से क्षेत्र का माहौल देशभक्ति से सराबोर रहा।

रैली में भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सभापति जागृति चुन्नी यदु विशेष रूप से शामिल हुई। उन्होंने तिरंगा लहराते हुए कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया और रैली में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसके सम्मान में आयोजित यह यात्रा प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का स्मरण कराती है। जागृति चुन्नी यदु ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों और वीर जवानों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उनके त्याग और बलिदान के कारण आज देश स्वतंत्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों में तिरंगा फहराने और राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को मजबूत करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

जागृति चुन्नी यदु, भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सभापति ने कहा, तिरंगा हमारे देश के गौरव, स्वाभिमान और एकता का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। हमें स्वतंत्रता सेनानियों और वीर जवानों के बलिदान को हमेशा याद रखते हुए देश की एकता, अखंडता और प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए।

पहला कॉलम...

17 अगस्त सोमवार को नर्मदेश्वर शिव मंदिर में गूंजेगी शिव वाणी

सुप्रसिद्ध भजन एवं गीत गायक योगेश अग्रवाल एवं टीम का शानदार आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। न्यू खंडेलवाल कॉलोनी, राम-लक्ष्मण वाटिका में विराजित शिव-पार्वती परिवार के प्रांगण में 17 अगस्त तृतीय सोमवार पर भजनों की शानदार प्रस्तुति की तैयारी जोरों पर है। श्रद्धालुओं से विनती है कि समय से पूर्व अपना स्थान ग्रहण करें। नर्मदेश्वर शिव मंदिर समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार नव निर्मित एवं प्राण प्रतिष्ठित मंदिर न्यू खंडेलवाल कॉलोनी में शिव भक्तों द्वारा भजनों का शानदार कार्यक्रम 17 अगस्त श्रावण सोमवार पर रखा गया है। भजनों की प्रस्तुति संध्या 7 बजे से प्रभु इच्छा तक निरन्तर जारी रहेगी। सुमधुर एवं कर्णप्रिय आवाज में शिव वाणी का गायन नगर के सुप्रसिद्ध भजन तथा गीत गायक योगेश अग्रवाल और उनके सहयोगी गायकों द्वारा भक्तगणों के कानों को आनंदित करेगा। मंदिर परिसर में भक्तगणों के लिए बैठक व्यवस्था की गई है। आयोजन को सफलता तक पहुंचाने के उद्देश्य से समिति ने समय से पूर्व स्थान आरक्षण के लिए निवेदन किया है।

'स्वच्छता पखवाड़ा' के तहत निकाली गई जनजागरूकता रैली- विद्यार्थियों ने किया श्रमदान

राजनांदगांव (दावा)। आज दिनांक 14 अगस्त 2026 को समाज कार्य एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वाधान में ''स्वच्छता पखवाड़ा'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. उक्त कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन में एवं समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू एवं एनएसएस प्रभारी श्रीमती करुणा रावटे के मार्गदर्शन में किया गया। प्राचार्य द्वारा अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि ''आज हम सभी स्वच्छता के महत्व को समझने और उसे अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। स्वच्छता केवल हमारे आसपास के स्थान को साफ रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवन, सकारात्मक सोच और जिम्मेदार नागरिकता का आधार है।'' सर्वप्रथम विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय परिसर से नंदई चौक तक स्वच्छता रैली निकाली गई, जिसके अंतर्गत स्वच्छता संबंधी विभिन्न नारे व स्लोगन के द्वारा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। साथ ही विद्यार्थियों ने श्रमदान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर व उसके आसपास में सफाई की।

नगर में प्रथम अखंड रुद्रभिषेक (24 घंटे) बागेश्वर धाम में

श्री शैलम के पंडितों द्वारा होगा पूजन दक्षिण भारत पद्धति से

राजनांदगांव (दावा)। बागेश्वर धाम मंदिर में एक माह का सावन महोत्सव मनाया जा रहा हैं। बागेश्वर मंदिर धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा प्रति सोमवार महाकावड़ यात्रा के साथ-साथ दक्षिण भारत के कैलाश कहे जाने वाले श्री शैलम मल्लिकार्जुन मंदिर की 3 डी झांकी बनाकर शिव ज्योतिलिंग भी 1 माह के लिए स्थापित की गई हैं। संस्कारधानी जो कि अपने विभिन्न भव्य धार्मिक आयोजनों के कारण प्रदेश व देश में अग्रणीय हैं। इस कड़ी में एक नया अध्याय पवित्र सावन माह में भगवान शिव का 24 घंटे का अखंड रूद्रभिषेक के माध्यम से जुडने् जा रहा हैं। जिसकी जानकारी देते हुए बागेश्वर धाम सेवक, पंकज गुप्ता, नरसिन्हा रेड्डी, सौरभ गुप्ता सूरज गुप्ता, विजय गुप्ता, सौरभ खंडेलवाल, भावेश अग्रवाल,द्वारा बताया गया कि तीसरे सोमवार को प्रातः 11 बजे से रुद्राभिषेक आरंभ होगा जिसे श्री शैलेम (हैदराबाद) के पंडितों द्वारा संस्कृत भाषा में दक्षिण भारत पद्धति जो कि श्री मल्लिकार्जुन मंदिर में होता हैं, उसी पद्धति से रुद्राभिषेक पूजन करवाया जायेगा। जो कि 24 घंटे दूसरे दिन 18 अगस्त को प्रातः 11 बजे तक होगा। जो कि प्रथम बार संस्कारधानी में अखंड रूद्रभिषेक पूजन शिवभक्तो के साथ साथ जन व नगर कल्याण हेतु होगा।

पूजन में नगर के प्रथम नागरिक महापौर मधुसुदन यादव सहित 24 जोड़े शिवभक्तों द्वारा किया जावेगा। संस्कारधानीवासीगण तथा आस-पास अन्य नगरों जिलों के भी शिवभक्त पूजन में शामिल होंगे। साथ ही तीसरे सावन सोमवार को श्री बागेश्वर धाम कांवड यात्रा जो कि प्रकृति, जल, पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ निकाली जावेगी। प्रातः 5:30 बजे बागेश्वर मंदिर पहुंचकर शिवभक्तगण इस भव्य कावड़ यात्रा में शामिल हो सकते है । श्री बागेश्वर मंदिर धर्मार्थ ट्रस्ट के संरक्षक सोहनलाल गुप्ता, कैलाश चंद गुप्ता, डी.सी. जैन, गणेश गुप्ता सहित अजय गुप्ता, विकास गुप्ता, राज गुप्ता बागेश्वर धाम मंदिर के सेवको द्वारा इस अखंड मल्लिकार्जुन रूद्राभिषेक व झांकी दर्शन हेतु नगरवासियों शिवभक्तों को पूजन में शामिल होकर शिवकृपा प्राप्त करने का अनुरोध किया हैं ।

तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक- प्रतिमा पप्पू चंद्राकर

जनपद पंचायत राजनांदगांव में निकली तिरंगा बाइक रैली

राजनांदगांव (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' अभियान के तहत जनपद पंचायत राजनांदगांव में तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिमा पप्पू चंद्राकर ने तिरंगा झंडा लहराकर रैली को रवाना किया।

तिरंगा बाइक रैली में जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं महिला स्व-सहायता समूह की बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकली रैली के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता दिवस के महत्व का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। रैली के दौरान 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' का संदेश देते हुए लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत सीईओ मनीष साहू, जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि डीगेंद्र सिन्हा सहित जनपद पंचायत के अधिकारी- कर्मचारी, ग्राम पंचायत सचिवगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिमा पप्पू चंद्राकर ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक नागरिक को अपने घर पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना व्यक्त करनी चाहिए। तिरंगा हमें देश की एकता, अखंडता और स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदानों की याद दिलाता है।

स्वतंत्रता दिवस पर्व के अवसर पर कलेक्टोरेट परिसर में बिखरी रंग-बिरंगे झालरों की मोहक छटा

राजनांदगांव (दावा)। स्वतंत्रता दिवस पर्व के अवसर पर कलेक्टोरेट परिसर में रंग-बिरंगे झालरों की मोहक छटा बिखरी है। इस अवसर पर परिसर की खुबसूरत साज-सज्जा की गई है।

देशवासियों में आजादी के लिए अलख जगाने वाले राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की अक्षुण्य गाथा की फोटो प्रदर्शनी में झांकी

पार्षद शिव वर्मा एवं नगर निगम आयुक्त जीआर मरकाम ने किया फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन

राजनांदगांव (दावा)। जनसंपर्क विभाग द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा, वंदे मातरम् एवं भारत विभाजन की विभीषिका स्मरण दिवस थीम पर नगर पालिक निगम राजनांदगांव के टाऊन हाल में विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। फोटो प्रदर्शनी में वंदेमातरम् का उद्घोष करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की गाथा एवं उपलब्धियों को संजोया गया है। फोटो प्रदर्शनी में हर घर तिरंगा अभियान तथा वंदेमातरम् के उत्साह एवं ऊर्जा को चिर स्मरणीय बनाएं रखने के लिए सेल्फी जोन भी बनाया गया है, जिसमें नागरिक अपनी सेल्फी ले रहे है। इसी कड़ी में आज टाऊन हाल में पार्षद शिव वर्मा, नगर निगम आयुक्त जीआर मरकाम सहित अन्य पार्षदों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा शिविर की प्रशंसा की।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत वंदेमातरम् की भावना का आह्वान करते हुए देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साहस एवं बलिदान का स्मरण करते हुए वंदेमातरम् के गौरवशाली 150 वर्षों की झांकी प्रस्तुत की गई है। नागरिक कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम राजनांदगांव के टॉऊन हाल में पहुंचकर विशेष फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकते हैं। फोटो प्रदर्शनी में जनसंपर्क विभाग की पत्रिका छत्तीसगढ़ जनमन एवं शासन की योजनाओं से संबंधित पाम्पलेट्स एवं किताबों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्ष एवं देशवासियों में आजादी के लिए अलख जगाने वाले राष्ट्रगीत वंदेमातरम् की अक्षुण्य कथा को फोटो प्रदर्शनी में सहेजा गया है।

हाथकरघा वस्त्रों के उत्पादक व विक्रेता...
पंजी.क्र. : डी.आर.एच./भोपाल/91/228/दिनांक-31.1.1991
आदर्श बुनकर सहकारी समिति मर्यादित सोमाझिटिया, जिला-राजनांदगांव(छ.ग.)
समस्त देशवासियों को राष्ट्रीय महापर्व
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
खिलावनलाल देवांगन अध्यक्ष व अपेक्स प्रतिनिधि
रतनलाल देवांगन उपाध्यक्ष
टोमनलाल साहू बैंक प्रतिनिधि
रूपेश कुमार देवांगन संघ प्रतिनिधि
चेतन लाल देवांगन प्रबंधक
झमरूराम देवांगन सदस्य
चोवाराम देवांगन सदस्य
मुकेश कुमार मंडावी सदस्य
खुशबू देवांगन सदस्य
फूलबाई देवांगन सदस्य
समस्त बुनकरों साथियों को आजादी के महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त देशवासियों को आजादी के महापर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं..
डॉ.ए.के.धमगाये प्रभारी प्राचार्य
डॉ.भीमराव अंबेडकर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगाँव

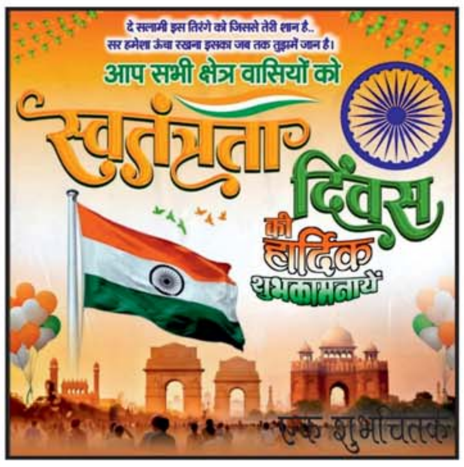
आप सभी क्षेत्र वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें

ग्राम मोहड़, माथलडबरी, रेंगाकठेरा, कोहका, दर्री, बेंदरकटा के समस्त ग्रामीणों
स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं...
श्रीमती हरिला देवेन्द्र साहू
सदस्य क्षेत्र क्र.10 जनपद पंचायत डोंगरगांव

डोंगरगाँव ब्लॉक एवं क्षेत्र के समस्त शिक्षकों एवं बच्चों को स्वतंत्रता दिवस की अनेकानेक शुभकामनाएँ...
HAPPY INDEPENDENCE DAY
ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
डोंगरगाँव, जिला-राजनांदगाँव(छ.ग.)

आजादी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
भूषण लाल देवांगन
सरपंच
ग्राम पंचायत मोहड़
जनपद पंचायत डोंगरगाँव

समस्त देशवासियों को आजादी के अस्सी वर्ष की अनंत शुभकामनाएं
15 August
स्वतंत्रता दिवस हार्दिक शुभकामनाएँ
मदन साहू
पूर्व उपाध्यक्ष, जपं डोंगरगाँव
अध्यक्ष
जिला किसान कांग्रेस राजनांदगांव
श्रीमती सरिता साहू
सदस्य ज.पंचायत डोंगरगाँव
उपाध्यक्ष
मंडल कांग्रेस कमेटी तुमड़ीबोड़

समस्त प्रदेशवासियों को आजादी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
स्वच्छता अपनाएँ ग्राम को स्वस्थ बनाएँ.
श्रीमती चिन्तामणी हरिशंकर सिन्हा
सरपंच ग्राम पंचायत कोनारी
एवं समस्त पंचगण व ग्रामवासी ग्राम पंचायत कोनारी

स्वतंत्रता दिवस की अनंत शुभकामनाएं...
जल संरक्षण के साथ पौधरोपण भी जरूरी है.
HAPPY INDEPENDENCE DAY 15TH AUGUST
दानेश्वर शरद वैष्णव
सरपंच, ग्राम पंचायत कोहका
अध्यक्ष, भाजयुमो डोंगरगांव
नंदलाल कुंभकार
उपसरपंच, ग्राम पंचायत कोहका
एवं समस्त पंचगण व ग्रामवासी

स्वतंत्रता दिवस की
शरद वैष्णव सरपंच
हार्दिक शुभकामनाएं
बिहारीलाल मंडावी सचिव
अरुण बाई कंवर (उपसरपंच)
पंचगण : बिसरी बाई, हुकुम धुर्वे, चेतन चंद्रवंशी, राजेश कन्डरा, भोजराम साहू, पुष्पा वैष्णव, दामिनी साहू, राधिका कंवर, प्रभा साहू, रेखा मण्डावी, साविता साहू, पूर्णिमा साहू, रामदीन जगने, कुमारी बाई कंवर, हेमबाई, भुनेश्वरी भारती, कुसुम बाई, बेलसराम साहू, राजेश चंद्रवंशी एवं समस्त ग्रामवासी ग्राम पंचायत आसरा

समस्त प्रदेशवासियों को आजादी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती कुन्ती बाई चौधरी
सरपंच ग्राम पंचायत खुर्सीपार, उपाध्यक्ष-जिला व ब्लॉक सरपंच संघ, उपाध्यक्ष भाजपा मंडल डोंगरगांव
एवं समस्त पंचगण व ग्रामवासी ग्राम पंचायत खुर्सीपार

समस्त प्रदेशवासियों को आजादी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
नीलमणी साहू
महामंत्री, जिला साहू संघ राजनांदगांव
ब्लॉक महामंत्री, छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन, डोंगरगांव

समस्त देशवासियों को राष्ट्रीय महापर्व स्वतंत्रता दिवस की असीम शुभकामनाएं..
जय हिन्द
ओमेश यदु
पूर्व मंडल अध्यक्ष
भाजपा युवा मोर्चा डोंगरगाँव
श्रीमती मधु यदु
सरपंच, ग्राम पंचायत माथलडबरी
उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा डोंगरगांव

समस्त क्षेत्रवासियों को आजादी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
टिकेश कुमार साहू
समिति प्रबंधक
सेवा सहकारी समिति
बादराटोला
हिरेन्द्र कुमार साहू
प्राधिकृत अधिकारी सेवा सहकारी समिति बादराटोला
अध्यक्ष, जिला भाजपा किसान मोर्चा राजनांदगांव
पूर्व महामंत्री, जिला भाजपा राजनांदगांव

समस्त क्षेत्रवासियों को 80 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं..
HAPPY INDEPENDENCE DAY
लिलेश पटेल
उपाध्यक्ष
युवा कांग्रेस विस.डोंगरगांव
मंडल अध्यक्ष दीवानभेड़ी
शोभना पटेल
सदस्य क्षेत्र क्र.09
जनपद पंचायत, डोंगरगांव

जल संरक्षण के साथ पौधरोपण भी जरूरी है.
15 August
स्वतंत्रता दिवस हार्दिक शुभकामनाएँ
सोनिया मंडावी
लुकेश्वर साहू (उपसरपंच) रामदास साहू (सचिव) सरपंच
पंचगण : डोमेश्वर दास साहू, प्रेमलाल पटेल, दीपक कुमार कौशिक, श्रीमती मंजू पटेल, श्रीमती शारदा बाई सिन्हा, श्रीमती कामिन बाई, मुकेश कुमार साहू, श्रीमती सोनिया गुप्ता, श्रीमती उषा बाई, श्रीमती सावित्री तिवारी, श्रीमती सुमित्रा गोस्वामी, श्रीमती पूर्णिमा सिन्हा, श्रीमती सुनिता चंदेल एवं समस्त ग्रामवासी ग्राम पंचायत दीवानभेड़ी

ग्राम पंचायत अर्जुनी
स्वच्छता अपनाएँ-ग्राम को स्वस्थ बनाएँ
15 August
स्वतंत्रता दिवस हार्दिक शुभकामनाएँ
ललित साहू सरपंच
नागेश कुमार धनकर उपसरपंच
नीलकुमार साहू सचिव
पंचगण : पार्वती सोनकर, ज्योति तिवारी, फातिमा बेगम, चन्द्रशेखर कौशिक, उमा तिवारी, ललिता टाण्डेकर, अर्जुन धनकर, भूषण कुमार सोनकर, केमिन साहू, बिसाहिन देवांगन, टाकेश्वरी साहू, कांति हल्बा, पूर्णिमा बाई गोड़, दुर्गा राम निषाद,कमलेश कुमार सोनकर, भेदूराम देवांगन, अगरदास हल्बा, संत्री बाई साहू, डिलेश्वरी देवांगन एवं समस्त ग्रामवासी

तीन मिनट की कहानी : गुलामी से छुटकारा

गिरीश बख्शी

जय बाबू को याद आता जब वे जय कुमार वर्मा यानी जे.के.वर्मा नाम से सर्विस में थे तब उन्हे पंद्रह अगस्त को सबेरे साढ़े सात बजे आफिस जाना पड़ता। वह उनकी .... में शुभार था। साहब झण्डा फहराते फिर सब लोग समवेत स्वर में 'जन-मन-गण' गाते। उसके बाद स्वतंत्रता दिवस की छुट्टी हो जाती। पर जब से वे रिटायर होकर जय बाबू हो गये है उनका पंद्रह अगस्त यादों में खो गया है। ऐसा एक इस बार उनमें उत्साह जगा। उन्होने पंद्रह अगस्त को स्टेडियम जाने को सोच लिया। वे झक्क धोती व सफेद कुर्त्ता पहन कर स्टेडियम जाएंगे, मंत्रीजी झंडा फहराएंगे और तब वह भी राष्ट्रगान के समय राष्ट्र-भक्ति की भावना से अभिभूत होकर, खड़ा हो जाएगा। तो जय बाबू पंद्रह अगस्त को गतसबेरे उठ कर, नहा धोकर तैयार होकर, स्टेडियम जाने की तैयारी में व्यस्त थे तभी पड़ोसी ....ने आकर खबर दी-''जय बाबू! गोवर्धन बाबू की पत्नी नहीं रहीं। रात हार्टअटैक से उनका देहावसान हो गया।'' सुनते ही सन्न रह गये जय बाबू! वे चुप शान्त होकर सोफे पर बैठ गए! गोवर्धन बाबू की पत्नी पार्वती बाई जीवन्त हो गई-'' पिछले रविवार की तो बात है, वे गोवर्धन बाबू के घर गये थे। गोवर्धन उनका बचपन का साथी, साथ खेले-कूदे पढ़े-लिखे और सुखद संयोग की सर्विस भी उन्हे एक ही आफिस में मिली। गोवर्धन संकोची प्राणी। कम बोलने वाला! जबकि उन्हे पत्नी मिली एकदम मुखर, तेज स्वभाव की!

गोवर्धन बाबू चुप शान्त चिन्तन की मुद्रा में बैठक में बैठे थे। जय बाबू ने प्रसन्नता से कहा- ''अरे गोवर्धन! क्या 'बुदु' बने बैठे हो! चलो रानी सागर का चक्कर लगा आएँ। मन बहलेगा और हमारा बचपन साथ हो जाएगा।'' गोवर्धन खुश हो गये-''चलो! तुमसे कहानियाँ सुनने को भी मिलेगी। वे उठ ही रहे थे कि भीतर से पार्वती बाई की आवाज आई-''वे कहीं नहीं जाएंगे, उनकी तबीयत ठीक नहीं हैं!'' गोवर्धन फिर तो बैठ गए। जय को अच्छा न लगा। वे जोर से कुछ कहने जा रहे थे कि गोवर्धन ने मुँह पर उँगली रख कर चुप रहने का इशारा किया। फिर तो जय को पार्वती बाई पर नहीं गोवर्धन पर अधिक गुस्सा आया। वे एकदम उठे और वापस अपने घर आ गए! अपने आप से कहने लगे-''क्या गोवर्धन है! अपने ही घर से डरा-सहमा रहता है।'' उसी समय लक्ष्मण, जिन्हे उनके परिचित आलोचक लक्ष्मण कहते थे, आ गए थे। उन्होने कहा-''जय भैया! आप कहाँ से अपने में खोये-खोये से आ रहे थे। मैने आवाज दी, आप सुन नहीं पाए!'' जय बाबू के बताने पर कि गोवर्धन के घर से आ रहा था, लक्ष्मण एकदम कड़वाहट से बोल उठा-''वो गोवर्धन ? कैसा उजबक वो गोवर्धन है भैया! मैने उससे पूछा-''तुम्हारे मकान के ऊपर का कमरा खाली हुआ है उसका किराया कितना है? तो वह अपनी औरत की ओर देखने लगा। मैने फिर कहा- गोवर्धन! महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़ा है तुम्हारा कितना बढ़ा? तो वह नामकूल फिर अपनी पत्नी को देखने लगा। मैं उससे पूछने वाला था यहाँ सबेरे नल कितने बजे आता है? पर नहीं पूछा कि वह जोरू का गुलाम फिर अपनी उस मालकिन को देखने न लग जाय! भैया! आप उसके यहाँ कैसे गए थे। मै जय बाबू ने बताया-रानी सागर की तरफ घूमने के लिए पर उनकी पत्नी ने बताया कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है।'' आलोचक लक्ष्मण जोर से हँस पड़े-''उस दब्बू को यह भी मालूम नहीं होगा कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है! चलिए! हम लोग रानी सागर घूमने चलें। और फिर अपने मन को झटक कर जय बाबू आलोचके के साथ रानी सागर के रास्ते निकल पड़े थे!''

जय बाबू फिर वर्तमान में आ गये। सोचने लगे-स्टेडियम जाने का मन नहीं हो रहा है। अब गोवर्धन बाबू के घर जाना होगा। पर अकेले जाना अच्छा नहीं लग रहा है। श्रीपति को साथ ले चलते हैं। वे घर से निकले थे कि रास्ते में वहीं आलोचक लक्ष्मण मिल गये। वे साथ होलिए। जय बाबू गंभीर स्वर में बोले-बूढ़ापे में पत्नी का वियोग दुःखदायी होता है!'' आलोचक ने कहा-'' पर गोवर्धन को तो स्वतंत्रता दिवस को ''गुलामी से छुटकारा मिला है।''

बालाजी मंदिर के पास स्टेशन पारा, राजनांदगांव (छ.ग.)

21वीं सदी की जरूरत : गांधी और बिरसा - "कर्म, जल-जंगल-जमीन और स्वराज"

-ध्रुव पुरुषोत्तम

15 अगस्त 2026 को भारत अपना 80वी स्वतंत्रता दिवस मना रहा है,जो स्वतंत्रता के 79 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है।

''आप मुझे जंजीरों में जकड़ सकते हैं, यातना दे सकते हैं, यहां तक कि मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं लेकिन मेरे विचारों को कभी कैद नहीं कर सकते''- महात्मा गांधी

''अबुआ दिसुम, अबुआ राज। जल, जंगल, जमीन हमारे रगों में है - इसे छिन्न भिन्न मत करो'' - भगवान बिरसा मुंडा

दो आवाजें, दो युग, एक ही धरती। एक ने कहा ''कर्म ही पूजा है'' तो दूसरे ने कहा ''जल, जंगल, जमीन बचाओ''। वैश्वीकरण की अंधी दौड़, जलवायु संकट और पहचान के मिटने के इस दौर में भारत को फिर से गांधी और बिरसा की जरूरत है।

प्रस्तावनाः दो महापुरुष, एक संकट

आज हम ''विकास'' के नाम पर जंगल काट रहे हैं, नदियां बेच रहे हैं, और इंसान को मशीन बना रहे हैं। 100 साल पहले गांधी ने शहरीकरण और मशीनीकरण का विरोध कर परंपरा भी और प्रगति भी का संदेश दिया था। 125 साल पहले बिरसा ने अंग्रेजों और जमींदारों के खिलाफ ''जल-जंगल-जमीन'' बचाने की लड़ाई लड़ी थी।

गांधी ने ''राजनीतिक गुलामी'' से मुक्ति दिलाई। बिरसा ने ''सांस्कृतिक और आर्थिक गुलामी'' के खिलाफ बिगुल फूंका। दोनों का लक्ष्य एक था - ''स्वराज÷। गांधी का स्वराज था ''ग्राम स्वराज''। बिरसा का स्वराज था ''अबुआ राज÷ यानी ''हमारा राज''।

भाग 1-महात्मा गांधी -''कर्म, पर्यावरण और सादा जीवन''

1. शहरीकरण और औद्योगीकरण का विरोध - 100 साल पहले का पर्यावरण संदेश

1920-30 के दशक में जब पूरी दुनिया ''फैक्ट्री-फैक्ट्री÷ कर रही थी, गांधी ने कहा- ''ईश्वर ने हमारी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए काफी दिया है, लेकिन लालच के लिए नहीं''।

उन्होंने बड़े-बड़े कारखानों, शहरों की भीड़ और प्रकृति के दोहन का विरोध किया। क्यों?

1. ग्राम स्वराजः उनका सपना था हर गांव आत्मनिर्भर हो। अनाज, कपड़ा, शिक्षा सब गांव में। इससे पलायन रुकेगा और शहरों पर बोझ नहीं बढ़ेगा।

2. पर्यावरण संरक्षण- खादी पहनो। हाथ से सूत कातो। चरखा चलाओ। इसमें बिजली नहीं, प्रदूषण नहीं। पेड़ नहीं कटेंगे।

3. सीमित उपभोग-''जरूरत के हिसाब से लो, संग्रह मत करो''। यही आज का ''Sustainable Development'' है।

आज जब IPCC कह रहा है ''जलवायु बदल रही है'', तब गांधी 100 साल पहले कह गए थे -''प्रकृति की हर चीज का उपयोग करो, दुरुपयोग मत करो''।

2. ''कर्म ही पूजा है'' - मजदूर और श्रम का सम्मान

गांधी ने आश्रम में खुद झाड़ू लगाई, शौचालय साफ किए। उन्होंने कहा कि कोई काम छोटा-बड़ा नहीं होता।

प्रभाव-

1. मानवीय गरिमा- मजदूर को ''नीच'' मानने वाली सोच तोड़ी। कहा - किसान, बुनकर, सफाईकर्मी सब राष्ट्र निर्माता हैं।

2. स्वावलंबन- दूसरों पर निर्भर मत रहो। अपने कपड़े खुद बनाओ, अपना खाना खुद उगाओ।

3. सर्वोदय-''सबका उदय''। अमीर-गरीब, ऊंच-नीच का भेद मिटाकर श्रम के आधार पर समाज बनाओ।

आज ''गिग इकॉनमी'' में मजदूर का शोषण हो रहा है। गांधी का ''कर्म ही पूजा'' हमें याद दिलाता है कि काम करने वाले का सम्मान सबसे पहले होना चाहिए।

3. सत्य, अहिंसा और सविनय अवज्ञा

अंग्रेजों की सबसे बड़ी ताकत थी ''कानून'' और ''डंडा''। गांधी ने कहा ''हम डंडे से नहीं, सत्य से लड़ेंगे''। नमक कानून तोड़ा, पर हिंसा नहीं की।

इससे दुनिया को एक नया हथियार मिला - ''नैतिक शक्ति''।

भाग 2: भगवान बिरसा मुंडा - ''जल, जंगल, जमीन और अबुआ राज÷

1. ''अबुआ दिसुम, अबुआ राज'' - आदिवासी स्वराज का नारा

1895-1900। अंग्रेज, जमींदार और महाजन तीनों मिलकर आदिवासियों की जमीन छीन रहे थे। ''बेगारी'' करवा रहे थे। धर्म परिवर्तन करवा रहे थे।

15 साल के बिरसा ने कहा-''ये हमारी धरती है। हम इसके मालिक हैं। अंग्रेज का राज नहीं चलेगा। हमारा अपना राज होगा''।

''अबुआ राज'' सिर्फ राजनीतिक नारा नहीं था। इसका मतलब था-

1. आर्थिक स्वराज-साहूकार का कर्ज नहीं, जंगल की उपज पर हक हमारा

2. सांस्कृतिक स्वराज अपनी पूजा पद्धति, भाषा, त्योहार बचेंगे

3. धार्मिक स्वराज-''बिरसाईत'' धर्म - एक ईश्वर, नशा मुक्ति, साफ-सफाई

2. ''जल, जंगल, जमीन हमारे रगों में है'' - पर्यावरण का आदिवासी दर्शन

बिरसा के लिए जंगल दुकान नहीं, मंदिर था। नदी देवी थी। पहाड़ पिता थे।

अंग्रेजों ने ''Forest Act 1878'' लाकर जंगल को ''सरकारी संपत्ति'' घोषित कर दिया। आदिवासी जो हजारों साल से जंगल में रहते थे, वो ''अतिक्रमणकारी'' बन गए।

बिरसा ने इसका विरोध किया। उनका संदेश था-''जंगल को मत काटो। इसे छिन्न-भिन्न मत करो''।

क्योंकि- 1. जलः जंगल है तो नदी है। नदी है तो खेती है।

2. जंगलः दवा, फल, लकड़ी, जानवर - सब यहीं से

3. जमीनः यही हमारी पहचान, हमारा देव-स्थान, हमारा कब्रिस्तान है।

आज ह भी कहता है ''Climate Change रोकना है तो आदिवासी ज्ञान बचाओ''। बिरसा 125 साल पहले वही कह गए थे।

3. उलगुलान - महान विद्रोह

1899-1900 का ''उलगुलान'' यानी ''महान हलचल''। तीर-कमान लेकर आदिवासियों ने अंग्रेजों की पुलिस चौकी, जमींदारों के घर पर हमला किया।

उद्देश्य ''दिकुओं'' यानी शोषकों को भगाना और ''सुनहरा युग'' लाना।

9 जून 1900 को रांची जेल में बिरसा शहीद हो गए। उम्र सिर्फ 25 साल। पर उनका ''उलगुलान'' आज भी जनआंदोलन की प्रेरणा है।

भाग 3: गांधी और बिरसा में समानताएं - 21वीं सदी के लिए प्रासंगिकता

दोनों अलग-अलग क्षेत्र से थे, पर उनकी लड़ाई एक ही थी।

गांधी+बिरसा

1. दुश्मन अंग्रेजी राज + शहरीकरण अंग्रेज + जमींदार + महाजन

2. हथियार सत्याग्रह, अहिंसा, चरखा तीर-कमान, उलगुलान, एकता

3. आर्थिक मॉडल ग्राम स्वराज, कुटीर उद्योग सामुदायिक खेती, जंगल पर हक

4. पर्यावरण सीमित उपभोग, प्रकृति से प्रेम जल-जंगल-जमीन की पूजा

5. लक्ष्य ''सर्वोदय'' - सबका उदय ''अबुआ राज'' - हमारा राज ।

भाग 4: आज वैश्वीकरण की दौड़ में ''गांधी और बिरसा'' क्यों जरूरी हैं?

आज हम ''Smart City'', ''5G'', "AI'' की बात करते हैं। पर 3 संकट हमारे सामने हैं-

संकट 1: जलवायु संकट

कारखाने, खदान, डैम के लिए जंगल कट रहे हैं। आदिवासी विस्थापित हो रहे हैं।

गांधी का हलः सीमित उपभोग। ''जरूरत भर लो''।

बिरसा का हल- ''जंगल मत काटो''। जंगल बचाओगे तो पानी बचेगा।

संकट 2- पहचान का संकट

वैश्वीकरण में सब एक जैसे कपड़े, एक जैसा खाना, एक जैसी भाषा। आदिवासी भाषा और संस्कृति खत्म हो रही है।

गांधी का हल-''मैं दुनिया की हर हवा को अपने घर में आने दूंगा, पर पैरों से मुझे उखाड़ने नहीं दूंगा''।

बिरसा का हल-''अबुआ दिसुम''- अपनी जमीन, अपनी संस्कृति, अपना राज।

संकट 3-श्रम और असमानता का संकट

कॉरपोरेट में मुनाफा बढ़ रहा है, पर मजदूर की मजदूरी नहीं। ''कर्म'' की इज्जत नहीं।

गांधी का हल-''कर्म ही पूजा''। हर काम की इज्जत करो।

बिरसा का हल-''बेगारी बंद करो''। शोषण के खिलाफ खड़े हो जाओ।

आज भारत को ''विकास'' चाहिए, पर ''विनाश'' नहीं।

हमें ''गांधी'' चाहिए ताकि हम ''कैसे जिएं'' ये सीखें।

हमें ''बिरसा'' चाहिए ताकि हम ''किसके लिए जिएं'' ये याद रखें।

1. गांधी + तकनीक = सोलर चरखा, ऑर्गेनिक खेती, ग्राम पंचायत में AI

2. बिरसा + कानून = FRA 2006 को पूरी तरह लागू करो। PESA कानून को मजबूत करो

3. गांधी + बिरसा =''सस्टेनेबल ग्राम स्वराज''। जहां शहर भी हों, पर गांव उजड़ें नहीं। जहां फैक्ट्री भी हो, पर जंगल भी बचे।

आज भी जीवित होती है इतिहास की स्मृति-

छ.ग. के महासमुंद जिले की तमौरा गांव में इस गौरवशाली इतिहास को पीढ़ी दर - पीढ़ी जीवित रखने की परंपरा भी है। वर्ष 1959 से हर साल 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर यहां मेला का आयोजन किया जाता है। यह आयोजन तमौरा के स्वतंत्रता,संघर्ष और गांधीवादी विचारों को जीवित रखने का माध्यम बना हुआ है। करीब 2000 की आबादी वाले गांव में लगभग 75 प्रतिशत आबादी आदिवासी समुदाय की है। जंगल और जमीन के गहरे रिश्ते वाले इस समाज के पूर्वजों ने जिस जंगल के अधिकार के लिए अंग्रेजी शासन से संघर्ष किया,वहीं संघर्ष आज गांव की पहचान का हिस्सा है।

अंत में बिरसा के शब्दों से-''जल, जंगल, जमीन बचाके रखो''

और गांधी के शब्दों से-''धरती हर किसी की जरूरत पूरी कर सकती है, लालच नहीं''

अगर भारत को 2047 में ''विकसित भारत'' बनना है, तो उस विकास की नींव में ''गांधी का चरखा'' और ''बिरसा का तीर-कमान'' दोनों होने चाहिए। तभी ''अबुआ राज'' और ''सुराज'' दोनों संभव है।

जय जोहार

भू अभि.अधिकारी(सिविल लाइन राजनांदगांव)

कविता

हम भूल रहे

हम भूल रहे आज़ादी के संघर्षों को,
हम तौल रहे अधिकारों के
पैमाने में कर्तव्यों को।
किसने रिट लगा रखी है
कर्तव्यों की अवहेलना पर?
राष्ट्रहित सर्वोपरि फिर भी,
तवज्जो दे रहे अधिकारों को।
मैं और मेरा की कहानी चल रही
चौक-चौराहों पर,
अब किसको फ़ुर्सत है
अपने कर्तव्यों की बात करने की?
हर कोई पूछ रहा- मुझे क्या मिला?
कोई यह पूछने को तैयार नहीं-
मैंने देश को क्या दिया?
अधिकारों की आवाज़ हर
ओर बुलंद है,
कर्तव्यों की आवाज़
कहीं भीड़ में गुम है।
जिन्होंने हँसकर दे दी
अपने प्राणों की आहुति,
उनके बलिदानों से मिली
हमें यह अनमोल स्वतंत्रता।
क्या हम उनके सपनों का
भारत बना रहे हैं?
या अपने स्वार्थों की खातिर
उसे ही भुला रहे हैं?
आज़ादी केवल
अधिकार नहीं,
एक पवित्र जिम्मेदारी है;
राष्ट्र के प्रति समर्पण ही
सच्ची नागरिकता की तैयारी है।
आओ फिर संकल्प करें—
अधिकारों के साथ कर्तव्य निभाएँ,
अपने से पहले राष्ट्र को रखें,
और भारत को आगे बढ़ाएँ।
क्योंकि देश केवल हमसे
अधिकार नहीं माँगता—
कभी-कभी वह हमसे
हमारा कर्तव्य भी माँगता है।

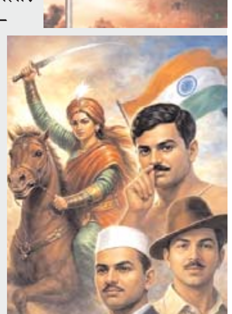

गजेंद्र बख्शी (अधिवक्ता)
रिद्धी-सिद्धी कालोनी, राज़.

शहीदों के सपनों का भारत नारों से नहीं, हमारे चरित्र और कर्म से बनेगा

15 अगस्त केवल एक तिथि नहीं, बल्कि देश के गौरवशाली इतिहास, अमर बलिदानों और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। हर साल जब लाल किले की प्राचीर पर तिरंगा लहराता है, तो वह केवल स्वतंत्रता का उत्सव मनाने का क्षण नहीं होता, बल्कि एक राष्ट्र के रूप में आत्ममंथन करने का अवसर भी होता है। अमर शहीदों के सपनों का भारत केवल नारों से नहीं, बल्कि नागरिकों के चरित्र, कर्तव्यनिष्ठा और आचरण से निर्मित होता है। आइए जानते हैं कि इस स्वतंत्रता दिवस पर हमें अधिकार मांगने के साथ-साथ किन नागरिक कर्तव्यों का संकल्प लेने की आवश्यकता है।

आत्ममंथन और अतीत का स्मरण

15 अगस्त केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और देशभक्ति के नारों का दिन नहीं है। यह वह अवसर है जब राष्ट्र को अपने अतीत के बलिदानों को स्मरण करते हुए वर्तमान का आत्ममंथन और भविष्य का संकल्प करना चाहिए। स्वतंत्रता हमें संघर्ष, त्याग और असंख्य बलिदानों के बाद मिली है। इसलिए यह सवाल आज भी प्रासंगिक है कि जिस भारत का सपना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था, क्या हम उसके निर्माण की दिशा में उतनी ही ईमानदारी से आगे बढ़ रहे हैं?

अमर सेनानियों का आदर्श और राष्ट्रीय चरित्र

भगत सिंह का साहस, चंद्रशेखर आजाद का आत्मविश्वास, नेताजी सुभाष चंद्र बोस का राष्ट्र-समर्पण, महात्मा गांधी का सत्य-अहिंसा का मार्ग और सरदार पटेल की राष्ट्रीय एकता के प्रति प्रतिबद्धता- केवल इतिहास के अध्याय नहीं हैं। वे स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय चरित्र की आधारशिलाएँ हैं। उनका सपना एक ऐसा भारत था जो- राजनीतिक रूप से स्वतंत्र हो।

सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण हो।

आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो।

नैतिक रूप से मजबूत और नागरिक चेतना से संपन्न हो।

अधिकार, कर्तव्य और नागरिक आचरण

आजादी का अर्थ केवल अधिकार प्राप्त करना नहीं है; लोकतंत्र अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी मांग करता है।

सरकारें नीतियाँ बना सकती हैं, योजनाएँ लागू कर सकती हैं और संस्थाएँ खड़ी कर सकती हैं, लेकिन राष्ट्र का वास्तविक चरित्र उसके नागरिकों के आचरण से तय होता है।

कानून का सम्मान
सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा
करों का ईमानदार भुगतान
स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और
सामाजिक सद्भाव

ये केवल मामूली बातें नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की बुनियादी शर्तें हैं।

युवा शक्ति और आधुनिक चुनौतियाँ

आज भारत परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में देश की युवा शक्ति निर्णायक भूमिका निभा सकती है। तकनीक, शिक्षा, कौशल, विज्ञान, अनुसंधान, उद्यमिता और नवाचार के क्षेत्र में युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसर हैं। हालाँकि, डिजिटल दुनिया के साथ कुछ चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं-

भ्रामक सूचनाएँ , नशा और निराशा, सामाजिक विभाजन

इसलिए युवा ऊर्जा को केवल रोजगार की तलाश तक सीमित रखने के बजाय, उसे राष्ट्र-निर्माण की सकारात्मक शक्ति बनाना होगा।

स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और विविधता में एकता

स्वच्छता और आत्मनिर्भरता को केवल सरकारी अभियानों के रूप में देखना उचित नहीं है। सड़क पर कचरा न डालना, जल-स्रोतों को प्रदूषण से बचाना, स्थानीय उत्पादों एवं उद्यमियों को प्रोत्साहित करना तथा संसाधनों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना प्रत्येक नागरिक की भूमिका है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा, श्रम और क्षमता पर विश्वास करना है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता और एकता है। भाषा, धर्म, जाति और क्षेत्र की भिन्नताओं के बावजूद एक राष्ट्र के रूप में साथ खड़े रहना हमारी असाधारण उपलब्धि है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन वैमनस्य लोकतंत्र को कमजोर करता है। इसलिए संवाद, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान को राष्ट्रीय जीवन का आधार बनाना होगा।

हर नागरिक की देशभक्ति

सीमा पर सैनिक देश की रक्षा करता है, लेकिन राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारी सीमा के भीतर रहने वाले हर नागरिक की है। किसान, शिक्षक, वैज्ञानिक, श्रमिक, उद्यमी और कर्मचारी-हर व्यक्ति अपने कर्म से देश को मजबूत करता है।

कविता

तिरंगा

*देश की आन है तिरंगा
देश की शान है तिरंगा
मर जाएंगे मिट जाएंगे
दे देंगे जान तिरंगा।।
सारी दुनिया को बतलायेंगे
अपनी तिरंगा फहरायेंगे
हमारी है पहचान तिरंगा
देश की आन है तिरंगा.....
सबके दिलो मे बसता है
सबकी ख्यालो मे रहता है
हमारी है अरमान तिरंगा
देश की शान है तिरंगा.....
जब तक सुरज चांद है
और धरती आसमान है
विश्व मे है महान तिरंगा
देश की है शान तिरंगा.....
सुख शांति समृद्धि फैलाता है
जाति धर्म का भेद मिटाता है
हम सबकी ईमान तिरंगा
देश की शान है तिरंगा.....
मानवता की मान तिरंगा
सभ्यता की ज्ञान तिरंगा
हम सबकी उड़ान तिरंगा
देश कि है शान तिरंगा.....
शहीदों की बलिदान तिरंगा
वीरो की अरमान तिरंगा
देश की है आन तिरंगा
देश की है शान तिरंगा....*

डॉ एस.एल. गंधर्व
(9926656038)
झलमला, बालोद ,

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत सचिवों की बैठक ली। उन्होंने ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा किए जा रहे विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं की प्रगति, निर्माण कार्यों, हितग्राहीमूलक योजनाओं तथा जनसमस्याओं के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों एवं पंचायत सचिवों को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा ग्रामीणों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सचिवों को अपने दायित्वों का गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए।

सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

स्कूल परिसरों में वृक्षारोपण एवं तिरंगा यात्रा आयोजित करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ ही बिजली के खर्च में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण योजना है। इससे हितग्राहियों को बिजली खर्च में बचत के साथ आर्थिक लाभ भी मिल रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक 4 हजार 836 से अधिक मकानों में सौर ऊर्जा रूफटॉप संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। सौर ऊर्जा के माध्यम से हितग्राही स्वयं बिजली का उत्पादन कर रहे हैं और अतिरिक्त बिजली से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है। कलेक्टर ने सभी ग्राम पंचायत सचिवों को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने तथा ग्रामीणों एवं पात्र हितग्राहियों को योजना के लाभ की जानकारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर लोगों को योजना के प्रति जागरूक कर अधिक से अधिक परिवारों को इससे जोड़ा जाए। योजना के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों में वृक्षारोपण अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी ग्राम पंचायत सचिवों को अपने क्षेत्र के स्कूल परिसरों में पौधरोपण सुनिश्चित करने तथा पौधों की देखरेख एवं संरक्षण पर भी विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने और अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण अभियान से जोडने् के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आगामी कार्यक्रमों के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर तिरंगा यात्रा आयोजित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं पंचायत सचिवों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा कार्यों की गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों के निर्माण कार्यों में गुणवत्ताविहीन एवं अनियमितता पाए जाने पर संबंधित इंजीनियर और सचिवों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने तथा निर्माणाधीन आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण से संबंधित हितग्राहियों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। कलेक्टर ने पंचायत स्तर पर संचालित अन्य शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की भी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। ग्राम पंचायत सचिव ग्रामीण क्षेत्रों में शासन और आम नागरिकों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं, इसलिए वे योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाएं और ग्रामीणों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निराकरण करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं जिले के ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित थे।

कल्पवृक्ष में स्वतंत्रता दिवस पर होगा ध्वजारोहण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

राजनांदगांव (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को स्थानीय कल्पवृक्ष कम्प्लेक्स में सुबह 9 बजे ध्वजारोहण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रगान के साथ देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित होंगे।

समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती सरला बेन ठक्कर, श्रीमती कमला देवी भट्टड़ एवं श्रीमती सुनीता भण्डारी दय उपस्थित रहेंगी।

वहीं वार्ड पार्षद अजीत कुशवाहा विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य एवं उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जाएगा। जिसमें श्रीमती अलका गोलछा, श्रीमती सूरज चौरडिया, श्रीमती भारती ललवानी, श्रीमती खुशबू ढेलाडिया, कु. पायल माहेश्वरी, हितांश अग्रवाल को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों एवं गणमान्यजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय बनाने की अपील की गई है। आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक पारख एवं सचिव अनिल पारख ने सभी से सहभागिता की अपील की है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता : विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय प्रतीकों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को किया नमन

तुमड़ीबोड़ (दावा)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला तुमडीबोड़ में स्व. इंदूभूषण ठाकुर शताब्दी वर्ष के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विशेष कार्यक्रम एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हाई स्कूल सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में राष्टीय प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को याद करना था।

व. इंदूभूषण ठाकुर शताब्दी वर्ष के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर हुआ आयोजन

सेनानियों के त्याग और बलिदान से प्रेरणा लें युवा - पूर्णिमा साहू

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैल चित्र पर पूजा-अर्चना, स्व. इंदूभूषण ठाकुर को श्रद्धा सुमन अर्पित करने एवं 'वंदे मातरम' के राष्ट्रगीत गायन के साथ हुआ।स्वतंत्रता सेनानी ही हमारे जीवन के सच्चे आदर्श- पूर्णिमा सावसमारोह की मुख्य अतिथि राजगामी संपदा की अध्यक्ष पूर्णिमा साव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें देश की आजादी के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले सेनानियों के प्रति सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ही हमारे जीवन के सच्चे आदर्श हैं, जो हमें जीवन में अच्छे और राष्ट्रहित के कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।विशेष अतिथि स्वावलंबी भारत अभियान के जिला समन्वयक राकेश इंदूभूषण ठाकुर ने कहा कि विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी पढ़नी चाहिए और उनके विचारों को आत्मसात करना चाहिए। सुश्री मणिभास्कर गुप्ता ने बंगाल की प्रथम महिला स्वतंत्रता सेनानी मातंगिनी हाजरा, खुदीराम बोस और सुभाष चंद्र बोस के त्याग को याद करते हुए देशभक्ति का संदेश दिया। वहीं राजेश शर्मा ने अपने ओजस्वी सैनिक अंदाज में युवाओं को राष्ट सेवा में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।शिक्षा के साथ चुनौतियों के लिए तैयार रहें- प्राचार्यकार्यक्रम में अमलेन्दु हाजरा ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। स्कूल की प्राचार्य श्रीमती मौनसी वर्गीस ने सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि वे शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ जीवन की हर चुनौती का सामना करने के लिए सदैव तत्पर रहें।त्वरित प्रश्नोत्तरी में विजेता प्रतिभागी हुए सम्मानितआयोजन के दौरान विद्यार्थियों के मध्य अ, ब, स, द ग्रुप बनाकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न हुई, जिसमें त्वरित उत्तर देने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया-प्रथम पुरस्कार- ग्रुप 'स' की स्नेहलता निषाद एवं मानवीय साहू।द्वितीय पुरस्कार- ग्रुप 'अ' एवं 'ब' के कु. हिना पटेल, कु. लुकेश पटेल, कु. कशिश राजपूत, कु. पूर्णिमा साहू, जीवेश साहू, कु. देविका साहू, कु. भिनेश्वरी वर्मा तथा कु. प्रियंका गोंड़। कार्यक्रम का समापन श्रीमती कांति मौर्य के संचालन में राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर मेजर सूबेदार (अध्यक्ष, भूतपूर्व सैनिक संगठन), श्रीमती कुमकुम झा, के.आर. साहू, राजेश चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से सुरेश वर्मा के बिजली बिल में राहत, अतिरिक्त आय का बना साधन

राजनांदगांव (दावा)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण एवं शहरी परिवारों के लिए बिजली खर्च में कमी के साथ-साथ अतिरिक्त आय का साधन भी बन रही है। योजना से लाभान्वित हितग्राही डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पुरेना निवासी श्री सुरेश वर्मा ने बताया कि पहले उनके घर में प्रतिमाह लगभग 800 से 900 रूपए तक बिजली का बिल आता था, जिससे वे काफी परेशान रहते थे।

योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया। श्री वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिलने के बाद उनके घर में सोलर पैनल स्थापित किया गया। केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रूपए तथा राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रूपए की सहायता प्राप्त हुई। सोलर पैनल लगने के बाद अब उनके बिजली बिल में काफी राहत मिली है और कई बार बिजली बिल नहीं के बराबर आ रहा है।

सुरेश वर्मा ने बताया कि सौर ऊर्जा से अब वे केवल बिजली के उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि आवश्यकता से अधिक बिजली का उत्पादन होने पर उसे विद्युत वितरण व्यवस्था में देकर बिजली विक्रेता की भूमिका भी निभा रहे हैं। प्रतिदिन अतिरिक्त यूनिट का उत्पादन होने से उनकी बचत के साथ आय के नए अवसर भी निर्मित हुए हैं। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल स्थापित करने के बाद प्रतिदिन 10 से 12 यूनिट का उत्पादन हो रहा है और घर में 3 से 4 यूनिट की खपत हो रही है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि सोलर पैनल के माध्यम से लगभग 8 यूनिट का प्रतिदिन विद्युत विभाग को विक्रय कर रहे हैं। जो उनके अतिरिक्त आय का जरिया बन गया है। श्री सुरेश वर्मा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इस योजना से आम परिवारों को बिजली के खर्च से राहत मिल रही है और सौर ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है।

उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए बिजली की बचत, स्वच्छ ऊर्जा और अतिरिक्त आय तीनों का बेहतर माध्यम बन रही है। उन्होंने अन्य परिवारों से भी योजना का लाभ उठाकर अपने घरों में सौर ऊर्जा को अपनाने की अपील की।

दिग्विजय में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा रैली का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के अंतर्गत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 01 के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संजय सप्तर्षि एवं इकाई 02 की कार्यक्रम अधिकारी प्रो. करुणा रावटे के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

रैली का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. सुचित्रा गुप्ता, रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा, डॉ. प्रीतिबाला टांक, रासेयो इकाई 01 के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संजय सप्तर्षि एवं इकाई 02 की कार्यक्रम अधिकारी प्रो. करुणा रावटे के सानिध्य में किया गया।

रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर फव्वारा चौक एवं शीतला मंदिर होते हुए पुनः महाविद्यालय पहुंची। इस दौरान स्वयंसेवियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए और आम नागरिकों को अपने-अपने घरों में तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में रासेयो के वरिष्ठ स्वयंसेवक रुस्तम नुरेटी, दिनेश्वर साहू, कुणाल सोनी, किशन मंडावी एवं वरिष्ठ स्वयंसेविका दिव्या यादव, योगिता कुम्बले, पायल बैस, पल्लवी साहू, टेमेश्वरी साहू, नंदनी वर्मा एवं खुमेश्वरी साहू सहित लगभग 100 स्वयंसेवियों ने उत्साह के साथ सहभागिता निभाई।

शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु 31 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव (दावा)। छुरिया विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पंडरापानी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु इच्छुक एवं पात्र संस्थाओं से 31 अगस्त 2026 तक कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगांव में आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित की गई है। शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु इच्छुक ग्राम पंचायत, स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्वसहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समिति, अन्य सहकारी समिति, राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम, वन सुरक्षा समिति निर्धारित तिथि तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ई-20 पेट्रोल के विरोध में जन-जागरूकता कार्यक्रम में जुटने का आह्वान-भूपेश तिवारी

कहा - जनहित के मुद्दे पर एकजुट होकर उठाएं आवाज

राजनांदगांव (दावा)। ई-20 पेट्रोल नीति को लेकर वाहन मालिकों, चालकों, मैकेनिकों और आम उपभोक्ताओं के बीच बढ़ती चिंताओं के बीच जन-जागरूकता एवं टाउन हॉल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता का आह्वान करते हुए भूपेश तिवारी ने कहा कि ई-20 पेट्रोल को जनता पर थोपने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे जनता स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि इस नीति के संभावित प्रभावों और इससे जुड़ी समस्याओं पर व्यापक चर्चा जरूरी है। श्री तिवारी ने बताया कि 17 अगस्त 2026 को दोपहर 3-30 बजे महाराज अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज, समता कॉलोनी, चौबे कॉलोनी, रायपुर में टाउन हॉल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में अरविंद केजरीवाल के साथ ई-20 पेट्रोल के संभावित प्रभावों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से वाहन मालिक एवं अनुभवी मैकेनिक कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करेंगे। विशेष रूप से वाहनों के इंजन, कार्यक्षमता, रखरखाव, ईंधन से संबंधित समस्याओं तथा आम उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को लेकर विशेषज्ञों और संबंधित लोगों के विचार सामने रखे जाएंगे।

कोलिहापुरी में किसानों-ग्रामीणों ने रखीं सिंचाई, सड़क और बिजली से जुड़ी प्रमुख मांगें - विष्णु लोधी

डोंगरगढ़ (दावा)। डोंगरगढ़ विकासखंड अंतर्गत विधानसभा डोंगरगांव के ग्राम कोलिहापुरी में किसानों एवं ग्रामीणजनों से आत्मीय जनसंवाद कर विष्णु लोधी ने क्षेत्र की समस्याओं एवं ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुना।

ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग भी प्रमुखता से रखी

ग्रामीणों ने नारायणगढ़ जलाशय से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए गोविंदपुर से कोलिहापुरी तक जॉइंट कैनाल का निर्माण, कोलिहापुरी से मेढ़ा एवं कोलिहापुरी से टप्पा तक सड़क निर्माण तथा बिजली दरों में की गई पांच बार की बढ़ोतरी तत्काल वापस लेने की मांग रखी।

ग्रामीणों ने 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना पुनः शुरू करने, स्मार्ट मीटर हटाकर सामान्य मीटर लगाने, अधिक बिजली बिलों की जांच कर अतिरिक्त वसूली गई राशि वापस करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग भी प्रमुखता से रखी।

किसानों ने खाद की कीमतें कम करने, समय पर पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने, 3286 रु. प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित करने तथा पिछले दो वर्षों में समर्थन मूल्य वृद्धि की राशि किसानों को प्रदान करने की मांग रखी।

विष्णु लोधी ने कहा कि किसानों और ग्रामीणों की समस्याएं केवल स्थानीय मुद्दे नहीं, बल्कि उनके जीवन और आजीविका से जुड़े गंभीर विषय हैं। उन्होंने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि उनकी सभी न्यायोचित मांगों को शासन-प्रशासन तक पूरी मजबूती से पहुंचाया जाएगा और समाधान के लिए निरंतर संघर्ष किया जाएगा।

"आजादी का जश्न : आत्ममंथन का पर्व"

रोशन साहू

हम सभी हर बरस की आज़ादी का जश्न बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। क्योंकि इस आज़ादी को पाने के लिए, या यूँ कहें इस गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिए भारत माँ ने अपने कई-कई बेटों की कुर्बानियां दीं। माँग की लाली सूनी हुई। जिन हाथों में राखी सजनी थी, वो कलाई नहीं रहीं। अनगिनत घरों के चिराग बुझ गए। बढ़े हाथों की लाठी का सहारा छिन गई। कई घर-परिवारों ने अपना सब कुछ खोया। अनगिनत अनाम आज़ादी की बलि-वेदी की भेंट चढ़ गए। कितनों के सर कलम हुए और कितने ही फांसी के फंदे पर हँसते-हँसते अपना प्राण न्योछावर कर गए। कई नाम ऐसे भी हैं जो इतिहास के पृष्ठों में अंकित नहीं हो पाए। बलिदान की दास्तान जितनी भी लिखी जाए, जितनी भी पढ़ी जाए, वह कम है।

''पूजे न गए शहीद तो फिर वह बीज कहाँ से आएगा? धरती को माँ कहकर मिट्टी माथे से कौन लगाएगा?''

याद करें बहादुर शाह जफर के तीनों बेटों के सर को काटकर तश्तरी में सजाकर उनको ही भेंट किया गया। तब उन पर क्या बीती होगी? बलिदान-वेदी से होकर हमें यह आज़ादी मिली है। आज़ादी के उन दीवानों की आँखों में स्वतंत्र भारत के कितने सपने पले होंगे? कि आज़ाद भारत अपनी नैतिकता,विश्वसनीयता और मेहनत के दम पर विश्व का सरताज बनेगा। जहाँ भय, भूख, भ्रष्टाचार से मुक्त परिवेश होगा। समानता, समता और सबको न्याय के साथ ही सबको समान अवसर की प्राप्ति होगी। स्वाधीनता का अर्थ महज विदेशी दासता से मुक्ति नहीं, अपितु समता-मूलक समाज का निर्माण है। जाति, भाषा, वर्ण-भेद, रंग-भेद से परे समरसता का अमृत सभी नागरिकों को लब्ध होगा। रोटी, कपड़ा और मकान ही लोगों की जरूरत नहीं, अपितु शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जीवन के उद्देश्य की पूर्णता के लिए आवश्यक है।

भ्रष्टाचार, अराजकता, अव्यवस्था की स्थितियों के लिए केवल राजनीतिक दोषारोपण करने से ही अवाम का न भला हुआ और न भविष्य में होगा। अवाम अपना नागरिक धर्म का पालन करे। नागरिक धर्म की ऊँचाई से केवल राष्ट्रवाद ही फलीभूत नहीं होती, बल्कि वैश्विक दृष्टिकोण विकसित होता है। यह सब विचारणीय स्थिति नहीं, अपितु इन विसंगतियों के निदान के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की परम आवश्यकता है। मात्र बौद्धिकता भरे विमर्श से ही समस्याओं का समाधान नहीं होता। संभव है विचारों में टकराव हों, पर विचारों को कुचलने के लिए हिंसा कोई स्थान कदापि नही होना चाहिए।सर्व-मंगलमयी विचारों की स्वीकार्यता देर-सबेर जन-मन में पैठ बना लेती ही है।

आज आज़ादी का पर्व हम बेहद ही उत्साह के साथ मना रहे हैं। विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या इस कार्यक्रम में उन बलिदानों की चर्चा होती है? उन बलिदानों को, उन शहादतों को याद करके कितनों की आँखें नम होती हैं? कितनों की आँखें कृतज्ञता से झुकती हैं? कितने लोग हैं जो तिरंगे को पूरी आस्था और भाव के साथ निहारते हैं? राष्ट्रध्वज के सम्मान में कितनों की आँखें गर्व से भर जाती हैं? और क्या! वे हाथ उस लायक हैं, जो ध्वजारोहण कर सकें?

सरकारी, गैर सरकारी दफ्तरों, गली मोहल्लों में तिरंगा फहराया जाता है। आजादी का जश्न ज्यादातर शैक्षणिक संस्थाओं में मनाया जाता है। आज हम सब देखते हैं कि इन संस्थानों में इस बात का भी उल्लेख नहीं होता कि आजादी का यह कौन सा वर्षगाँठ है? आजादी कब और कैसे मिली? आजादी मिलने के उपरांत हमने क्या उपलब्धियां हासिल कीं? और क्या हासिल करना शेष रह गया है? यह सब बातें दरकिनार कर दी जा रही हैं।

आज ऐसे कार्यक्रमों में राष्ट्रभक्ति, देशप्रेम के गीत, काव्य, नृत्य कहीं गुम-सा हो गया है। उसके स्थान पर आंचलिक लोकगीत, लोक संगीत भी परोसा जाए तब भी एक सीमा तक उचित प्रतीत होता। पर अब तो केवल फिल्मी गीत, रीमिक्स और डीजे का शोर सुनाई देने लगा है। आजादी का यह पर्व राष्ट्रबोध और मन-अंजन का विषय है, महज मनोरंजन कदापि नहीं। आज से कुछ बरस पहले शैक्षणिक संस्थानों में रिकॉर्डिंग, गीत, रीमिक्स का कोई नामोनिशान तक नहीं था। तबला, हारमोनियम, ढोलक, मंजीरा जैसे वाद्ययंत्रों से बच्चे और शिक्षक मिलकर अपनी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लेते थे। बच्चों में सांगीतिक समझ विकसित होती थी। पर आज हम देखते हैं कि संगीत की नई पीढ़ी तैयार नहीं है। क्योंकि शैक्षणिक संस्थान ऐसा मंच हुआ करता था जहाँ से बच्चे संगीत की ककहरा लेकर अपने जीवन में कला का विस्तार कर पाते थे। दलगत राजनीति ने सभी जगह अपना जड़ जमा लिया है। आज जनप्रतिनिधिगण जब ऐसे कार्यक्रमों में शिरकत करते हैं तो कहीं-ना-कहीं आसंदी में बैठने-बिठाने, मान-सम्मान, अभिनंदन और स्वयं को तवज्जो देने तक के दायरे से ऊपर नहीं उठ पा रहे हैं। वर्चस्व स्थापित करना ही जैसे मूल धर्म हो गया हो? कड़वाहट इतनी कि पक्ष-विपक्ष में विभाजित हुए से नजर आते हैं। क्या हम आने वाली पीढ़ी को विरासत में यही सब दे रहे हैं? राष्ट्र के लिए योगदान हम सबकी जिम्मेदारी है। इनसे विमुख होने का सीधा अर्थ कृतघ्नता ही है। हम सब ऐसा वर्तमान गढ़ें कि भविष्य उसे गर्वित होकर याद करे।

(राजनांदगांव), 7999840942

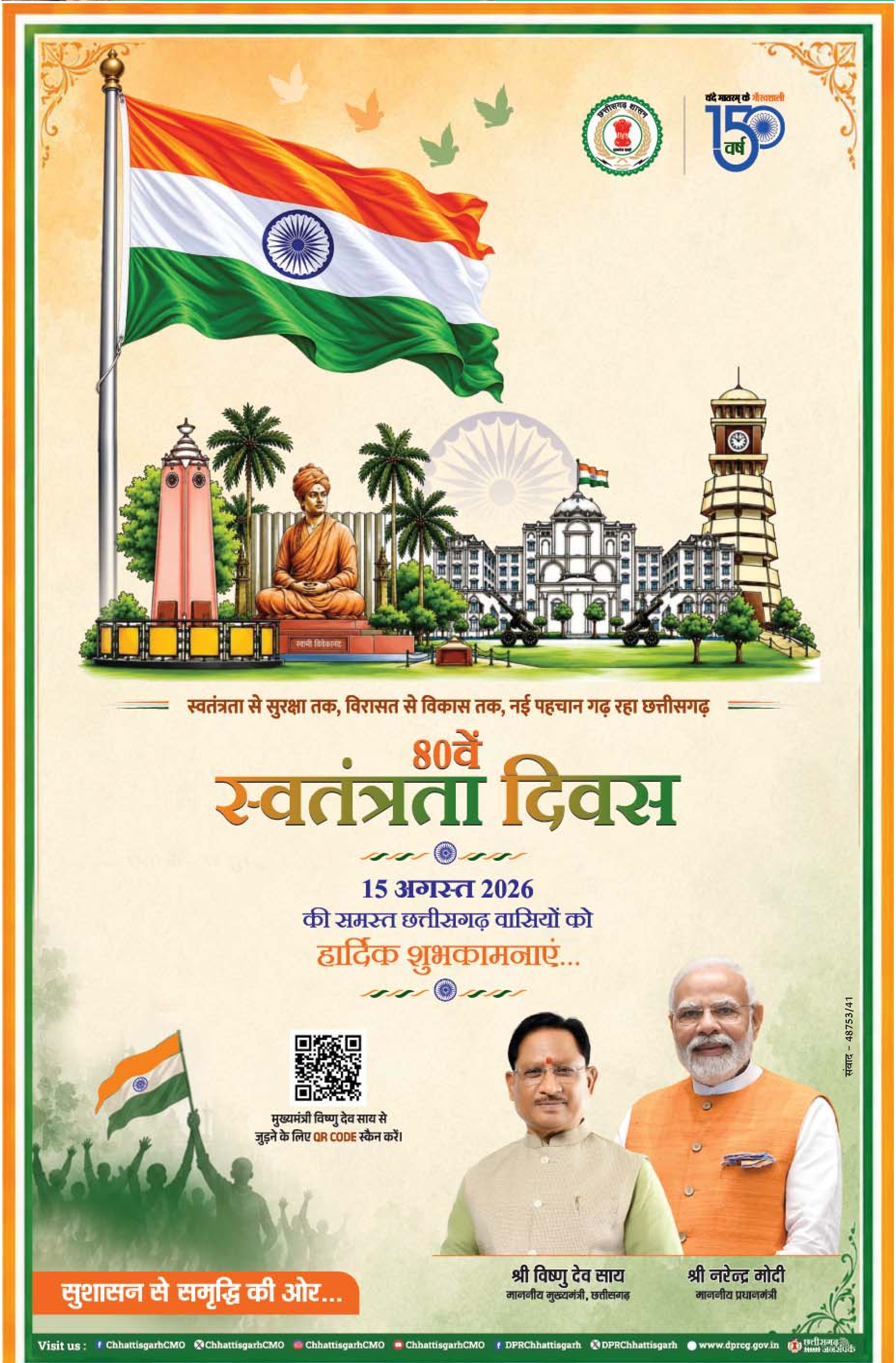
स्वतंत्रता से सुरक्षा तक, विरासत से विकास तक, नई पहचान गढ़ रहा छत्तीसगढ़
80वें
स्वतंत्रता दिवस
15 अगस्त 2026
की समस्त छत्तीसगढ़ वासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से
जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
सुशासन से समृद्धि की ओर...
संवाद - 48753/41
Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

आज 15 अगस्त से 02 अक्टूबर तक पुलिस का व्यापक जन-जागरूकता अभियान

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा प्रदेशवासियों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक एवं सुरक्षित करने के उद्देश्य से आज 15 अगस्त से 02 अक्टूबर तक साइबर जागृति अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा ने बताया कि 15 अगस्त 1947 को करोड़ों देशवासियों की एकजुटता और प्रयासों से प्राप्त स्वतंत्रता की भावना से प्रेरित यह अभियान, साइबर अपराध के विरुद्ध जनभागीदारी के माध्यम से जागरूकता का संदेश पहुंचाने तथा साइबर सुरक्षित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में एक अभिनव पहल है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध के विरुद्ध छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा निरंतर चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियानों की श्रृंखला में साइबर जागृति अभियान देश के अनोखे, इनोवेटिव एवं सोशल मीडिया आधारित जनभागीदारी अभियानों में से एक है।

अभियान का शुभारंभ

बताया गया कि साइबर जागृति अभियान का शुभारंभ आज राजधानी रायपुर में माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय गृहमंत्री द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री/गृहमंत्री द्वारा अभियान का लिंक एवं त्तक्र ष्टश्स्रद्ग जारी कर अभियान का शुभारंभ किया गया। माननीय अतिथि द्वारा स्वयं अपने मोबाइल फोन से QR Code स्कैन कर सेल्फी ली गई तथा उसे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे भी अभियान में सक्रिय सहभागिता करें और लिंक पर क्लिक अथवा QR Code स्कैन कर ÷साइबर जागृति की एक सेल्फी÷ लें तथा उसे अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर साझा करें। उन्होंने विशेष रूप से सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों, संस्थानों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, गणमान्य नागरिकों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, प्रोफेशनल्स एवं कलाकारों से अभियान में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने की अपील

शहर सहित पूरे जिले भर में 7 सप्ताह तक चलेगा उक्त अभियान

की। 7 सप्ताह तक विभिन्न चरणों में संपन्न होने वाले इस जागरूकता अभियान के लिए पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा ने की जनभागीदारी की अपील की है।

उन्होंने बताया कि 14 अगस्त से 16 अगस्त तक 2 दिनों के दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों, जैसे ट्रिपल सवारी, नो-पार्किंग/गलत पार्किंग एवं अन्य सामान्य यातायात उल्लंघनों के मामलों में, उपयुक्त परिस्थितियों में प्रत्येक उल्लंघन पर सेल्फी का जुर्माना लगाया जाएगा।

समाज को जागरूक व सायबर सुरक्षित बनाना

अभियान के उद्देश्य एवं सार के संबंध में पुलिस अधीक्षक महोदया सुश्री अंकिता शर्मा ने कहा कि जिस तरह देश की आजादी के लिए करोड़ों देशवासी एकजुट होकर आगे आए थे, उसी भावना के साथ हमें साइबर अपराध के विरुद्ध भी एकजुट होकर समाज को जागरूक एवं साइबर सुरक्षित बनाना है। 'साइबर जागृति अभियान' जनभागीदारी का अभियान है। आप भी 'साइबर जागृति की एक सेल्फी' लें, उसे सोशल मीडिया पर साझा करें और साइबर अपराध की रोकथाम में राजनांदगांव जिला पुलिस का सहयोग करें। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे स्वयं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक हों तथा अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी साइबर अपराध से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करें।

जिला पुलिस द्वारा 07 सप्ताह का व्यापक कार्यक्रम

साइबर जागृति अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से राजनांदगांव जिला पुलिस द्वारा जिले में अभियान को व्यापक स्वरूप दिया गया है। 15 अगस्त से 02 अक्टूबर तक सात सप्ताह की अवधि में विभिन्न आयु वर्ग एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े नागरिकों को लक्षित करते हुए साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गांधी जयंती के दिन होगा अभियान का समापन

बताया गया कि 02 अक्टूबर 2026, गांधी जयंती के अवसर पर साइबर जागृति अभियान का समापन किया जाएगा । अभियान के दौरान जिला पुलिस टीमों एवं स्थानीय थानों द्वारा सार्वजनिक स्थानों, चौक-चौराहों, पार्कों एवं बाजारों में पोस्टर-बैनर के माध्यम से त्तक्र ष्टश्स्रद्ग का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

इसके साथ ही छत्तीसगढ़ पुलिस एवं जिला पुलिस राजनांदगांव के सोशल मीडिया हैंडल्स तथा विभिन्न WhatsApp समूहों के माध्यम से अभियान का लिंक अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाएगा और नागरिकों को सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। साइबर अपराध के विरुद्ध जागरूकता केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

नशे की गुलामी से स्वतंत्र रहना ही सच्ची स्वतंत्रता है-ब्रह्माकुमारी बहनें

राजनांदगांव (दावा)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा चलाया जा रहा नशामुक्त भारत अभियान अब जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। अभियान के तहत 13 अगस्त को जिले के 28 स्कूलों में ब्रह्माकुमारीज की सात टीमों ने पहुंचकर विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान 7000 से अधिक बच्चों ने जीवनभर नशे से दूर रहने की शपथ ली। ब्रह्माकुमारी बहनों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस मनाने का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन को नशे की गुलामी से मुक्त करे। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन को प्रभावित करने के साथ ही देश के विकास में भी बाधक बनता है। बच्चों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान की जानकारी देते हुए स्वस्थ एवं संस्कारयुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया।

अभियान में ब्रह्माकुमारी सुषमा बहन, प्रभा बहन, रंभा बहन, पूजा बहन, महेश्वरी बहन, महिमा बहन ,लोकिता बहन, संध्या बहन, लोकेश्वरी बहन, चंदा बहन, अंजली बहन, सुनन्दा बहन, टोमिन बहन, खेमिन बहन और तरुणा बहन सहित ब्रह्माकुमार भाइयों ने सहभागिता की। ज्ञातव्य है कि नशामुक्त भारत अभियान 20 अगस्त तक जारी रहेगा। इसके अंतर्गत जिले के 100 से अधिक स्कूलों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान से जुड़े लोगों का मानना है कि यदि बच्चे नशामुक्त जीवनशैली को अपनाते हैं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करते हैं, तो स्वस्थ, संस्कारवान और समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकता है।

हरियाली तीज एवं सिंधारा उत्सव में सजेगा राजस्थानी रंग

राजनांदगांव (दावा)। सावन की फुहारों के बीच हरियाली तीज की उमंग और राजस्थानी परंपराओं की रंगत को जीवंत करने के उद्देश्य से अग्रवाल महिला मंडल, राजनांदगांव द्वारा दो दिवसीय 'हरियाली तीज महोत्सव एवं सिंधारा उत्सव-2026' का आयोजन किया जा रहा है। अग्रसेन भवन में आयोजित होने वाले इस उत्सव में महिलाओं के लिए मेहंदी, राजस्थानी थीम, पारंपरिक परिधान, नृत्य एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का विशेष आयोजन होगा। महिला मंडल द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 14 अगस्त शुक्रवार को सुबह 10 बजे से सिंधारा उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं को दोनों हाथों में आकर्षक मेहंदी लगाई गई जिसमें अग्र महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। आयोजन में सखियों, बिन्दनियों एवं युवतियों को विशेष रूप से राजस्थानी परिधान में शामिल हुई। इसी क्रम में आज 15 अगस्त शनिवार को दोपहर 2:30 बजे से तीज उत्सव आयोजित होगा। इस अवसर पर पूरा कार्यक्रम राजस्थानी थीम पर आधारित रहेगा, जिसमें हरे और नारंगी रंग के परिधानों को विशेष रूप से शामिल किया गया

0 अग्रवाल महिला मंडल ने की भव्य आयोजन की तैयारी
0 मेहंदी लगवाने महिलाओं की उमड़ी भीड़

है। महिलाओं एवं युवतियों के लिए राजस्थानी लोक संस्कृति पर आधारित नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

आयोजकों ने बताया कि सावन के इस विशेष पर्व को पारंपरिक उत्साह एवं आपसी स्नेह के साथ मनाने के लिए महिलाओं को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम के माध्यम से राजस्थानी संस्कृति, वेशभूषा और लोक परंपराओं को भी नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश दिया जाएगा। हरियाली तीज के अवसर पर सखियों के साथ झूला, श्रृंगार, मेहंदी और सांस्कृतिक उल्लास का वातावरण देखने को मिलेगा। अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती संतोष अग्रवाल ने सभी सखियों एवं महिला सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया है।

सचिव श्रीमती सुषमा अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष श्रीमती सारिका अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम को आकर्षक एवं यादगार बनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। मंडल ने सभी महिलाओं से आग्रह किया है कि वे निर्धारित राजस्थानी थीम के अनुरूप परिधान पहनकर कार्यक्रम में शामिल हों तथा 15 अगस्त के तीज उत्सव में राजस्थानी थीम पर होने वाले नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक सहभागिता करें। आयोजक अग्रवाल महिला मंडल ने सभी सखियों से इस पारंपरिक एवं सांस्कृतिक उत्सव में सहभागिता कर सावन की खुशियों को साझा करने की अपील की है।

विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की आयुक्त ने ली बैठक

राजनांदगांव (दावा)। निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने आज निगम सभागृह में नगर निगम के सभी विभागों के अधिकारियो व कर्मचारियों की बैठक लेकर फाईलो का संधारण चरणबद्ध रूप से करने तथा विभाग से संबंधित नस्ती ई-आफिस के माध्यम से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि अपने विभाग से संबंधित कार्य प्राथमिकता तय कर करे। किसी भी पत्र या फाईल का चरणबद्ध क्रियान्वयन कर समय सीमा में निराकरण करना है, कार्यालयीन प्रबंधन उचित रूप से करना है। उन्होंने कहा कि शासन की नीतिगत निर्णय जिसे परिपत्र के रूप में भेजते है उसका प्राथमिकता से क्रियान्वयन करना है तथा उसे गाड फाईल में लगाकर रखना है। साथ ही सभी विषयो के निर्देशो को ध्यान से पढ़े, उसकी मूल भावना को समझे, उसके पश्चात नोटशीट तैयार करे तथा फाईलो को देखते हुए स्तरबद्ध उसका

फाईलो का उचित संधारण करने तथा ई-आफिस से कार्य संपादित करने के दिए निर्देश

निराकरण करना है। उन्होंने फाईलो का उचित संधारण करने कहा, नोटशीट में लिपिक अधिकारी, विभाग का बराबर उल्लेख हो, जिससे फाईलो के निराकरण में सुविधा होगी।

आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार सभी विभागीय कार्य ई-आफिस के माध्यम से संपादित करना है। इसमें किसी प्रकार की कोताही न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए और सभी विभाग से संबंधित नस्ती ई-फाईल के माध्यम से प्रस्तुत करेगे। साथ ही महत्वपूर्ण नस्ती जिसमें अवलोकन की आवश्यकता है, उसे कार्यालय अधीक्षक के माध्यम से प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा कि प्लांन तैयार कर सीस्टेमेटिक कार्य करे, अपने दायित्वों एवं कर्तव्यो का निर्वाहन समर्पित भाव से करे। जनता से सीधी जुडी होने के साथ साथ मूलभूत सुविधा से सीधी जुडी संस्था है, इस दृष्टिकोण से हमारा कार्यालय बहुत महत्वपूर्ण है और इसकी महत्ता को समझ सभी को अपने दायित्वों का निर्वाहन करना है। बैठक में कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता,स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यलय अधीक्षक सहित सभी विभागों के कर्मचारी उपस्थित थे।

धन्यवाद बोलकर देखिए फिर परिवर्तन का अनुभव कीजिए-श्रेयांशप्रभ सागर जी

राजनांदगांव (दावा)। परम पूज्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा.खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य श्रेयांशप्रभ सागर जी ने आज यहां कहा कि हमने धन्यवाद बोलना नहीं सीखा है। धन्यवाद बोलने से अहोभाव बढ़ता है। आप धन्यवाद बोलकर देखिए और फिर होने वाले परिवर्तन को महसूस कीजिए। जीवन में पैसे से ज्यादा एक दूसरे का साथ जरूरी है। उक्त उद्गार जैन मुनि श्रेयांशप्रभ सागर जी ने अपने नियमित प्रवचन में ज्ञानवल्लभ उपाश्रय भवन में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आप जितना खुश रहेंगे काम उतना अच्छा होगा। चिंतित रहने से काम ठीक ढंग से नहीं होता। कोई भी व्यक्ति परफेक्ट नहीं होता। हर काम की शुरुआत कहीं ना कहीं से करनी पड़ती है। धन्यवाद बोलने की हमारी आदत नहीं है लेकिन इसकी शुरुआत करो।

जीवन में पैसे से ज्यादा एक दूसरे का साथ होना जरूरी है

धन्यवाद बोलने से मोह नहीं बढ़ता बल्कि अहो भाव बढ़ता है। एक दूसरे को धन्यवाद देना सीखिए। इससे पहले आप अपने आपको भी धन्यवाद दें। मुनि श्री ने कहा कि सुबह उठते ही धन्यवाद दें कि मैं स्वस्थ हूं और मेरा परिवार ठीक है। उसके बाद भोजन मिलने का धन्यवाद दें और फिर रात के समय सोते तक अच्छा जीवन देने का धन्यवाद अदा करें। इसके साथ ही साथ आप एक दूसरे को धन्यवाद देना भी ना भूले। घर अकेले से नहीं चलता, आप सोचते होंगे कि घर मैं चलाता हूं रोजगार करके लाता हूं तब कहीं सब अच्छा जीवन जी रहे हैं। मुनि श्री ने कहा कि हमारा यह सोचना गलत है हमें समय पर भोजन मिलना और हमारी छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना यह सब साथी का काम होता है। इसलिए हमें उनका धन्यवाद करना चाहिए। एक दूसरे को धन्यवाद देने से सहयोग की भावना बढ़ती है। एक दूसरे पर विश्वास बढ़ता है और मन प्रसन्न हो जाता है। उन्होंने कहा कि आप धन्यवाद देना सीखिए। इसके बाद जो परिवर्तन आएगा उसका आप स्वयं अनुभव करें। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने दी।

26वाँ राज्य स्तरीय शाला क्रिकेट प्रतियोगिता गोरेल्ला, पेण्ड्रा, मारवाही में 18 से 21 तक आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। क्रिकेट एकेडमी के खिलाड़ी विजेन्द्र यादव का 26वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन होने पर एकेडमी परिवार की ओर शुभकामनाएं दी। सुबह-शाम सुबह 7.30 बजे से 10.30 बजे तक एवं 3.00 बजे से 6.30 बजे तक संदीप शुक्ले के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण साहू सदन सरकारी हॉस्पीटल के पास प्राप्त कर रहा है। गायत्री विद्यापीठ का आठवीं का छात्र है, पिताजी नन्दलाल यादव व एकेडमी परिवार की ओर से

विजेन्द्र यादव का स्टेट टीम अंडर 14 में चयन

कोषाध्यक्ष अनन्य देवांगन, महेश साहू, रणजी आईपीएल प्लेयर अजय मंडल, विनोद भावे, अन्तु करान्डे, अम्लाडीह पूर्व महिला शोभा चोपड़ा, मनोज साहू एवं जोई थामस सहायक कोच सभी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दी। आईसीए कोच संतोषयादव एवं जिला क्रिकेट के सभी कोच की ओर से उपरोक्त चयन होने पर सभी ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। महापौर प्रत्याशी एवं आर.सी.ए. के हेड कोच संदीप शुक्ले ने दी।

शराब कोचिए से 45 पौवा देशी शराब एवं घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटर साइकिल जप्त

राजनांदगांव (दावा)। थाना बसंतपुर पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 45 पौवा देशी शराब एवं घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल भी जप्त की है।जप्त शराब एवं मोटरसाइकिल की कुल अनुमानित कीमत 38,600/- बताई जा रही है। आरोपी को गिरफतार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

बंसंतपुर थाना प्रभारी कौशलेश देवांगन ने बताया उपुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के निर्देशन में जिले में अपराध एवं अवैध गतिविधियों, विशेषकर अवैध शराब बिक्री एवं सट्टा के विरुद्ध प्रभावी अंकुश लगाने हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में थाना बसंतपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध रूप से देशी शराब का परिवहन कर बिक्री करने हेतु ले जा रहा है। सूचना पर थाना बसंतपुर पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए आरोपी आदित्य मरकाम, पिता सुरेश मरकाम, निवासी बंगालीचाल, को पकड़ा गया। जिसके कब्जे से 45 पौवा देशी शराब, कुल 8.000 बल्क लीटर, तथा घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल बिना नंबर बरामद कर जप्त की गई।आरोपी के विरुद्ध थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 381/2026, धारा 34(2) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। तत्पश्चात उसे 14 अगस्त शुक्रवार को न्यायिक अभिरक्षा में पेश किया गया।इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक देवांगन सहित, सउनि. आर. राजू, प्र.आर. दीपक जायसवाल, आरक्षक अहतर अली, जामिन्द्र वर्मा सहित थाना बसंतपुर के अन्य पुलिस स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

शिवनाथ नदी में डूब रही वृद्धा को पुलिस जवानों ने बचाया

राजनांदगांव (दावा)। शहर का जीवनदायिनी कहलाने वाली शिवनाथ नदी में डूब रही 72 वर्षीय वृद्धा को पुलिस जवानों द्वारा बचा कर सराहनीय कार्य किया है। घटना 13 अगस्त की बताई जाती है।

तैराक की सहायता से वृद्धा महिला को बाहर निकाला गया

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह साढ़े 7 बजे अंबागढ़ चौकी क्षेत्र के मेरे गांव निवासी जमुना बाई नदी में नहाने गई थी जो बैलेंस बिगड़ने से अचानक नदी में गिर गई। पुलिस को उक्त वृद्धा के नदी में डूबने की सूचना मिली। पुलिस को सूचना मिलते ही फौरन हरक़त में आ कर पुलिस टीम उस ओर दौड़ी। उक्त वृद्धा नदी के तेज बहाव में बीच में फंसीं हुई थी। उसका आधा शरीर पानी में डूबा हुआ था। पुलिस जवानों ने स्थानीय तैराक श्रवण की सहायता ली और उक्त तैराक द्वारा ट्यूब के सहारे नदी में तैरते हुए महिला तक पहुंचा गया । नजदीक जाकर देखने पर उक्त वृद्धा को जीवित पाया। इस पर उसे पुलिस टीम द्वारा बाहर निकाला गया और सीपीआर देकर उक्त वृद्धा को 112 के माध्यम से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौकी पहुंचाया। जहां उसका इलाज जारी है।

भारतीय जनता पार्टी हमेशा देश हित में काम करती है - मनोज निर्वाणी

राजनांदगांव (दावा)।भारतीय जनता पार्टी, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला संयोजक मनोज निर्वाणी ने आज कहा कि केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी द्वारा दिया गया इस्तीफा पूर्णतः देशहित और छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया एक त्यागपूर्ण और साहसिक निर्णय है।

श्री निर्वाणी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है। विगत वर्षों में भी भाजपा सरकार ने शिक्षा, सुरक्षा और विकास के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किए हैं। आज जिस तरह से कुछ देश विरोधी ताकतें छात्रों को आगे करके देश में अराजकता फैलाने का षडयंत्र कर रही थीं, उसको विफल करने के लिए

देश में कांग्रेस अराजकता फैलाना चाह रही थी जिसको भाजपा ने ही विफल किया

यह निर्णय आवश्यक था।

धर्मेंद्र प्रधान जी के इस्तीफे के पीछे के प्रमुख कारण -

1. छात्र हित सर्वोपरि - सरकार नहीं चाहती कि राजनीति की भेंट छात्रों का भविष्य चढ़े। छात्रों को गुमराह कर आंदोलन की आग में झोंकने की साजिश को विफल किया गया।

2. राष्ट्रहित में कठोर निर्णय - खुफिया रिपोर्टों के अनुसार कुछ देश विरोधी तत्व इस माहौल का फायदा उठाकर देश विरोधी गतिविधियों ? बढ़ावा दे रहे थे। ऐसे में सरकार का यह कदम देश की एकता और अखंडता को बचाने के लिए था।

3. भाजपा की नैतिक राजनीति - कांग्रेस की तरह सत्ता से चिपके रहना भाजपा का संस्कार नहीं है। जब भी देश और जनता का हित सामने आता है, भाजपा के नेता पद से बड़ा देश को मानते हैं। श्री निर्वाणी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस को छात्रों की नहीं, अपनी राजनीति की चिंता है। जब भी देश संकट में होता है, कांग्रेस आग में घी डालने का काम करती है। भाजपा ने हमेशा समस्या का समाधान किया है, राजनीति नहीं। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उदाहरण है। भाजपा कार्यकर्ता इस निर्णय के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं और देश केविकास के लिए मोदी जी के नेतृत्त्व में निरंतर काम करेंगे।

वार्ड पार्षद की निष्क्रियता के चलते वार्ड में मूलभूत सुविधा का अभाव - सत्यम यादव

डोंगरगढ़ (दावा)। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 22 ठेठवार पारा में पिछले 10 वर्षों से जर्जर पानी टंकी और जर्जर सड़क की समस्या से वार्डवासी परेशान हैं।

पानी टंकी से लेकर स्वयंभू शिव मंदिर तक की सड़क भी पूरी तरह टूटी हुई है। इस समस्या को लेकर भाजपा युवा मोर्चा के सत्यम यादव के नेतृत्व में वार्डवासियों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश तिवारी से मिलकर वार्ड की समस्या से अवगत कराया और तत्काल सुधार की मांग की।

वार्डवासियों ने बताया कि यह मार्ग शिव मंदिर का एकमात्र रास्ता है, जहां श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए जाते हैं। सड़क जर्जर होने के कारण बुजुर्गों और बच्चों को काफी परेशानी होती है।वार्डवासियों का कहना है कि वार्ड पार्षद की निष्क्रियता के चलते वार्ड में मूलभूत सुविधा का अभाव है। पिछले 10 सालों से वार्ड में कांग्रेस का पार्षद है, जिसे कई बार समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।इस अवसर पर अक्षय यादव, अमन यादव, ओम यादव, प्रभु लाल सेन, कारण यादव, लक्ष्मण यादव, मनोज यादव सहित अन्य वार्डवासी उपस्थित थे।

समस्त जिलेवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
वंदिता उइके
सरपंच
बलिराम केराम
सचिव
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत जोंधरा

समस्त जिलेवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
चंद्रकला चौरे
सरपंच
सोहन लाल देवांगन
सचिव
एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत गिदर्री

समस्त जिलेवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
गेंदलाल सिन्हा
सरपंच
भुवाल सिंह
सचिव
एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत धोबनी

समस्त जिलेवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
तोरण चन्द्रवंशी
सरपंच
बलिराम केराम
सचिव
एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत बरबसपुर
विकासखण्ड-छुरिया, जिला- राजनांदगांव

समस्त जिलेवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
जगदीश बघेल
सरपंच
तिलक दास गंधर्व
सचिव
एवं समस्त पंचगण, ग्राम पंचायत गोड़लवाही
विकासखण्ड-छुरिया, जिला- राजनांदगांव

समस्त जिलेवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
द्वारिका पटेल
समिति प्रबंधक
हृदय राम चंद्रवंशी
अध्यक्ष
सेवा सहकारी समिति गिदर्री

समस्त जिलेवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
मोहन जोशी
समिति प्रबंधक
सेवा सहकारी समिति उमरवाही

समस्त जिलेवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
सेवा सहकारी समिति खुज्जी
जितेन्द्र प्रसाद यादव
समिति प्रबंधक

15 अगस्त व जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं...
साहिल सांखला
को जन्मदिन की ढेरो
बधाई व शुभकामनाएं...
लक्ष्मीचंद जैन
पापा

समस्त जिलेवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई
जैमुन बाई कंवर
जनपद सदस्य
जनपद पंचायत छुरिया, क्षेत्र क्र. 24 की
सक्रिय, जुझारू और कर्मठ जनपद सदस्य

छत्तीसगढ़ से इंदौर के लिए नियमित ट्रेन की मांग, डोंगरगढ़ विकास मंच ने उठाई आवाज

डोंगरगढ़(दावा)। छत्तीसगढ़ से इंदौर के बीच पर्याप्त रेल सुविधा नहीं होने से विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में रायपुर से इंदौर के लिए सीमित रेल सुविधा उपलब्ध है और सप्ताह में केवल एक ट्रेन होने के कारण यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना काफी पहले बनानी पड़ती है। इंदौर देश का प्रमुख शैक्षणिक एवं व्यापारिक केंद्र है।

छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों का इंदौर से लंबे समय से शैक्षणिक जुड़ाव रहा है। कोटा के बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य कोचिंग के लिए इंदौर का रुख करते हैं। इसके अलावा व्यापार और रोजगार के सिलसिले में भी छत्तीसगढ़ से इंदौर आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या काफी है। इन परिस्थितियों को देखते हुए डोंगरगढ़ विकास मंच ने छत्तीसगढ़ से इंदौर के लिए नियमित ट्रेन चलाने की मांग उठाई है।

मंच के सचिव केके वर्मा ने पूर्व सांसद एवं महापौर मधुसूदन यादव, सांसद संतोष पांडेय, पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह तथा रेल मंत्री को पत्र भेजकर इस दिशा में पहल करने की मांग की है।मंच ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के यात्रियों को व्यापक लाभ पहुंचाने के लिए अलग-अलग रेल मार्गों और ट्रेनों के विस्तार पर विचार किया जा सकता है। कोरबा से रायपुर, नागपुर और भोपाल होते हुए इंदौर तक ट्रेन चलाने पर विचार किया जाए तो छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिलों के यात्रियों को इसका लाभ मिल सकता है। इसी तरह रायगढ़ से इंदौर के लिए नियमित ट्रेन शुरू करने का विकल्प भी सामने रखा गया है। जिस प्रकार रायगढ़ से गोंडवाना एक्सप्रेस का संचालन होता है उसी तरह इंदौर के लिए भी नियमित सेवा शुरू की जा सकती है। मंच ने दुर्ग से भोपाल तक चलने वाली अमरकंटक एक्सप्रेस को इंदौर तक विस्तारित करने का सुझाव भी दिया है। इसके अलावा रायपुर होकर चलने वाली पुरी-हमसफर एक्सप्रेस की सेवा को सप्ताह में तीन दिन किए जाने की मांग रखी गई है ताकि छत्तीसगढ़ और इंदौर के बीच यात्रियों को अधिक सुविधा मिल सके।

वरिष्ठ नागरिक के.के. वर्मा ने मधुसूदन यादव, संतोष पांडेय, डॉ रमन सिंह तथा रेल मंत्री को भेजा पत्र

डोंगरगढ़ धार्मिक, पर्यटन और व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर, स्टॉपेज की उठी मांग

डोंगरगढ़ विकास मंच ने इंदौर के लिए प्रस्तावित अथवा विस्तारित की जाने वाली ट्रेन का डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन पर ठहराव देने की मांग भी की है। मंच का कहना है कि डोंगरगढ़ धार्मिक, पर्यटन और व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है तथा यहां से बड़ी संख्या में विद्यार्थी, व्यापारी और आम यात्री विभिन्न शहरों की यात्रा करते हैं। मंच ने पूर्व में संचालित इंदौर एक्सप्रेस के डोंगरगढ़ स्टॉपेज की मांग का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इस दिशा में पुनः गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। केके वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले को इंदौर से जोड़ने वाली नियमित रेल सेवा शुरू होने से विद्यार्थियों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और आम यात्रियों को बड़ा लाभ मिलेगा। रेलवे को यात्रियों की आवश्यकता और भविष्य की बढ़ती मांग को देखते हुए इस प्रस्ताव पर सकारात्मक पहल करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री चिरायु योजना ने एक मासूम बच्चे मयंक के जीवन में फिर से सुनने की खुशियां लौटाई

खामोश दुनिया में लौट आए जिंदगी के सुर

राजनांदगांव (दावा)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री चिरायु योजना ने एक मासूम बच्चे के जीवन में फिर से सुनने की खुशियां लौटाई हैं। जिले के मयंक ने करीब डेढ़ वर्ष की उम्र में अपनी सुनने की क्षमता खो दी थी। परिवार के लिए यह स्थिति बेहद कठिन थी, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की तत्परता और शासकीय योजनाओं के प्रभावी समन्वय से मयंक को उपचार की नई उम्मीद मिली।

आरबीएसके टीम ने बच्चे की स्थिति का परीक्षण करने के बाद आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की और परिवार से समन्वय करते हुए बिना समय गंवाए मयंक को देश की प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्था एम्स में उपचार के लिए रिफर किया। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में मयंक का कोक्लियर इम्प्लांट ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। ऑपरेशन के बाद वह भावुक क्षण आया, जिसका इंतजार मयंक के माता-पिता लंबे समय से कर रहे थे। जब पहली बार कोक्लियर इम्प्लांट मशीन को चालू किया गया, तो मयंक ने अपने माता-पिता की आवाज पहली बार सुनी। अपने बच्चे के चेहरे पर सुनने की प्रतिक्रिया देखकर माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे। यह भावुक पल मुख्यमंत्री चिरायु योजना की सफलता और स्वास्थ्य विभाग की तत्परता की जीवंत मिसाल बन गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऑपरेशन के बाद मयंक के स्वास्थ्य की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद उसे आगे के उपचार एवं पुनर्वास के लिए सीआरसी (क्षेत्रीय पुनर्वास केन्द्र) भेजा गया है। यहां विशेषज्ञों की देखरेख में मयंक को स्पीच एवं हियरिंग थेरेपी दी जा रही है, ताकि वह आवाजों को बेहतर ढंग से समझ सके और सामान्य बच्चों की तरह बोलना सीख सके। मयंक की कहानी यह बताती है कि समय पर पहचान, उचित मार्गदर्शन और शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किसी बच्चे के जीवन में कितना बड़ा बदलाव ला सकता है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम और मुख्यमंत्री चिरायु योजना के माध्यम से मिला उपचार मयंक के लिए केवल चिकित्सा सुविधा नहीं, बल्कि उसकी खामोश दुनिया में जिंदगी के सुरों की नई शुरूआत है।

संगीत नगरी खैरागढ़ में बनेगा भव्य जगन्नाथ मंदिर स्वरूप पंडाल, दिखेंगे मुंबई के चिंतामणि गणेश

आदर्श गणेशोत्सव समिति ठाकुर पारा की अनोखी पहल, पहली बार ऐसा भव्य आयोजन देखने क्षेत्रवासियों में उत्सुकता

खैरागढ़ (दावा)। कला एवं संगीत की नगरी खैरागढ़ में इस वर्ष गणेशोत्सव का पर्व बेहद खास और भव्य होने जा रहा है। गोल बाजार स्थित बांके बिहारी मंदिर परिसर, ठाकुर पारा में आदर्श गणेशोत्सव समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए एक अद्वितीय एवं भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है।

इस बार का मुख्य आकर्षण ओडिशा के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के स्वरूप में तैयार हो रहा पंडाल और मुंबई के प्रसिद्ध 'चिंतामणि गणेश' की विशाल प्रतिकृति होगी। खैरागढ़ क्षेत्र में पहली बार इस स्तर का भव्य एवं कलात्मक पंडाल तैयार किया जा रहा है, जिसे लेकर नगरवासियों सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में अभी से भारी उत्सुकता और उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए बंगाल व स्थानीय कारीगरों के साथ-साथ समिति के सदस्य भी दिन-रात तैयारियों में जुटे हुए हैं।

आयोजक शिवम ताम्रकार और महेश पटेल ने बताया कि इस वर्ष श्रद्धालुओं को एक ही स्थान पर आस्था, भक्ति और शिल्पकला का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। पंडाल में पारंपरिक डेकोरेशन, भव्य शिल्पकला, आकर्षक लाइटिंग और दिव्य रोशनी की विशेष व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही उत्सव के दौरान भक्ति संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन एवं प्रसादी वितरण का प्रबंध रहेगा।

समिति के सदस्यों ने समस्त खैरागढ़ क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से गणेशोत्सव के दौरान बांके बिहारी मंदिर परिसर पहुंचकर भगवान श्री गणेश एवं जगन्नाथ स्वामी का दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

स्वतंत्रता दिवस हमें स्वतंत्रता के संघर्ष और राष्ट्रनिर्माण की याद दिलाता है- शीला टाकेश सिन्हा

कहा - 15 अगस्त हर भारतीय के लिए गौरव, त्याग और नई उम्मीद का प्रतीक

राजनांदगांव (दावा)। जिला पंचायत सभापति श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 15 अगस्त भारत के इतिहास का वह गौरवपूर्ण दिन है जिसने देश को लंबे ब्रिटिश शासन से मुक्ति दिलाकर स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में नई पहचान दी। यह दिन केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं बल्कि करोड़ों भारतीयों के लिए स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि भारत का स्वतंत्रता दिवस प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त को पूरे देश में श्रद्धा, उत्साह और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाया जाता है। राष्ट्रीय दिवसों की सूची में इसका विशेष महत्व है क्योंकि यह प्रत्येक भारतीय को उस ऐतिहासिक दौर की याद दिलाता है जब देशवासियों ने लंबे समय तक चले ब्रिटिश उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष किया और स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। श्रीमती सिन्हा ने कहा कि स्वतंत्रता हमें सहज रूप से प्राप्त नहीं हुई बल्कि इसके पीछे असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष, त्याग और बलिदान जुड़ा हुआ है। महात्मा गांधी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद सहित हजारों ज्ञात-अज्ञात वीरों ने देश की आजादी के लिए कठिन संघर्ष किया। उनके त्याग और साहस के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में अपने अधिकारों और कर्तव्यों के साथ जीवन जी रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें केवल अतीत की गौरवगाथा याद कराने वाला पर्व नहीं है बल्कि यह वर्तमान में अपनी जिम्मेदारियों को समझने और देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संकल्प लेने का अवसर भी है। देश की स्वतंत्रता को मजबूत बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों के प्रति निष्ठावान रहना चाहिए। श्रीमती सिन्हा ने कहा कि आज भारत विकास के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, कृषि, स्वास्थ्य, खेल और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में देश निरंतर नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। ऐसे समय में युवाओं की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। युवाओं को देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा जब समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचे और हर नागरिक को सम्मान, अवसर और सुरक्षा मिले। हमें जाति, भाषा, क्षेत्र और अन्य भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करना होगा। श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हम सभी को अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के भारत के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, सामाजिक सद्भाव और जनसेवा जैसे कार्यों में भागीदारी कर हम राष्ट्रनिर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि 15 अगस्त को पूरे उत्साह और गरिमा के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाएं तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को बनाए रखने का संकल्प लें। यही हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने अंत में समस्त जिलेवासियों एवं प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारा तिरंगा सदैव गौरव के साथ लहराता रहे और भारत निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

गाँव के विकास के लिए पक्की सड़कें और आधारभूत संरचनाएं पहली प्राथमिकता-विक्रांत सिंह

रेंगाकठेरा में 12 लाख के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

खैरागढ़ (दावा)। रेंगाकठेरा ग्राम पंचायत में गांव के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ गया है। ग्राम पंचायत रेंगाकठेरा में कुल 12 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इसमें 10 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से बनने वाले सीसी रोड निर्माण कार्य और 2 लाख रुपये की लागत से बनने वाले मंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह विशेष रूप से उपस्थित हुए।

वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच संघ अध्यक्ष व रेंगाकठेरा के सरपंच दिलेश्वर यदु ने की। रेंगाकठेरा पहुंचने पर ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने ढोल-धमाकों के साथ मुख्य अतिथि विक्रांत सिंह का आत्मीय और जोरदार स्वागत किया। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विक्रांत सिंह ने कहा कि किसी भी गांव के विकास की पहली सीढ़ी वहां की बेहतर आवागमन व्यवस्था होती है। सीसी रोड का निर्माण होने से ग्रामीणों, महिलाओं तथा स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को कीचड़ और धूल से मुक्ति मिलेगी, जिससे उनका आवागमन सुगम और सुरक्षित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर के ग्रामीण अंचलों का तेजी से विकास हो रहा है और लगातार नए विकास कार्यों की स्वीकृतियां प्रदान की जा रही हैं। अपने संबोधन के दौरान विक्रांत सिंह ने ग्राम पंचायत रेंगाकठेरा में सरपंच दिलेश्वर यदु द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एक दूरदर्शी सरपंच ही गांव को विकास के नए आयाम तक ले जा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर आने वाले समय में गांव में नवीन भवन निर्माण के लिए शासन स्तर पर पहल करने का ठोस आश्वासन भी दिया। भूमिपूजन के इस महत्वपूर्ण अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ पंचायत प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।। कार्यक्रम में चंद्रकांत जायसवाल, सचिव जितेंद्र चंदेल, उपसरपंच चंद्रप्रकाश चंदेल, पंचम वर्मा, गोवर्धन वर्मा, रामबाई वर्मा, रानी वर्मा, नेहा वर्मा, लोकेश्वर वर्मा, महेश वर्मा, सूरजबाई विश्वकर्मा, संतोषी टंडन, सुनीता आडिल, दुलेश्वर वर्मा, राकेश गुप्ता, परमानंद विश्वकर्मा, राजकुमार वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

हरेली मिलन : पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास में शामिल हुए विधायक भोलाराम साहू

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक एवं लोकपर्व हरेली के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के रायपुर स्थित निवास पर हरेली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के विधायक भोलाराम साहू शामिल हुए। इस दौरान छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, कृषि परंपरा और ग्रामीण जीवन की रंगीन झलक देखने को मिली।

विधायक भोलाराम साहू ने कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कांग्रेसजनों से आत्मीय मुलाकात की तथा सभी को हरेली पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति और किसान जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।

इस अवसर पर डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता बघेल, धमतरी विधायक ओमकार साहू, सरायपाली विधायक चातुरीनंद तथा संजारी बालोद विधायक संगीता सिन्हा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पारंपरिक रूप से कृषि औजारों की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली, किसानों की समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की गई। वक्ताओं ने कहा कि हरेली पर्व छत्तीसगढ़ की माटी, कृषि संस्कृति और किसान जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह पर्व हमारी लोक परंपराओं को सहेजने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और विरासत से जोड़ने का संदेश देता है। हरेली मिलन के दौरान उपस्थित लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। पूरे आयोजन में छत्तीसगढ़ी संस्कृति, आपसी भाईचारे और लोक परंपराओं की जीवंत झलक देखने को मिली।

'हरेली' अच्छी फसल की कामना से मनाए जाने वाला लोक पर्व है-मधुसूदन यादव

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ साहित्य सृजन समिति द्वारा छत्तीसगढ़ी संस्कृति का प्रथम लोक पर्व हरेली छत्तीसगढ़ महतारी की पूजन-अर्चन कर मनाया गया।

नगर निगम परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव ने छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा नीम पत्तियों के हार व गुरहा चीला चढ़ाकर की और सबको छत्तीसगढ़ के प्रथम लोक पर्व हरेली की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों द्वारा अपने धान फसल की बेहतरी के लिए मनाया जाने वाला यह पर्व हमें पर्यावरण जागरण का संदेश आदि काल से देते आया है।

इस दिन किसान अपने कृषि औजारों की पूजन तो करते हैं साथ ही कृषि कार्यों में साथ देने वाले गो-धन के प्रति सजग रहते हुए उन्हें अंडा के पान में लोंदी खिलाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश वैष्णव समाज के प्रांताध्यक्ष दाऊ सुरेंद्र वैष्णव ने छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा कर कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ अंचल धान का कटोरा कहलाता है। यह धान का कटोरा हरदम भरा रहे इसलिए यहां कि किसान मजदूर सौजिया चरवाहा सभी खुशी-खुशी हरेली का त्योहार मनाते हैं।

जन-गण-मन एवं वंदे मातरम की गूंज

इस दौरान छत्तीसगढ़ महतारी प्रतिमा में तिरंगा चढ़ाकर उपस्थितो द्वारा दौरान राष्ट्र गीत जन-गण-मन व 'वंदे मातरम' का गान किया गया जिससे हरेली पर्व की खुशियों के साथ देश भक्ति की भावना गूंज उठी। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी महिला श्रीमती शारदा तिवारी, साधना तिवारी, डॉ.चेतन साहू,नगर निगम सभापति पारस वर्मा, आयुक्त जी आर मरकाम,चेयर मेन राजा माखीजा,आलोक श्रोती, वरिष्ठ पार्षद शिव वर्मा, सुश्री मणि भास्कर गुप्ता ,मनोहर यादव का स्वागत साहित्य समिति द्वारा नीम पत्तियों के हार से किया गया। इस अनोखे स्वागत से अभिभूत वरिष्ठ समाजसेवी शारदा तिवारी ने कहा कि हरेली तिहार हरियर-फरियर रहने का त्योहार है। इस दिन राउत बंधु लोगों के घरों में जाकर उनके सुखी जीवन व उन्हें बूरी बलाओं से बचाने नीम पत्तियां खोंसते है, और दान-दक्षिणा पाते हैं।

साहित्य समिति ने छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर, मनाया हरेली, वंदे मातरम की गान से देश भक्ति का हुआ संचार

हरेली पर्व के उपलक्ष्य में निगम परिसर में डॉ. चेतन साहू के हाथों पारस पीपल व कचनार पौध का रोपण किया गया। उन्होंने नीम के औषधीय गुण के संबंध में बताया कि हमारे पुराने लोग काफी अनुभवी थे जो नीम के गुणों के बारे में जानते थे और इसे बैक्टीरिया नाशक मानते हुए इसका उपयोग करते थे। उन्होंने बताया कि बारिश के दिनों में वितरण करने वाले सूक्ष्म जीवाणु इसके संपर्क में आ कर नष्ट हो जाते हैं। एंटी ऑक्सीडेंट एंटी बैक्टेरियल प्रापर्टी नीम स्कीन के लिए व डायबेटिक के लिए भी काफी फायदेमंद है। स्वदेशी जागरण मंच की साधना तिवारी ने बताया कि नीम पत्तियों के सेवन से न केवल खाज-खूजली दूर हो जाती है इन वायरल मेंट को दूषित होने से रोकता है।

हरेली पर्व के उपलक्ष्य में साहित्य समिति द्वारा साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें हरेली त्योहार की विशेषता बताते हैं समिति के अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा 'अकाट्य' ने कहा कि हरेली का त्योहार धरती को हरा-भरा रखने के लिए आदि काल से सीख देते आया है। उन्होंने हरेली पर्व पर नीम पत्तियों के औषधीय उपयोग के संदर्भ में कहा कि जब से वे नीम पत्तियों का हार पहन कर बैठे हुए थे अभी तक कोई घुनघुटी मच्छर उसके पास नहीं फटका।

समिति के संरक्षक व छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के जिला समन्वयक आत्माराम कोशा 'अमात्य' ने कहा कि हरेली त्योहार प्रकारांतर से भगवान शनि जयंती का पर्व है। हमारे कोई भी पर्व एकांगी नहीं होते। किसान इस दिन जो लोहा लगे कृषि उपकरणों को पूजा करते हैं उसमें शनि देवता का वास होता है। यही वजह है कि किसान भाई, हल, रापा कुदाली, लोहार बंधु घन, हथौड़े, निहाई, बढई जन अपने आरी बसुला पटासी को पूजते हैं और उसमें लोह तत्व वाले गुरहा चीला चढ़ाकर भगवान से अच्छी फसलों व अपने घर परिवार की खुशहाली का प्रार्थना करते हैं। कथाकार मानसिंह ''मौलिक'' ने हरेली को पर्यावरण संरक्षण का पर्व बताया वहीं पप्पू पौर्वात्य'' कलिहारी ने छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति को रागात्मकता देने वाला तथा राकेश इंदु भूषण ठाकुर ने हरेली को प्रकृति के विविध रुपो में आने वाला हरीतिमा का पर्व बताया।

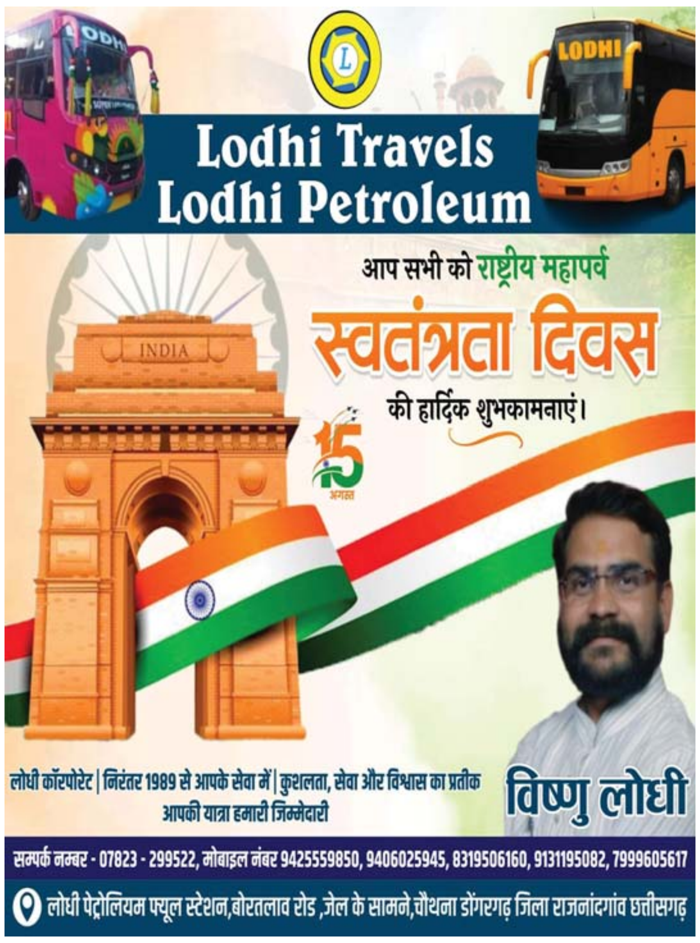
Lodhi Travels
Lodhi Petroleum
आप सभी को राष्ट्रीय महापर्व
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं।
लोधी कॉरपोरेट | निरंतर 1989 से आपके सेवा में | कुशलता, सेवा और विश्वास का प्रतीक
आपकी यात्रा हमारी जिम्मेदारी
विष्णु लोधी
सम्पर्क नम्बर - 07823 - 299522, मोबाइल नंबर 9425559850, 9406025945, 8319506160, 9131195082, 7999605617
लोधी पेट्रोलियम फ्यूल स्टेशन,बोरतलाव रोड ,जेल के सामने,चौथना डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस
की समस्त नागरिकों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
रमन डोंगरे
अध्यक्ष,
नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़
शुभेच्छु - एक शुभचिंतक डोंगरगढ़

स्वतंत्रता दिवस
की समस्त नागरिकों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
देवेन्द्र साहू
अध्यक्ष, नगर पंचायत,
लाल बहादुर नगर
शुभेच्छु - एक शुभचिंतक डोंगरगढ़

स्वतंत्रता दिवस
की समस्त जिलेवासियों को बधाई...
व हार्दिक शुभकामनाएं...
योगेशदत्त मिश्रा
अध्यक्ष- श्रम कल्याण मंडल, छ.ग.

समस्त क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
जिसका ताज हिमालय है, जहाँ बहती अविरत गंगा,
जहाँ अनेकता में एकता है, "सत्यमेव जयते" है जहां का नारा
ऐसा है प्यारा, सुंदर-सलौना भारत देश हमारा ।।
श्रीमती प्रियंका ताम्रकार
अध्यक्ष, जिला पंचायत केसीजी
खम्मन ताम्रकार
सांसद प्रतिनिधि एवं समाजसेवी केसीजी
विनित :- समस्त क्षेत्रवासी जिला पंचायत खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.)

15 August
हम कदक को मजबूत बनाएँगे।
हम देश का मना बढ़ाएँगे।।
भारत माता की सेवा में हम,
जीवन अपना सफल बनाएँगे।।
समस्त
जिलेवासियों को
स्वतंत्रता
दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
श्रीमती यशोदा वर्मा
विधायक, खैरागढ़
निलाम्बर वर्मा
सदस्य, प्रदेश कांग्रेस कमेटी (छ.ग.)
विनित :- समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता विधानसभा क्षेत्र खैरागढ़

जीवन दीप
समिति के सदस्यों की ओर से
आप सभी प्रदेशवासीयों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
गौतम पारख
सदस्य
राजेश श्यामकर
सदस्य
संदीप भट्टाचार्य
सदस्य
भागचंद गिड़िया
सदस्य
डॉ. अरविंद सिन्हा
सदस्य
गुरूमुख दास वाधवा
सदस्य
आनंद साहू
सदस्य
कांति कुमार फुले
सदस्य
हरीश शर्मा जी
विनीत - जीवन दीप समिति जिला अस्पताल, राजनांदगांव (छ.ग.)

स्वतंत्रता दिवस
की समस्त नागरिकों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
दिलीप वर्मा
अध्यक्ष, जिला भाजपा
मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी

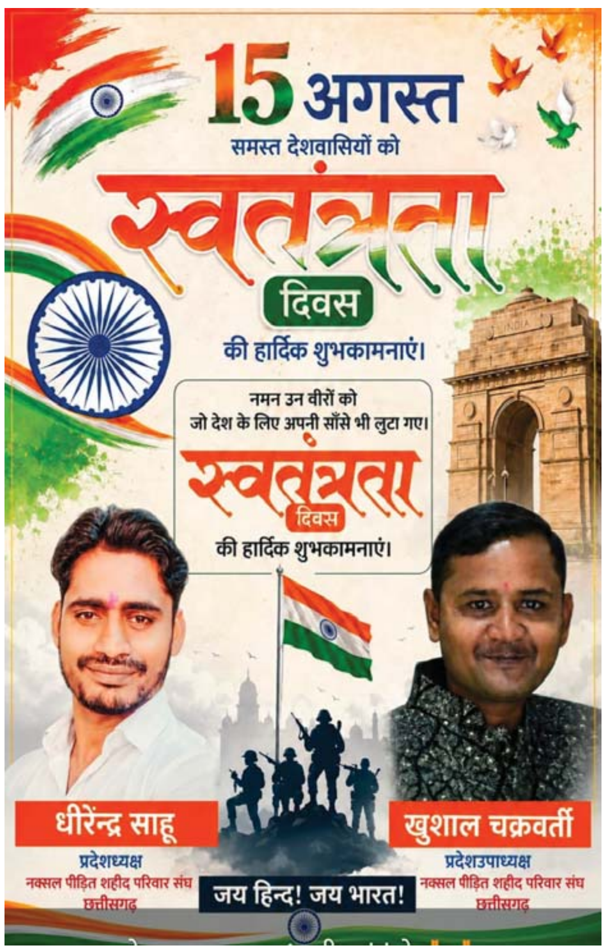
15 अगस्त
समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता
दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं।
नमन उन वीरों को
जो देश के लिए अपनी साँसे भी लुटा गए।
स्वतंत्रता
दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं।
धीरेंन्द्र साहू
प्रदेशध्यक्ष
नक्सल पीड़ित शहीद परिवार संघ
छत्तीसगढ़
जय हिन्द! जय भारत!
खुशाल चक्रवर्ती
प्रदेशउपाध्यक्ष
नक्सल पीड़ित शहीद परिवार संघ
छत्तीसगढ़

छुईखदान में अपराधों का बढ़ता ग्राफ : लाखों की चोरी, चाकूबाजी और नशे के कारोबार से दहशत, पुलिस गश्त पर उठे सवाल

- मुख्य बाजार में व्यापारी शांतिलाल सांखला की दुकान का शटर उठाकर 25 किलो चांदी व सोने की चोरी, सीसीटीवी में दिखे तीन संदिग्ध
- बाजार लाइन में पहले भी हो चुकी हैं 3-4 वारदातें, व्यापारियों में आक्रोश व असुरक्षा का माहौल
- 15 अगस्त के बाद नशे और चाकूबाजी के खिलाफ चलेगा विशेष अभियान - एएसपी रूपेश डांडे

छुईखदान (दावा)। नगर में लगातार सामने आ रही चोरी, चाकूबाजी, नशे के अवैध कारोबार और असामाजिक गतिविधियों ने पुलिस की रात्रिकालीन गश्त एवं कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नगर के हृदयस्थल कहे जाने वाले बाजार लाइन में प्रतिष्ठित व्यापारी शांतिलाल सांखला की दुकान का शटर उठाकर लाखों रुपये के जेवरात पार कर दिए गए। इस बड़ी वारदात के बाद स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों में भारी आक्रोश व असुरक्षा की भावना व्याप्त है।

शटर उठाकर वारदात को अंजाम, सीसीटीवी में 3 संदिग्ध कैद

शांतिलाल सांखला की दुकान नगर के मुख्य बाजार में स्थित है। बेखौफ अज्ञात चोरों ने दुकान का शटर उठाकर भीतर प्रवेश किया। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर तीन संदिग्ध दुकान के आसपास और भीतर जाते दिखाई दे रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, दुकान से लगभग 25 किलोग्राम चांदी और 35 से 40 ग्राम सोना चोरी हुआ है, जिसकी बाजार कीमत लाखों में आंकी जा रही है। वास्तविक नुकसान का आकलन पुलिस जांच और माल की शुद्धता के आधार पर किया जा रहा है।

व्यापारियों ने व्यवस्था पर जताई गहरी चिंता

अनु महोबिया (मेडिकल व्यापारी) - नगर में पुलिस की नियमित पेट्रोलिंग नहीं होने से अपराध बढ़ रहे हैं। कम उम्र के किशोरों से लेकर युवा तक नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। पुलिस को इस दिशा में ठोस व सख्त कदम उठाने होंगे।

शैलेश जैन (कपड़ा व्यापारी)- बाजार लाइन जैसे व्यस्ततम इलाके में यदि ऐसी वारदात हो सकती है, तो सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति स्पष्ट है। नगर में बाहर से आने वाले संदिग्धों का तत्काल पुलिस सत्यापन किया जाना अनिवार्य है।

लॉकर को नहीं लगाया हाथ, खंगाला अन्य सामान

जांच में एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि चोरों ने दुकान के मुख्य लॉकर से कोई छेड़छाड़ नहीं की। दुकान में बाहर रखे सामान को खंगालकर कीमती जेवरातों पर हाथ साफ किया गया, जबकि लॉकर पूरी तरह सुरक्षित पाया गया। पुलिस इस बिंदु को भी जांच के दायरे में रखकर सुराग तलाश रही है।

गांजे का अवैध कारोबार और चाकूबाजी से दहशत

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नगर में गांजा तस्करी तेजी से पैर पसार रही है और तस्कर कार्रवाई से बचने के लिए नाबालिग बच्चों का सहारा ले रहे हैं। इसके अलावा, श्रीराम-खैरागढ़ मार्ग पर हाल ही में हुई चाकूबाजी जैसी घटनाओं और देशी-विदेशी शराब दुकानों के आसपास असामाजिक तत्वों के जमावड़े ने आमजन की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।

'सीसीटीवी में दिख रहे संदिग्धों की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है और जांच तेजी से जारी है। गांजे के अवैध कारोबार पर लगातार कार्रवाई और बाहरी लोगों का सत्यापन किया जा रहा है। नया जिला होने के कारण कुछ स्टाफ की कमी जरूर है, किंतु 15 अगस्त के बाद नशे और चाकूबाजी के खिलाफ नगर में सघन अभियान चलाया जाएगा।'

- रूपेश डांडे (एएसपी)

दिल्ली विधानसभा में २२ हजार करोड़ के कांड पर घमासान

8 विधायकों को बलपूर्वक गृह से बाहर किया गया

नई दिल्ली। दिल्ली की विधानसभा में कथित राशन घोटाला के मुद्दे पर सत्तासीन भाजपा और मुख्य विपक्ष ''आम आदमी पार्टी'' के बीच भारी विवाद हुआ। आप के विधायकों ने सब्सिडी वाले चावल की खरीदी और वितरण में हुए गड़बड़ बाबत तत्काल चर्चा करने की मांग की थी। अपनी मांग बाबत वे आवेश में आ गए थे। विवाद इतना बढ़ गया था कि विधानसभा अध्यक्ष के आदेश के बाद ''आप'' के आठ विधायकों को मार्शल के द्वारा गृह में से बाहर कर दिया गया था।

विधानसभा की कार्यवाही के दौरान आप विधायकों ने कथित राशन काण्ड का मुद्दा उठाकर सरकार के पास से जवाब मांगा था। विपक्ष का हंगामा बढ़ते ही विधानसभा अध्यक्ष ने उनके व्यवहार को अनुचित बताया था। उन्होने स्पष्ट किया कि गृह में ऐसा आचरण बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उसके बाद, आठ विधायकों को मार्शल आउट किया गया। दूसरी ओर, मंत्री मनजिन्दर सिंह सिरसा ने इस आरोप को खारिज करते हुवे आप विधायक कुलदीप कुमार पर गृह में चावल फेंक कर गृह का अपमान करने का आरोप लगाया था।

आम आदमी पार्टी की दिल्ली EUNITSF के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि असम की एक कम्पनी और दिल्ली सरकार के द्वारा भारतीय खाद्य निगम के पास से प्रत्येक सप्ताह 31 हजार मीट्रिक टन सब्सिडी वाले चावल की मांग करने में आयी थी। उनका आरोप है कि गरीबों के लिए ये चावल हरियाणा की एक निजी कम्पनी को मुनाफे पर बेचने की योजना थी। आप का दावा है कि इससे प्रत्येक सप्ताह 143 करोड़ और तीन साल में औसतन 22 हजार करोड़ रूपए का काण्ड हो गया होता। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष को गृह में इस महत्व के मुद्दे पर चर्चा नहीं करने देती। उन्होने प्रश्न उठाया कि गरीबों के नाम पर इतनी बड़ी मात्रा में चावल की मांग किसलिए की गई थी? उन्होने मंत्री प्रवेश वर्मा के कथित निर्देश के सामने भी आपत्ति उठायी थी और उसे विधानसभा में विशिष्ट अधिकारों का उल्लंघन बताया था।

डोंगरगढ़ पुलिस की मानवीय पहल से सामाजिक बहिष्कार खत्म, परिवार को फिर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा

डोंगरगढ़ (दावा)। सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारा बनाए रखने की दिशा में डोंगरगढ़ प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने मानवीय पहल करते हुए ग्राम छिपा में करीब सात वर्षों से सामाजिक बहिष्कार झेल रहे गोपीराम वर्मा एवं उनके परिवार को पुनः समाज की मुख्यधारा में शामिल कराया। मामले की जानकारी मिलने के बाद तहसीलदार चिराग रामटेके एवं थाना प्रभारी प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक सुमन जायसवाल के नेतृत्व में प्रशासन एवं पुलिस की टीम ग्राम छिपा पहुंची। टीम ने संबंधित पक्षों एवं समाज के लोगों से चर्चा कर लंबे समय से चले आ रहे आपसी मतभेद एवं विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया।

समझाइश एवं आपसी सहमति के बाद गोपीराम वर्मा और उनके परिवार को पुनः समाज में शामिल कराया गया। इस दौरान ग्रामीणों एवं समाज के लोगों को सामाजिक एकता, भाईचारा एवं सद्भाव बनाए रखने की समझाइश दी गई। साथ ही भविष्य में किसी भी विवाद को आपसी चर्चा और प्रशासन के सहयोग से शांतिपूर्ण तरीके से हल करने की अपील की गई। डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा जनता और पुलिस के बीच विश्वास एवं समन्वय मजबूत करने के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस की इस पहल को ग्रामीणों एवं समाज के लोगों ने सराहनीय बताते हुए सामाजिक एकता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कॉन्फ्लुएंस कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया हरेली पर्व

कृषि उपकरणों की पूजा-अर्चना के साथ पारंपरिक खेलों में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

राजनांदगांव (दावा)। कॉन्फ्लुएंस कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन के बेस्ट प्रैक्टिस और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में हरेली पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया, जिसकी शुरुआत पारंपरिक पूजा-अर्चना एवं कृषि उपकरणों की विधिवत पूजा से हुई। छात्र-छात्राओं ने लोकगीतों और नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीण जीवन की झलक प्रस्तुत की गई एवं विभिन्न प्रतियोगिता जैसे हरियर द्वार प्रतियोगिता, जुड़ा प्रतियोगिता, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता, फुगडी आदि प्रतियोगिता का आयोगन किया गया। प्राचार्य डॉ. रचना पांडेय ने कहा कि हरेली पर्व छत्तीसगढ़ की कृषि प्रधान संस्कृति का प्रतीक है, जो हमें प्रकृति और परंपरा से जोड़ता है। निर्देशक डॉ. मनीष जैन ने इसे कृषि और पर्यावरण के महत्व की याद दिलाने वाला पर्व बताया, वहीं संजय अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। आशीष अग्रवाल ने इसे परंपरा और आधुनिक शिक्षा के बीच सेतु बताते हुए विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति पर गर्व करने का संदेश दिया। संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी से हरेली पर्व का यह आयोजन कॉलेज परिसर में सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन गया।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु द्वितीय काउंसलिंग 16 से 20 अगस्त तक

राजनांदगांव (दावा)। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत वर्ष 2026-27 में प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए द्वितीय काउंसलिंग 16 अगस्त से 20 अगस्त 2026 तक सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक प्रयास आवासीय विद्यालयों में आयोजित किया गया है। द्वितीय काउंसलिंग हेतु विद्यार्थियों की सूची, तिथि एवं काउसलिंग सूची में दर्शित आबंटित प्रयास आवासीय विद्यालयों की जानकारी वेबसाईट https://eklavya.cg.nic.in से प्राप्त की जा सकती है। विद्यार्थियों को अनिवार्य एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ काउंसलिंग तिथि को निर्धारित स्थल में उपस्थित होने कहा गया है। जिसमें कक्षा 8वीं में प्रथम श्रेणी (60प्रतिशत) उत्तीर्ण अंक सूची, प्रधानपाठक या प्राचार्य द्वारा जारी कक्षा 8वीं में अध्ययनरत होने का सत्यापन प्रमाण पत्र, पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी नक्सल पीड़ित प्रमाण पत्र, 10 रूपए के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर अल्पसंख्यक वर्ग अन्तर्गत होने संबंधी नोटरी का सत्यापन प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, विशेष पिछड़ी जनजाति प्रमाण पत्र तथा विशेष श्रेणी से चयनित विद्यार्थियों को कांउसलिंग की तिथि को दिव्यांगता, दिव्यांग माता-पिता के बच्चे होने, अनाथ बच्चे होने, विधवा माता के बच्चे होने, परित्यक्ता महिला के बच्चे होने, देश की रक्षा करते हुए या अपने कर्तव्य निर्वहन करते समय पुलिस, अर्द्धसैनिक, सशस्त्र बल, शहीद सैनिक के बच्चे होने का प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है। काउंसलिंग पश्चात संबंधित प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश की पात्रता होने पर 2 दिवस के भीतर अनिवार्यत जिला शिक्षा अधिकारी से काउन्टर हस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण पत्र एवं जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकलसेल जांच प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

मैथिल क्षत्रिय समाज की वार्षिक बैठक संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। मैथिल क्षत्रिय समाज की वार्षिक बैठक का आयोजन चिखली स्थित सामाजिक भवन में समाज जनों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बीते दिनों दिवंगत हुए समाज के सामाजिक बंधुओं को श्रद्धा सुमन अर्पित कर एवं उनकी आत्मा की शांति के लिए मौन रखकर की गई। बैठक में समाज की आगामी गतिविधियों एवं आने वाले समय में आयोजित होने वाली महासभा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

महासभा के आयोजन, तैयारियों तथा समाज की विभिन्न गतिविधियों को लेकर पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने सुझाव रखे। समाज में आपसी एकता, सहयोग एवं सामाजिक सहभागिता को और मजबूत करने पर भी विशेष जोर दिया गया। इसी अवसर पर समाजबंधुओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपस्थित सदस्यों ने पौधे रोपित कर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से दिलेश्वर सिंह, तोरण सिंह चंदेल, नंद कुमार कश्यप, मिलन सिंह, विजय सिंह, राजेश तोमर, यशवंत सेंगर, दुर्गेश तोमर, संजय सिंह, सुरेश देवराज, शैलेश सिंह तोमर, राजकुमार नागवंशी, भार्गव गर्ग, चंद्रकांत कौमार्य, पूनम ठाकुर, नंदनी सेंगर, अंजलि नागवंशी, सोनी देवराज, सावित्री कौमार्य, चांदनी गर्ग सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी राजनांदगांव क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी सुरेश देवराज ने दी।

किसानों के मानसिक स्वास्थ्य पर शोध के लिए डॉ. अर्चना पाण्डेय को पीएचडी

राजनांदगांव (दावा)। मनोविज्ञान के क्षेत्र में शोध कार्य के लिए डॉ. अर्चना पाण्डेय को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की ओर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने किसानों में अवसाद और उससे जुड़े मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर शोध किया है।

डॉ. पाण्डेय ने 'कॉपिंग स्ट्रेटीजियस, वेवल ऑफ एसपीरेसन्स एंड पर्सनाल्टी ट्रेट्रस इन डिटरमाईनिंग डीप्रीसियन अमंग फार्मस' विषय पर अपना शोध कार्य पूरा किया। उनके शोध निर्देशक डॉ. बसंत कुमार सोनबर रहे।

किसानों में अवसाद के कारणों का किया अध्ययन

शोध में किसानों में अवसाद के स्तर के साथ ही उससे जुड़े 'कॉपिंग स्ट्रेटीजियस, वेवल ऑफ एसपीरेसन्स' और 'पर्सनाल्टी ट्रेट्रस' जैसे मनोवैज्ञानिक कारकों का अध्ययन किया गया। शोध का उद्देश्य किसानों के मानसिक स्वास्थ्य को समझना तथा अवसाद की रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए प्रभावी मनोवैज्ञानिक उपायों की दिशा में आधार उपलब्ध कराना रहा।

महाविद्यालय परिवार ने दी बधाई

डॉ. अर्चना पाण्डेय की इस उपलब्धि पर उनके पति संजय पाण्डेय, बच्चों संपदा एवं सौजन्य सहित परिवारजनों ने बधाई दी। संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ठाकुरटोला के डायरेक्टर, प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. गुरप्रीत कौर एवं समस्त स्टाफ ने भी उन्हें पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने पर शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा एवं मनोविज्ञान के क्षेत्र में निरंतर सफलता की शुभकामनाएं दीं।

सांकरा में आज से श्रीमद भागवत

0 वृंदावन के बाल व्यास धीरेंद्र जी महराज सुनाएंगे कथा

राजनांदगांव (दावा)। खैरागढ़ के समीपस्थ ग्राम सांकरा (पाण्डादाह) में आज से श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया गया है। वृंदावन के सुप्रसिद्ध कथा वाचक 14 वर्षीय धीरेंद्र जी महराज बृजवासी व्यास पीठ से श्रद्धालुओं को श्रीमदभागवत कथा का रसपान कराएंगे। श्रीमद्भागवत कथा में आज 15 अगस्त से 21 अगस्त तक दोपहर 2.00 बजे से वृंदावन धाम से पधारे 14 वर्षीय बाल व्यास धीरेन्द्र जी महाराज बृजवासी अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति, धर्म और सनातन संस्कृति से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा। यह कथा ग्राम सांकरा निवासी मदन सिंह ठाकुर, हीरा सिंह ठाकुर एवं नीरज सिंह ठाकुर की माता स्व. श्रीमती सुखी बाई ठाकुर (धर्मपत्नी स्व. उत्तम सिंह ठाकुर) की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया गया है। आज शोभायात्रा के साथ श्रीमद भागवत का महात्म्य बताया जाएगा। 22 अगस्त को हवन एवं पूर्णाहुति के साथ कथा का समापन होगा। आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से इस पावन कथा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण करने तथा पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

श्रावण सोमवार एवं नागपंचमी पर महाकाल मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

राजनांदगांव (दावा)। भस्म आरती एवं श्रृंगार आरती के साथ होगी बाबा नागचंद्रेश्वर की विशेष पूजा राजनांदगांव। श्रावण मास के पावन अवसर पर 17 अगस्त, सोमवार को नागपंचमी एवं श्रावण सोमवार के विशेष संयोग पर महाकाल मंदिर, सिंघोला में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। आयोजन के तहत प्रातः 2:30 बजे भस्म आरती एवं 4:30 बजे श्रृंगार आरती होगी, जिसमें श्रद्धालु बाबा महाकाल के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर सकेंगे। वहीं नागपंचमी के पावन पर्व पर बाबा नागचंद्रेश्वर जी की विशेष पूजा-अर्चना भी विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ की जाएगी। श्रावण सोमवार और नागपंचमी का यह विशेष संयोग धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को बाबा महाकाल एवं बाबा नागचंद्रेश्वर जी के दर्शन-पूजन का विशेष लाभ प्राप्त होगा। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुचारु दर्शन व्यवस्था के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। महाकाल मंदिर समिति के पवन डागा एवं महाकाल सेना ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पावन अवसर का लाभ लेने की अपील की है।

रॉयल किड्स कान्वेंट छुरिया में श्रद्धा स्मृति और संकल्प के साथ मनाई गई पूज्य पापा जी स्वर्गीय राजकुमार लाल शंकर बहादुर सिंह की जयंती

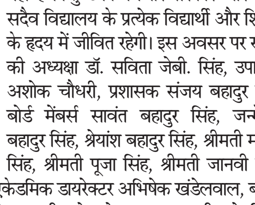

छुरिया (दावा)। स्थानीय रॉयल किड्स कान्वेंट छुरिया में आज संस्था के आशीर्वादक पापा जी स्वर्गीय राजकुमार लाल शंकर बहादुर सिंह की जयंती अत्यंत श्रद्धा एवं भावपूर्ण वातावरण में गरिमामय ढंग से मनाई गई। सर्वप्रथम आज प्रार्थना सभा में 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तत्पश्चात संस्था के प्राचार्य श्री गोपाल साहू एवं संस्था की प्रधान पाठिका श्रीमती शारदा सिंह गौर, शिक्षक-शिक्षिकाओं, एवं विद्यार्थियों के द्वारा उनके तैल्यचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा सुमन समर्पित की गई। इस अवसर पर संस्था के प्रशासक संजय बहादुर सिंह ने भी अपने संदेश में कहा कि पापा जी केवल इस संस्था के संस्थापक नहीं बल्कि हमारे संस्कारों और मूल्यों के आधार स्तंभ थे उनका अनुशासन जीवन और समय के प्रति सम्मान आज भी हम सभी को सही दिशा देता है। संस्था के डायरेक्टर जन्मेजय बहादुर सिंह ने भी अपने संदेश में कहा कि पापा जी का प्रत्येक सपना बच्चों के उज्जवल भविष्य से जुड़ा था उनके आदर्श उनकी दूर दृष्टि और शिक्षा के प्रति समर्पण सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

संस्था के प्राचार्य गोपाल साहू एवं प्रधान पाठिका श्रीमती शारदा सिंह गौर ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि समय की पाबंदी पापा जी के व्यक्तित्व की सबसे सुंदर पहचान थी वह मानते थे कि समय का सम्मान ही सफ्लता का प्रथम सोपान है आज भले ही पापा जी हमारे बीच शारीरिक रूप से नहीं है किंतु उनके विचार संस्कार और प्रेरणा सदैव विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी और शिक्षक के हृदय में जीवित रहेगी। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा डॉ. सविता जेबी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह, बोर्ड मेंबर्स सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, श्रीमती मनीषा सिंह, श्रीमती पूजा सिंह, श्रीमती जानवी सिंह, श्रीमती इला सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल, बरसर डॉक्टर आई.के. वैष्णव की ओर से पूज्य पापा जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा गया कि आपके द्वारा बताए गए शिक्षा अनुशासन और संस्कार के बीच आज विशाल वट वृक्ष बन चुके हैं आपका आशीर्वाद और आदर्श सदैव हमारी संस्था का पद आलोकित करते रहेंगे। कार्यक्रम का समापन सभी विद्यार्थियों द्वारा उनके आदर्शों पर चलने तथा समय का सम्मान करते हुए अनुशासित एवं कर्मनिष्ठ जीवन जीने के संकल्प के साथ हुआ।

80वें स्वतंत्रता दिवस एवं मधुसूदन यादव के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का भव्य आयोजन

डोंगरगढ़ (दावा)। देश की 80वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ 15 अगस्त एवं राजनांदगांव नगर निगम के महापौर व पूर्व सांसद मधुसूदन यादव के जन्मदिन के पावन अवसर पर छात्र युवा मंच, ग्राम पंचायत खुर्शीपार एवं समस्त ग्रामवासी विष्णुपुर के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

रक्तदान शिविर के आयोजकों का उद्देश्य इस शिविर के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के गौरव को सामाजिक सेवा से जोड़ना और राजनांदगांव महापौर श्री यादव के जन्मदिन को जनसेवा के रूप में मनाना है। रक्तदान जैसे पुण्य कार्य से जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिलेगा और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।ग्राम पंचायत खुर्शीपार के युवा उप सरपंच भागवत वर्मा ने ग्रामवासियों एवं क्षेत्र के युवाओं से अपील कि है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस रक्तदान शिविर को सफल बनाएं और मानवता की सेवा में अपना योगदान दें।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

राष्ट्रपति मुर्मू का देश के नाम संदेश....

0 सिंधु जल संधि रोकना राष्ट्रीय हित में सही कदमः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि न्याय व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि पैसे या संसाधनों की कमी के कारण किसी को न्याय से वंचित न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में है। खासकर किसानों के लिए यह एक बड़ा और निर्णायक कदम है।

0 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर, 80 करोड़ को मुफ्त राशनः राष्ट्रपति ने कहा कि देश में 25 करोड़ से ज्यादा लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में सफलता मिली है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत करीब 59 करोड़ लोग बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ चुके हैं। इनमें 32 करोड़ से ज्यादा महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि 80 करोड़ लोगों के लिए मुफ्त राशन की व्यवस्था की गई है। इससे उनकी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 60 करोड़ लोगों को हर साल पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है।

0 मराठा किलों के बाद सारनाथ को यूनेस्को की मान्यता-राष्ट्रपतिः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह भी कहा कि पिछले साल मराठा सैन्य परंपरा से जुड़े 12 किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था। इस साल भगवान बुद्ध के पहले उपदेश स्थल सारनाथ को भी यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में जगह मिली है।

0 राष्ट्रपति जी के संबोधन पर प्रधानमंत्री का संदेशः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण की सराहना करते हुए कहा, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बहुत ही विचारशील और प्रेरक संबोधन दिया है। इसमें उन्होंने हमारे राष्ट्र की सामूहिक प्रगति और भविष्य के अवसरों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला है। उन्होंने हमें उन बलिदानों की याद दिलाई जिनसे देश की आजादी का मार्ग प्रशस्त हुआ, और प्रत्येक नागरिक से राष्ट्र-निर्माण में बढ़-चढ़कर योगदान देने का आह्वान किया है।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर....

गृह मंत्रालय, बलविंदर सिंह, एसजी कांस्टेबल (मरणोपरांत)- गृह मंत्रालय, तारिक हुसैन, एसजी कांस्टेबल (मरणोपरांत)-गृह मंत्रालय, बशीर अहमद, हेड कांस्टेबल (मरणोपरांत)- गृह मंत्रालय, सुनील कुमार, इंस्पेक्टर एसटीएफ (मरणोपरांत)- गृह मंत्रालय।

अमित शाह पर बयान देकर फिर.....

0 भाजपा सांसदों ने की शिकायत : जायसवाल ने अपने नोटिस में कहा, संसदीय लोकतंत्र में सरकारी नीति की कड़ी आलोचना एक वैध और आवश्यक विशेषता है, लेकिन सदन की कार्यवाही के दौरान व्यक्तिगत हमले और अपमानजनक, मानहानि करने वाली या असंसदीय भाषा के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने आग्रह किया कि अगर कोई भी अभिव्यक्ति असंसदीय, अपमानजनक या सदन के नियमों और परंपराओं का उल्लंघन करने वाली पाई जाए तो उसे नियम 380 के तहत कार्यवाही से हटा दिया जाए। जायसवाल ने यह भी मांग की है कि अध्यक्ष द्वारा राहुल गांधी को एक सांसद के रूप में अपेक्षित गरिमा, संयम और शिष्टाचार को बनाए रखने को लेकर आगाह किया जाना चाहिए।

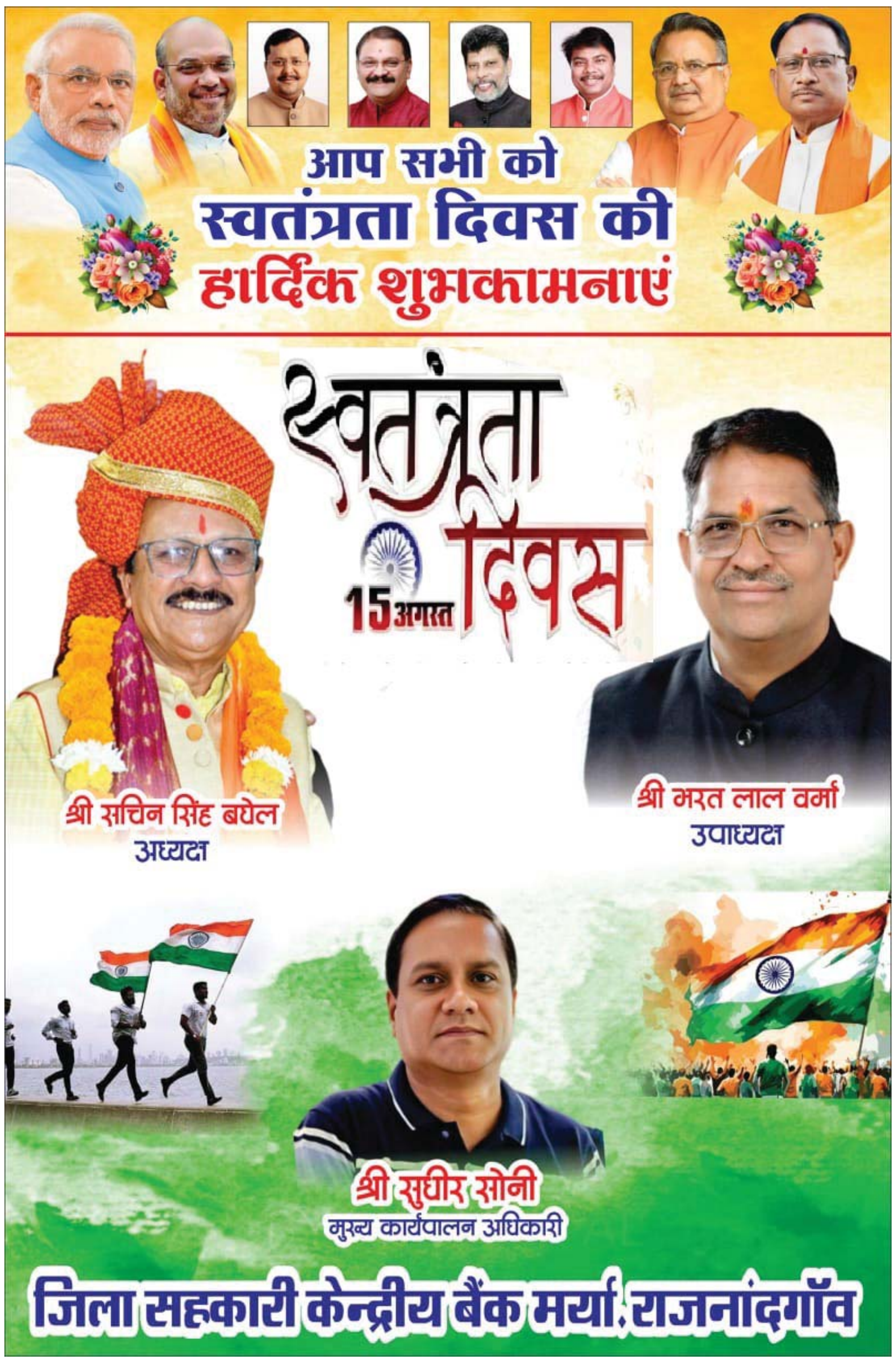

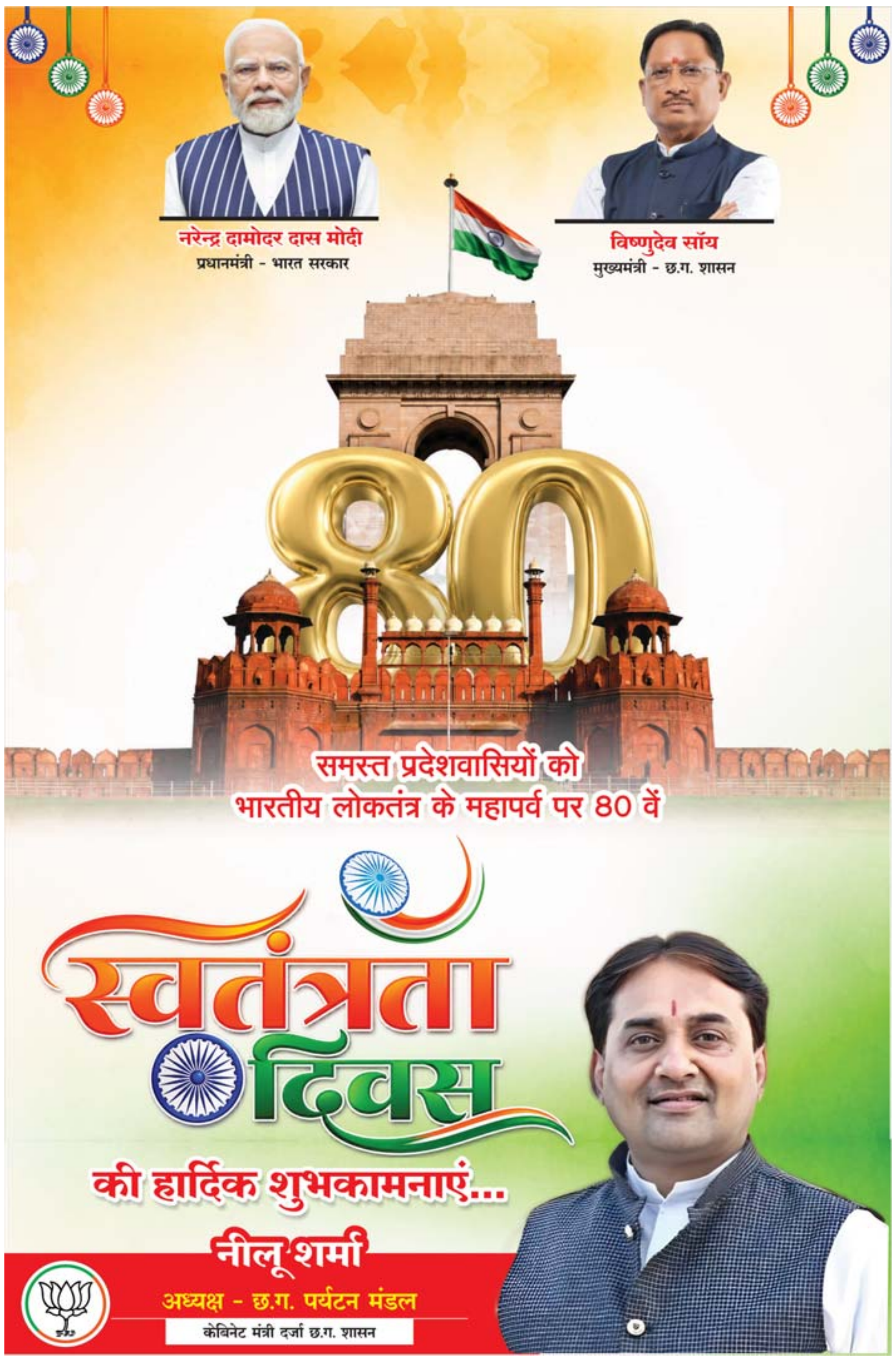

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com